जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 19 जून, 2022

इतिहास में पहली बार

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया वाली 5BHK कोठी सिर्फ 75 लाख में !

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

तीन पीढ़ियां - एक घर

Advance Notice: Last Few Units Left

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

JDA की सीमा मे जमीन बेचने के लिये 7665078637 पर जमीन का सम्पूर्ण विवरण WhatsApp करें।

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com
www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

आदि-मानव की पृथ्वी पर उत्तरजीविता

अगर निएंडरथल मानव 2000 पीढ़ियों तक और रहते तो वे आज भी हमारे साथ पृथ्वी पर कहीं न कहीं साथ रह रहे होते। हमारा एक और करीबी वंशज डेनिसोवन्स को तो अब तक जीवित रहने के अपने वंश की सिर्फ 750 और पीढ़ियों की आवश्यकता पड़ी होती। लेकिन मानव जाति के रूप में आज हम, होमो सेपियन्स, पृथ्वी पर अकेले बचे हैं। हालांकि अभी तक सात या अधिक प्रकार के आदि मानव अभी तक खोजे गये हैं, उन सबके साथ हमने कभी-न-कभी पृथ्वी साझा किया था। ऐसी आम धारणा है कि होमो सेपियन्स के पूर्वजों ने बुरा, क्रूर और छोटा जीवन व्यतीत किया, जैसा कि अंग्रेजी दार्शनिक थॉमस हॉब्स ने अपनी 1651 की पुस्तक लेविथान में लिखा है। थॉमस हॉब्स ने मनुष्यों की प्रकृति का बड़ा निराशावादी निरूपण किया है। कहने का तात्पर्य यह है कि ऐसा माना जाता है कि हमने अन्य प्रकार के आदि मानवों को मार डाला होगा, परन्तु उनके विलुप्त होने का एक संभावित कारण यह है कि जलवायु में नाटकीय उतार-चढ़ाव ने आदि मानवों की अन्य प्रजातियों को पीछे छोड़ दिया। प्रमाण बताते हैं कि ये सब छोटे-छोटे अलग-थलग समूहों में रहते थे और संभवत: यही कारण रहा होगा कि वे जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों से अपना अस्तित्व नहीं बचा पाये।

अब यदि नवीनतम पुरातात्विक और अनुवांशिकीय शोध की मानें तो शायद यह क्रूर लोगों का अस्तित्व नहीं, बल्कि दयालु और मिलनसार लोगों का अस्तित्व था। हमारे सॉफ्ट स्किल्स जैसे सहिष्णुता, करुणा, दान, और दूसरों के साथ संबंध बनाने की इच्छा आदि उन जलवायु परिवर्तनों के बावजूद हमारे अस्तित्व के मिटने से बचे रहने का मूल रहस्य हो सकते हैं। जैसा कि हम आगे देखेंगे, रोचक बात यह है कि वैदिक ऋषियों ने भी ना केवल इन महत्वपूर्ण गुणों को पहचाना और लोगों तक इस ज्ञान को पहुँचाया, बल्कि इन्हें जीवन का आवश्यक अंग बनाने हेतु भी प्रेरित किया। इसके साथ ही जीवन का प्राचीन किन्तु आज भी क्रियाशील विज्ञान, आयुर्वेद, इन गुणों के क्लिनिकल महत्त्व को प्रतिपादित करता है।

हाल ही में हुई शोध से स्पष्ट होता है कि अनजान लोगों के साथ शीघ्रता से मित्रता स्थापित करने की हमारी क्षमता हमारे सतत अस्तित्व का कारण हो सकता है। उदाहरण के लिए, पुरातात्विक साक्ष्य से पता चलता है कि होमो सेपियन्स न केवल अन्य सभी मनुष्यों की तुलना में बड़े समूहों में रहते थे, बल्कि अपने समूह से परे जाकर तत्काल गठबंधन बनाने की उनमें एक अद्वितीय क्षमता थी। ऐसा संभव है कि इन समाजोन्मुखी क्षमताओं ने हमें सबसे अधिक अनुकूलनीय मानव प्रजाति बनाने में मदद की हो जिस कारण हम पृथ्वी के सभी प्रकार के पारिस्थितिक तंत्रों पर पर कब्जा करने में सक्षम हैं। होमो सेपियन्स पूर्वज एक तरफ तो सभी तरह के वातावरण में रहने की सामान्यता विकसित कर पाये वहीं दूसरी ओर विशेष प्रकार के वातावरणों में रहने की विशेषज्ञता भी विकसित कर पाये। इस प्रकार हमारे पूर्वज जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनशीलता का सामना करने में अधिक सक्षम रहे।

हालाँकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि हमारी अनुकूलन क्षमता का विकास कैसे हुआ। हमारे भावनात्मक स्वभाव और कमजोरियों ने ही हमें बढ़त दी है। हमारी भावनात्मक ज़रूरत ने हमें दूसरों से जुड़ने की प्रेरणा दी और इस कारण हमारे नेटवर्क के विस्तार ने हमें और अधिक लचीला बनाया जिससे हमें कई अलग-अलग वातावरणों में फलने-फूलने का मौका मिला। इस बात के कुछ प्रमाण लगभग 2 मिलियन वर्ष पूर्व देखने होंगे जब ये जटिल भावनायें उभरी होंगी। मानव के वानर जैसे पूर्वज आस्ट्रेलोपिथेकस (दक्षिणी अफ्रीका) में बीमार या घायल होमिनिन के लिए संभावित देखभाल के शुरुआती ज्ञात उदाहरण पाए गये हैं। उन व्यक्तियों के कंकालों में जिनमें हड्डियों की समस्या, दर्द और विकलांगता व रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर वाले किशोर लड़के का प्रमाण मिला है। ऐसे लोगों को लगभग निश्चित रूप से कुछ स्तर की सहायता जैसे जीवित रहने के लिए भोजन और सुरक्षा मिली होगी।

लगभग 50,000 साल पहले दक्षिण एशिया के घने जंगल के वातावरण में, जब होमो सेपियन्स ने पहली बार इस क्षेत्र को बसाया था, में भी समाजोन्मुखी सहयोग के प्रमाण पाए हैं। श्रीलंका के जंगलों में गहरे पाई गई हड्डियों के अध्ययन से पता चलता है कि होमो सेपियन्स साल भर वर्षावन में रहते थे। वे बंदरों और विशाल गिलहरियों का शिकार करने के लिए धनुष-बाण का उपयोग करके वर्षावन में रहने के विशेषज्ञ बन गये। लेकिन उनकी हड्डियों के साथ मिली कलाकृतियां, जैसे समुद्री खोल के मोती और शार्क के दांत, संकेत देते हैं कि उनका तटीय क्षेत्रों की आबादी के साथ भी संपर्क था। एक जंगल में और एक तट पर दो अलग-अलग आबादियों के मध्य परस्पर सामाजिक संचार का यह एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। कालान्तर में आगे चलकर सोशल नेटवर्क के सर्वाइवल नेटवर्क जैसा कारगर होने के प्रमाण बहुत मिलते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि प्राचीन वैदिक साहित्य में दर्शित दम (आत्म-नियंत्रण), दान (दान, उपहार, गिफ्ट), दया (सद्भावना, स्नेह, कल्याणार्थ परोपकार आदि) पर दुनिया भर में अब बहुत शोध हुई है। सोशल नेटवर्क्स के गठन और निरंतरता में तीनों गुणों का महत्वपूर्ण और निर्णायक योगदान है (बृहदारण्यकोपनिषत् 5.5.2): तदेतदेवैषा दैवी वागनुवदति स्तनयित्नुर्द द द इति दाम्यत दत्त दयध्वमिति। तदेतत्त्रय शिक्षेद् दमं दानं दयामिति।। दम (आत्म-नियंत्रण), दान (दान, उपहार, गिफ्ट आदि), दया (सद्भावना, स्नेह, कल्याणार्थ परोपकार आदि) का स्वास्थ्य पर प्रभाव देखने के लिये दुनिया भर में हुई बहुत शोध हुई है। मानव के सोशल नेटवर्क्स के गठन और निरंतरता में तीनों गुणों का महत्वपूर्ण और निर्णायक योगदान है। इसके साथ ही यह कथन भी इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण है (ऋग्वेद 10.191.2-4): सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते।। समानो मन्त्र: समिति: समानी समानं मन: सह चित्तमेषाम्। समानं मन्त्रमभि मन्त्रये व: समानेन वो हविषा जुहोमि।। समानी व आकूति: समाना हृदयानि व:। समानमस्तु वो मनो यथा व: सुसहासति।। हे मनुष्यो, मिलकर चलो, मिलकर बात करो, तुम्हारे चित्त एक जैसे होकर ज्ञान प्राप्त करें, जिस प्रकार पूर्व विद्वान्, ज्ञानीजन जानने योग्य को जानते हेतु उपासना करते आये हैं। इन सबका विचार समान हो, समिति सभा समान हो, मन समान हो, चित्त एक समान उद्देश्य वाला हो, मैं तुम्हे समान विचार वाला बनाता हूँ, तुम्हे समान खान-पान युक्त करता हूँ। हे मनुष्यो, तुम्हारे संकल्प समान हों, तुम्हारे हृदय समान हों, तुम्हारे मन समान हों, जिससे तुम परस्पर मिलजुल कर रहो।

मानव जाति की प्रागैतिहासिक काल से आज तक चल रही यात्रा आगे जारी रहेगी या नहीं यह इस बात पर निर्भर करेगा क्या हम अपने उन गुणों का सदुपयोग करते रहेंगे या नहीं जिनके कारण हम प्राचीन काल में अपनी जाती को बचा पाये। इस प्रश्न का उत्तर समकालीन विज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

हमारी भावनात्मक प्रकृति के परिणामस्वरूप बने सामाजिक नेटवर्क कठिन समय के लिये एक महत्वपूर्ण बीमा पॉलिसी की तरह रहे होंगे, जिससे हमारे प्रारंभिक होमो सेपियन्स पूर्वजों को न केवल भोजन और संसाधनों बल्कि विचारों को साझा करने के अवसर मिले होंगे। बदले में हमें हमारे इन गुणों ने जलवायु की अनिश्चितताओं से अनुकूलन करने में सक्षम बनाते है। भारी जलवायु परिवर्तन की दशा में अपने संघर्ष के समय अपने पड़ोसियों से मदद लेने-देने में सक्षम रहने के कारण हमारे पूर्वज होमो सेपिएंस अविश्वसनीय अनुकूलन कर पाये। इस प्रकार कहा जा सकता है कि क्रूरता नहीं बल्कि दयालुता और मिलनसारिता अस्तित्व को बचाने में कारगर रही।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या ये भावनात्मक कौशल और समाजोन्मुखी व्यवहार हमें अब भी पचड़े से बाहर निकालेंगे क्योंकि पृथ्वी पर जलवायु फिर से बदल रही है?

मानव जाति की प्रागैतिहासिक काल से आज तक चल रही यात्रा आगे जारी रहेगी या नहीं यह इस बात पर निर्भर करेगा क्या हम अपने उन गुणों का सदुपयोग करते रहेंगे या नहीं जिनके कारण हम प्राचीन काल में अपनी जाती को बचा पाये। इस प्रश्न का उत्तर समकालीन विज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

पहला, मानव की बुद्धिमत्ता एक समग्र, बहुआयामी व्यक्तित्व विशेषता है जो व्यक्तिगत एवं सामाजिक कल्याण, जीवन-संतुष्टि, प्रसन्नता और समग्र स्वास्थ्य से संबंधित है और जीवन के इन सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है। वर्तमान और अद्यतन शोध की स्थिति यह है कि विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा के कम से कम सात घटक पहचाने जा चुके हैं। इनमें (1) सहिष्णुता एवं विचारों की विविधता को स्वीकार करना, (2) अनिश्चितता के रहते हुये भी निर्णय लेने की क्षमता, (3) भावनात्मक विनियमन या इमोशनल रेगुलेशन, (4) समाजोन्मुखी व्यवहार या प्रोसोशल बिहेवियर जिसमें आत्म-नियंत्रण, दया, सहायता और करुणा आदि शामिल हैं, (5) आत्म-समीक्षा, (6) उचित सलाह देने में तत्परता या सोशल एडवाइजिंग तथा (7) आध्यात्मिकता शामिल हैं। प्रज्ञा व्यक्ति को सदैव आत्म-नियंत्रित, आत्म-समीक्षक, और समाजोपयोगी बनाती है और यह मानव जाति की निरंतरता के लिये अनिवार्य होगी।

दूसरा, हमें आयुर्वेद की सलाह के अनुरूप सुखायु और हितायु प्राप्त करने हेतु प्रयत्न करते रहना होगा। सुखायु और हितायु प्रज्ञावान व्यक्ति के लिये ही संभव है। यही सुखायु और हितायु प्राप्त करने हेतु मानव जाति के प्रयत्न हमारी भविष्य में उत्तरजीविता सुनिश्चित कर पायेंगे। आयुर्वेद में सुखमायु: हितमायु: दोनों रणनीतियों को एक साथ क्रियान्वित करना ही मानव जाति की उत्तरजीविता सुनिश्चित करेगा क्योंकि स्वयं के लिये सुखकारी और समाज के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति ही सार्वभौमिक कल्याण का रास्ता देती है (च.सू.30.24): तत्र शारीरमानसाभ्यां रोगाभ्यामनभिद्रुतस्य विशेषेण यौवनवत: समर्थानुगतबलवीर्ययश: पौरुषपराक्रमस्यज्ञानविज्ञानेन्द्रियेन्द्रियार्थबलसमुदये वर्तमानस्य परमर्द्धिरुचिरविविधोपभोगस्य समृद्धसर्वारम्भस्य यथेष्टविचारिण: सुखमायुरुच्यते; असुखमतो विपर्ययेण; हितैषिण: पुनर्भूतानां परस्वादुपरतस्य सत्यवादिन: शमपरस्य परीक्ष्यकारिणोऽप्रमत्तस्य त्रिवर्गं परस्परेणानुपहतमुपसेवमानस्य पूजार्हसम्पूजकस्य ज्ञानविज्ञानोपशमशीलस्य वृद्धोपसेविन: सुनियतरागरोषेर्ष्यामदमानवेगस्य सततं विविधप्रदानपरस्य तपोज्ञानप्रशमनित्यस्याध्यात्मविदस्तत्परस्य लोकमिमं चामुंचावेक्षमाणस्य स्मृतिमतिमतो हितमायुरुच्यते; अहितमतो विपर्ययेण।। शारीरिक और मानसिक रोगों से पूरी तरह मुक्त, विशेष रूप से युवावस्था, हर कार्य करने का सामर्थ्य और उसके अनुरूप बल, वीर्य, यश, पराक्रम, ज्ञान, कौशल, इंद्रियों और इंद्रियों के विषयों के बल के समुदाय से युक्त, उत्तम धन-सम्पदा एवं विविध प्रकार के उपभोग में सक्षम, जो कार्य प्रारम्भ किये वे सभी कार्य पूर्ण हो गये हों और स्वयं की इच्छा अनुसार चलने-फिरने वाले व्यक्ति का जीवन सुखी जीवन होता है। इसके उलट दु:खी जीवन होता है। अपना कल्याण सुनिश्चित करते हुये, सभी प्राणियों के हितचिंतक, दूसरे का धन छीनने से बचने वाले, सत्य बोलने वाले, शांतिप्रिय, कार्यों को सोच विचार कर करने वाले, सावधान, अर्थ, धर्म, काम का सम्यक सेवन करने वाले, श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान करने वाले, ज्ञानशील, विज्ञानशील, शांतिशील, बड़े-बूढ़ों की सेवा करने वाले, राग, क्रोध, ईर्ष्या, मद, मान के वेगों पर उच्चकोटि का नियंत्रण रखने वाले, निरंतर दानशील, नित्य आत्म-नियंत्रित, ज्ञान, शांति, विनम्रता, आध्यात्म के जानकार और प्रयोग में लेने वाले, लोक-परलोक का विचार करने वाले, स्मरण-शक्ति और बुद्धि से युक्त व्यक्ति की आयु हितायु कही जाती है।

अंतिम बात यह है कि अहिंसावादी दृष्टिकोण जिसने हमें आदि-मानव की अन्य प्रजातियों से बेहतर बनाकर निरंतर उद्विकास में मदद किया उस पर निरंतर अमल करना होगा। जलवायु परिवर्तन की दशा में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय कारणों से संघर्ष संभव है। यह संघर्ष अंतत: सभ्ताओं के विनाश का कारण हो सकता है। हमें प्रागैतिहासिक काल में सोशल नेटवर्क्स के माध्यम से उत्तरजीविता सुनिश्चित होने के तथ्य को याद रखते हुये मानव जाति को बचाने का प्रयास करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

'माँ'

पीएम मोदी मां के 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर जन्मदिन पर भावुक होकर एक ब्लॉग पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंनेअपनी जिंदगी की सारी बातें, उतार-चढ़ाव, सुख-दुख, सब कुछ दिल खोलकर लिखा है।

पीएम ने अपनी मां के बलिदानों और जीवन के ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिन्होंने उनके (मोदी के) आत्म-विश्वास, मन एवं व्यक्तित्व को आकार दिया। पीएम मोदी गुजरात के वडनगर में अपने घर पहुंचे और मां के पैर धोकर आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट .. पर अपने इस ब्लॉग को ''मां'' नाम दिया है। मोदी ने ब्लॉग में लिखा पिताजी आज होते, तो बीते हफ्ते वो भी 100 वर्ष के हो गए होते।

पीएम ने आगे लिखा, ''मेरी मां का जन्म, मेहसाणा जिले के विसनगर में हुआ था। मेरी मां को अपनी मां यानि मेरी नानी का प्यार नसीब नहीं हुआ था। एक शताब्दी पहले आई वैश्विक महामारी ने मेरी नानी को भी मेरी मां से छीन लिया था। मां स्कूल का दरवाजा भी नहीं देखा। उन्होंने देखी तो सिर्फ गरीबी और घर में हर तरफ अभाव।''

पीएम मोदी ने लिखा, ''बचपन के संघर्षों ने मेरी मां को उम्र से बहुत पहले बड़ा कर दिया था। और जब शादी हुई तो भी सबसे बड़ी बहू बनीं।

उन्होंने आगे लिखा, ''घर चलाने के लिए दो चार पैसे ज्यादा मिल जाएं, इसके लिए मां दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं, चरखा भी चलाया करती थीं, कपास के छिलके से रूई निकालने का काम, रुई से धागे बनाने का काम, ये सब कुछ मां खुद ही करती थीं। उन्हें डर रहता था कि कपास के छिलकों के कांटें हमें चुभ ना जाएं।''

दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है।

पिछले ही हफ्ते मेरे भतीजे ने गांधीनगर से मां के कुछ वीडियो भेजे हैं। घर पर सोसायटी के कुछ नौजवान लड़के आए हैं, पिताजी की तस्वीर कुर्सी पर रखी है, भजन कीर्तन चल रहा है और मां मगन होकर भजन गा रही हैं, मंजीरा बजा रही हैं। मां आज भी वैसी ही हैं। शरीर की ऊर्जा भले कम हो गई है लेकिन मन की ऊर्जा यथावत है।

वडनगर के जिस घर में हम लोग रहा करते थे वो बहुत ही छोटा था। उस घर में कोई खिड़की नहीं थी, कोई बाथरूम नहीं था, कोई शौचालय नहीं था। कुल मिलाकर मिट्टी की दीवारों और खपरैल की छत से बना वो एक-डेढ़ कमरे का ढांचा ही हमारा घर था, उसी में मां-पिताजी, हम सब भाई-बहन रहा करते थे।

पिताजी चार बजे भोर में घर से निकल जाया करते थे। घर से निकलकर मंदिर जाना, प्रभु दर्शन करना और फिर चाय की दुकान पर पहुंच जाना उनका नित्य कर्म रहता था। मां को भी सुबह 4 बजे उठने की आदत थी। सुबह-सुबह गेहूं पीसना हो, बाजरा पीसना हो, चावल या दाल बीनना हो, सारे काम वो खुद करती थीं।

मुझे तालाब में नहाने का, तालाब में तैरने का बड़ा शौक था इसलिए मैं भी घर के कपड़े लेकर उन्हें तालाब में धोने के लिए निकल जाता था। कपड़े भी धुल जाते थे और मेरा खेल भी हो जाता था।

माँ के साथ घर में हंसते प्रधानमंत्री मोदी।

बारिश में हमारे घर में पानी टपकता, घर की दीवारों को नुकसान ना पहुंचे, इसलिए मां जमीन पर बर्तन रख दिया करती थीं। छत से टपकता हुआ पानी उसमें इकट्ठा होता रहता था। बाद में उसी पानी को मां घर के काम के लिए अगले 2-3 दिन तक इस्तेमाल करती थीं।

मां घर के भीतर की जमीन को गोबर से लीपती थीं। मां बिना खिड़की वाले उस घर में उपले पर ही खाना बनाती थीं। धुआं निकल नहीं पाता था इसलिए घर के भीतर की दीवारें बहुत जल्दी काली हो जाया करती थीं। मां मिट्टी की बहुत सुंदर कटोरियां बनाकर भी उन्हें सजाया करती थीं। पुरानी चीजों को रीसायकिल करने की हम भारतीयों में जो आदत है, मां उसकी भी चैंपियन रही हैं।

मां अकसर पुराने कागजों को भिगोकर, उसके साथ इमली के बीज पीसकर एक पेस्ट जैसा बना लेती थीं, फिर इस पेस्ट की मदद से वो दीवारों पर शीशे के टुकड़े चिपकाकर बहुत सुंदर चित्र बनाया करती थीं। मां इस बात को लेकर हमेशा बहुत नियम से चलती थीं कि बिस्तर बिल्कुल साफ-सुथरा हो। हर काम में पर्फेक्शन का उनका भाव इस उम्र में भी वैसा का वैसा ही है। और गांधीनगर में अब तो भैया का परिवार है, मेरे भतीजों का परिवार है, वो कोशिश करती हैं कि आज भी अपना सारा काम खुद ही करें।

दिल्ली से मैं जब भी गांधीनगर जाता हूं, तो मुझे अपने हाथ से मिठाई जरूर खिलाती हैं। और जैसे एक मां, किसी छोटे बच्चे को कुछ खिलाकर उसका मुंह पोंछती है, वैसे ही मेरी मां आज भी मुझे कुछ खिलाने के बाद किसी रुमाल से मेरा मुंह जरूर पोंछती हैं।

मुझे याद है, वडनगर में हमारे घर के पास जो नाली थी, जब उसकी सफाई के लिए कोई आता था, तो मां बिना चाय पिलाए, उसे जाने नहीं देती थीं।

गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए वो मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी जरूर रखा करती थीं। पिताजी अपनी चाय की दुकान से जो मलाई लाते थे, मां उससे बड़ा अच्छा घी बनाती थीं। और उस घी पर मोहल्ले की गायों का भी अधिकार था। मां हर रोज, नियम से गौमाता को रोटी खिलाती थी।

हमारे कस्बे में जब किसी के शादी-ब्याह में सामूहिक भोज का आयोजन होता था तो वहां जाने से पहले मां सभी को ये बात जरूर याद दिलाती थीं कि खाना खाते समय अन्न मत बर्बाद करना।

हमारे घर से थोड़ी दूर पर एक गांव था जिसमें मेरे पिताजी के बहुत करीबी दोस्त रहा करते थे। उनका बेटा था अब्बास। दोस्त की असमय मृत्यु के बाद पिताजी अब्बास को हमारे घर ही ले आए थे। अब्बास हमारे घर में ही रहकर पढ़ा। ईद पर मां, अब्बास के लिए उसकी पसंद के पकवान बनाती थीं।

हमारे घर के आसपास जब भी कोई साधु-संत आते थे तो मां उन्हें घर बुलाकर भोजन अवश्य कराती थीं। जब वो जाने लगते, तो मां अपने लिए नहीं बल्कि हम भाई-बहनों के लिए आशीर्वाद मांगती थीं।

आज लोग मां के पास जाकर पूछते हैं कि आपका बेटा पीएम है, आपको गर्व होता होगा, तो मां का जवाब बड़ा गहरा होता है। मां उन्हें कहती है कि जितना आपको गर्व होता है, उतना ही मुझे भी होता है।

अब तक दो बार ही ऐसा हुआ है जब मां किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में मेरे साथ आई हैं।

एक बार मैं जब एकता यात्रा के बाद श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहरा कर लौटा था, तो अमदाबाद में हुए नागरिक सम्मान कार्यक्रम में मां ने मंच पर आकर मेरा टीका किया था। दूसरी बार वो सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ तब आईं थी जब मैंने पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

मुझे एक और वाकया याद आ रहा है। जब मैं सीएम बना था तो मेरे मन में इच्छा थी कि अपने सभी शिक्षकों का सार्वजनिक रूप से सम्मान करूं। मेरे मन में ये भी था कि मां तो मेरी सबसे बड़ी शिक्षक रही हैं, उनका भी सम्मान होना चाहिए। लेकिन उन्होंने कहा कि देख भाई, मैं तो निमित्त मात्र हूं। तुम्हारा मेरी कोख से जन्म लेना लिखा हुआ था। तुम्हें मैंने नहीं भगवान ने गढ़ा है।। ये कहकर मां उस कार्यक्रम में नहीं आई थीं। मेरे सभी शिक्षक आए थे, लेकिन मां उस कार्यक्रम से दूर ही रहीं।

कई बार मुझे वो कहती हैं कि देखो भाई, पब्लिक का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है, ईश्वर का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है, तुम्हें कभी कुछ नहीं होगा। वो बोलती हैं कि अपना शरीर हमेशा अच्छा रखना।

मां के नाम आज भी कोई संपत्ति नहीं है। मैंने उनके शरीर पर कभी सोना नहीं देखा। वो पहले भी सादगी से रहती थीं

- **मां दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं, चरखा भी चलाया करती थीं**
- **बड़नगर में हमारा घर बहुत छोटा था जिसमें खिड़की, शौचालय, बाथरूम नहीं था**

और आज भी वैसे ही अपने छोटे से कमरे में पूरी सादगी से रहती हैं।

ईश्वर पर मां की अगाथ आस्था है, हां, माला जपने की आदत सी पड़ गई है उन्हें। दिन भर भजन और माला जपना इतना ज्यादा हो जाता है कि नींद भी भूल जाती हैं। इतने बरस की होने के बावजूद, मां की याद्दाश्त अब भी बहुत अच्छी है।

2017 की बात है जब मैं यूपी चुनाव के आखिरी दिनों में, काशी में था। वहां से मैं अमदाबाद गया तो मां के लिए काशी से प्रसाद लेकर भी गया था। मां से मिला तो उन्होंने पूछा कि क्या काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन भी किए थे?

मां छोटे बच्चों के उपचार के कई देसी तरीके जानती हैं। वडनगर वाले घर में तो अक्सर हमारे यहां सुबह से ही कतार लग जाती थी।

दूसरों की इच्छा का सम्मान करने की भावना, दूसरों पर अपनी इच्छा ना थोपने की भावना, मैंने मां में बचपन से ही देखी है। खासतौर पर मुझे लेकर वो बहुत ध्यान रखती थीं कि वो मेरे और मेरे निर्णयों को बीच कभी दीवार ना बनें। उनसे मुझे हमेशा प्रोत्साहन ही मिला। मां ने कभी इसे बोझ नहीं माना। जैसे मैं महीनों-महीनों के लिए खाने में नमक छोड़ देता था। कई बार ऐसा होता था कि मैं हफ्तों-हफ्तों अन्न त्याग देता था, सिर्फ दूध ही पीया करता था। कभी तय कर लेता था कि अब 6 महीने तक मीठा नहीं खाऊंगा। सर्दी के दिनों में, मैं खुले में सोता था, नहाने के लिए मटके के ठंडे पानी से नहाया करता था। मैं अपनी परीक्षा स्वयं ही ले रहा था। मां मेरे मनोभावों को समझ रही थीं। वो कोई जिद नहीं करती थीं। वो यही कहती थीं- ठीक है भाई, जैसा तुम्हारा मन करे।

एक दिन आखिरकार मैंने मां-पिता को घर छोड़ने की इच्छा बताई और उनसे आशीर्वाद मांगा। मेरी बात सुनकर पिताजी बहुत दुखी हुए। वो थोड़ा खिन्न होकर बोले- तुम जानो, तुम्हारा काम जाने। लेकिन मैंने कहा कि मैं ऐसे बिना आशीर्वाद घर छोड़कर नहीं जाऊंगा। मां को मेरे बारे में सब कुछ पता था ही। उन्होंने फिर मेरे मन का सम्मान किया। वो बोलीं कि जो तुम्हारा मन करे, वही करो। हां, पिताजी की तसल्ली के लिए उन्होंने उनसे कहा कि वो चाहें तो मेरी जन्मपत्री किसी को दिखा लें। हमारे एक रिश्तेदार को ज्योतिष का भी ज्ञान था। पिताजी मेरी जन्मपत्री के साथ उनसे मिले। जन्मपत्री देखने के बाद उन्होंने कहा कि उसकी तो राह ही कुछ अलग है, ईश्वर ने जहां तय किया है, वो वहीं जाएगा।

इसके कुछ घंटों बाद ही मैंने घर छोड़ दिया था। तब तक पिताजी भी बहुत सहज हो चुके थे। पिताजी ने मुझे आशीर्वाद दिया। घर से निकलने से पहले मां ने मुझे दही और गुड़ भी खिलाया। वो जानती थीं कि अब मेरा आगे का जीवन कैसा होने जा रहा है। मां की ममता कितनी ही कठोर होने की कोशिश करे, जब उसकी संतान घर से दूर जा रही हो, तो पिघल ही जाती है। मां की आंख में आंसू थे लेकिन मेरे लिए खूब सारा आशीर्वाद भी था। घर छोड़ने के बाद के वर्षों में, मैं जहां रहा, जिस हाल में रहा, मां के आशीर्वाद की अनुभूति हमेशा मेरे साथ रही। मां मुझसे गुजराती में ही बात करती हैं।

मेरी मां ने हमेशा मुझे अपने सिद्धांत पर डटे रहने, गरीब के लिए काम करते रहने के लिए प्रेरित किया है। मुझे याद है, जब मेरा मुख्यमंत्री बनना तय हुआ तो मैं गुजरात में नहीं था। एयरपोर्ट से मैं सीधे मां से मिलने गया था। खुशी से भरी हुई मां का पहला सवाल यही था कि क्या तुम अब यहीं रहा करोगे? मां मेरा उत्तर जानती थीं। फिर मुझसे बोलीं- मुझे सरकार में तुम्हारा काम तो समझ नहीं आता लेकिन मैं बस यही चाहती हूं कि तुम कभी रिश्वत नहीं लेना।''

यहां दिल्ली आने के बाद मां से मिलना-जुलना और भी कम हो गया है। जब गांधीनगर जाता हूं तो कभी-कभार मां के घर जाना होता है। मां से मिलना होता है, बस कुछ पलों के लिए। लेकिन मां के मन में इसे लेकर कोई नाराजगी या दुख का भाव मैंने आज तक महसूस नहीं किया। मां का स्नेह मेरे लिए वैसा ही है, मां का आशीर्वाद मेरे लिए वैसा ही है। मां अकसर पूछती हैं- दिल्ली में अच्छा लगता है? मन लगता है? मां से जब भी फोन पर बात होती है तो यही कहती हैं कि देख भाई, कभी कोई गलत काम मत करना, बुरा काम मत करना, गरीब के लिए काम करना।

गरीबी से जूझते हुए परिस्थितियां कैसी भी रही हों, मेरे माता-पिता ने ना कभी ईमानदारी का रास्ता छोड़ा ना ही अपने स्वाभिमान से समझौता किया। उनके पास हर मुश्किल से निकलने का एक ही तरीका था- मेहनत, दिन रात मेहनत। मेरी मां आज भी इसी प्रयास में रहती हैं कि किसी पर बोझ नहीं बनें, जितना संभव हो पाए, अपने काम खुद करें। आज भी जब मैं मां से मिलता हूं, तो वो हमेशा कहती हैं कि मैं मरते समय तक किसी की सेवा नहीं लेना चाहती, बस ऐसे ही चलते-फिरते चले जाने की इच्छा है।

अभाव की हर कथा से बहुत ऊपर, एक मां की गौरव गाथा होती है।

संघर्ष के हर पल से बहुत ऊपर, एक मां की इच्छाशक्ति होती है।

मां, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आपका जन्म शताब्दी वर्ष शुरू होने जा रहा है।

सार्वजनिक रूप से कभी आपके लिए इतना लिखने का, इतना कहने का साहस नहीं कर पाया।

आप स्वस्थ रहें, हम सभी पर आपका आशीर्वाद बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

अपनी अधिकारिक वैबसाइट पर 'माँ' शीर्षक से लिखा गया ब्लॉग

सांवलिया सेठ के दरबार में दो हजार किलो की स्टील रेलिंग लगवाई

रेलिंग से महिला एवं पुरुष पंक्तिबद्ध क्रम से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे

मंडफिया,(निसं)। दानदाताओं की ओर से भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दरबार में 2 हजार किलोग्राम स्टील की रेलिंग लगाई।

मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि दानदाता कंचन इंडिया लिमिटेड भीलवाड़ा के मालिक लादूराम बांगर एवं कृष्ण गोपाल बांगर की ओर से भगवान श्री सांवलिया सेठ मंदिर के मुख्य सिंह द्वार पर दर्शनार्थियों के मंदिर में जाने के लिए 2 हजार किलोग्राम की भारी स्टील की रेलिंग लगाई गई। मंदिर प्रभारी शर्मा ने बताया कि इससे महिला एवं पुरुष अलग-अलग पंक्तिबद्ध क्रम से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। शर्मा ने बताया कि इन्हीं दानदाता द्वारा पूर्व में मंदिर में 5 हजार किलोग्राम पीतल की रेलिंग लगाई गई एवं मंदिर कॉरीडोर में 75 पंखे भी लगाए गए। मंदिर मंडल की ओर से मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने दानदाताओं का उपरना, प्रसाद एवं भगवान की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

भगवान श्री सांवलिया सेठ के मंदिर में दानदाता कंचन इंडिया लिमिटेड भीलवाड़ा के मालिक लादूराम बांगर एवं कृष्ण गोपाल बांगर की ओर से मुख्य सिंह द्वार पर दो हजार किलो की स्टील की रेलिंग लगाई गई।

- **मंदिर प्रभारी ने दानदाताओं का उपरना, प्रसाद एवं भगवान की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया**

राशिफल रविवार 19 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र प्रात: 5:56 तक, विष्कुम्भ योग दिन 10:51 तक, गर करण दिन 11:19 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग प्रात: 5:56 से 4:53 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 4:53 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 10:19 से सोमवार दिन 9:40 तक रहेगी। आज पंचक और फादर्स डे है।

श्रेष्ठ चौघाड़िया: चर 7:20 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:28 तक, शुभ 2:11 से 3:53 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

कन्या
ावीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन खिन्न हो सकता है और भागदौड़ रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों से संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों को टालना पड़ सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंध में सोच-विचार हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मीन
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 314 प्रभात जयपुर, रविवार 19 जून, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The 'Beraham' Thug

Thuggee led to the Criminal Tribes Act (CTA) of 1871, the department remained in existence until 1904 when it was replaced by the Central Criminal Intelligence Department (CID).

Simply Spanish

POCKET-WORTHY: All Night Reading

माइग्रेट करने वाले टर्टल असल में नहीं जानते की वो कहां जा रहे हैं। हाल ही में एक शोध में पता लगा है कि हॉक्सबिल टर्टल छोटी सी दूरी के लिए भी चक्करदार रास्ते का प्रयोग करते हैं। एक बार एक टर्टन ने मात्र 176 किलोमीटर दूर स्थित एक द्वीप तक पहुंचने के लिए 1306 किलोमीटर दूरी तय की। वैज्ञानिकों की एक अन्तर्राष्ट्रीय टीम ने हॉक्सबिल टर्टल की गतिविधियों को उस समय मैप किया, जब वो चागस द्वीप समूह के अपने प्रजनन क्षेत्र से भोजन की तलाश में निकले। चागस द्वीप समूह और उनके भोजन के ठिकाने दोनों ही हिंद महासागर में हैं। अध्ययन में पाया गया कि, टर्टल ने छोटी दूरी तक माइग्रेट करने के लिए घुमावदार रास्ता तय किया, जिससे यह बात समझ में आती है कि खुले समुद्र में उनकी नैविगेशनल सूझबूझ काफी कम होती है। शोध में पाया गया कि एक टर्टल ने अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए 7 गुना ज्यादा दूरी तय की। टीम ने नैस्टिंग पूर्ण कर चुके 22 हॉक्सबिल टर्टल के टैग लगाकर उन्हें ट्रैक किया। डीकिन युनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और प्रथम शोध लेखक, प्रोफेसर ग्रेअम हेज़ ने कहा कि "अगर वे "परफैक्ट नैवीगेटर्स" होते तो अपने प्राकृतिक आवास से भोजन स्थल तक जाने का सीधा रास्ता लेते।" उन्होंने कहा, "हम जिन टर्टल को ट्रैक कर रहे थे उन्होंने 4-5 महीनों से कुछ भी नहीं खाया भी नहीं था।" पूर्व के एक शोध में कहा गया था कि, कछुए संभवतया अपने जन्म स्थल की मैग्नैटिक फील्ड को पहचानते हैं और बाद में अण्डे देने वहीं लौटते हैं और संभवतया वो पृथ्वी के चुम्बकीय फील्ड में परिवर्तन का भी पता लगा लेते हैं जिसकी मदद से समुद्र में नैविगेशन करते हैं। हेज़ ने कहा, "नए शोध का सुझाव था कि, टर्टल जियोमैग्नैटिक नक्शे का उपयोग ज़रुर कर रहे हैं लेकिन उनका तरीका सुघड़ नहीं है। इसलिए टर्टल एकदम सीधे रास्ते पर नहीं जा पाते बल्कि लम्बा रास्ता चुनते हैं।" हेज़ ने कहा, "दूसरी तरफ, ग्रीन टर्टल 5000 किलोमीटर तक माइग्रेशन करते हैं, वे हिंदमहासागर को पार कर अफ्रीका के तट तक जाते हैं।" नई रिसर्च कहती है कि, टर्टल की जिओमैग्नैटिक मैप समझ इतनी अच्छी नहीं होती कि वे अपनी मंज़िल का पता लगा सकें। हालांकि, मंज़िल के करीब होने पर वे गंध और लैण्ड मार्क की स्मृति का इस्तेमाल करके वहाँ पहुँच जाते हैं।

सरकार ने "अग्निपथ" भर्ती प्रोग्राम पर अडिग रहने का इरादा जताया

पर प्रदर्शनकारियों पर ठण्डे छीटें भी डाले, अग्निवीरों को सैन्ट्रल फोर्सेज़ में 10 प्रतिशत आरक्षण देना स्वीकार किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। नई सैन्य भर्ती "अग्निपथ" योजना के खिलाफ हो रहे विरोध-प्रदर्शन के आठ राज्यों में फैल जाने के फलस्वरूप, सरकार ने आज युवाओं के आक्रोश को कम करने के लिए दिये गये प्रलोभन के अन्तर्गत घोषणा कर दी कि "अग्निवीरों" को सैन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ (सी.ए.पी.एफ.) तथा असम राइफल्स में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा।

ऐसा लगता है कि सरकार नर्म रुख अपनाने के मूड में नहीं है तथा विपक्ष की माँग या अपील को तवज्जो देने के लिये भी तैयार नहीं है। आम जनता में बन चुकी अपनी खराब छवि को बचाने तथा बनाये रखने की खातिर, जनमत या विरोध के आगे नहीं झुकने की अपनी नीति पर चलते हुये, मोदी सरकार अपनी घोषित अग्निपथ योजना पर अड़ी हुई है। यह अलग बात है कि सरकार ने कुछ सुविधा जरूर प्रदान कर दी है।

बिहार, जहाँ विरोध प्रदर्शन बहुत बड़े पैमाने पर हो रहे हैं, में भाजपा के सहयोग से बनी गठबंधन सरकार को चलाने वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने जहाँ केन्द्र सरकार से इस योजना पर पुनर्विचार करने के लिये कहा है, वहीं विपक्षी दल माँग कर रहे हैं कि इस योजना को वापस लिया जाये या फिर विशेषज्ञों तथा हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करने के बाद इसे कुछ समय बाद लॉन्च किया जाये।

- **सोनिया गांधी ने अग्निवीरों को भरोसा दिलाया कि, कांग्रेस अग्निपथ स्कीम वापस लिए जाने के लिये उनके साथ है।**
- **बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार में शामिल जद (यू) ने भी अग्निपथ स्कीम पर पुनर्विचार करने के लिये दबाव बनाया।**
- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जरूर पुरज़ोर ढंग से कहा कि, यह स्कीम लागू करने से पहले पूर्व सैनिकों व सेना के वर्तमान अफसरों के साथ बैठकर काफी मंथन व सलाह मशविरा हुआ है।**
- **गृह मंत्रालय ने अर्द्ध सैनिक बलों में भर्ती के लिये निर्धारित आयु सीमा में अग्निवीरों के लिये तीन साल की रियायत देने का भी निर्णय लिया है।**
- **हरियाणा के महेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के अलावा पंजाब के लुधियाना स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारियों ने काफी तोड़-फोड़ की।**
- **बिहार में प्रदर्शनकारियों ने लगभग एक दर्जन रेल गाड़ियों में आग लगायी।**

जे.डी. (यू.) प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने कहा कि उनकी पार्टी इसे वापस लेने के लिये नहीं, बल्कि, व्यापक युवा-आक्रोश के चलते, इस पर पुनर्विचार करने के लिये कह रही है।

सरकार पर दबाव डालते हुये, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवाओं को दिये एक संदेश में, उनसे अपील की कि वे शान्तिपूर्ण एवं अहिंसक विरोध करते रहें। उन्होंने कहा, "कांग्रेस अपनी पूरी ताकत के साथ आपके साथ खड़ी हैं तथा इस योजना को वापस कराने के लिये संघर्ष करती रहेंगी।" ज्ञातव्य है कि सोनिया गांधी इस समय अस्पताल में भर्ती है तथा कोविड के बाद की अपनी तकलीफ से उबर रही हैं। विपक्ष की माँगों के प्रतिकार की कोशिश के अन्तर्गत, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान जो बिहार के रहने वाले हैं, को सत्तारूढ़ दल ने यह कड़ा संदेश देने के लिये मैदान में उतार दिया है कि अग्निपथ के खिलाफ हो रहा आंदोलन गलत एवं भ्रामक जानकारी का नतीजा है। पासवान ने कहा कि इस योजना को तैयार किये जाने से पहले, पूर्व सैन्य अधिकारियों एवं पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने गुजरात पर रेलवे प्रोजैक्ट्स की बारिश की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। प्रधानमंत्री ने आज अपने गृह राज्य गुजरात को 16 हजार करोड़ रूपयों की रेल परियोजनाओं की सौगात दी। गुजरात में आगामी नवम्बर माह में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एन.डी.ए. सरकार ने संसद में अलग से रेल बजट प्रस्तुत करने की 92 वर्ष पुरानी प्रथा को वर्ष 2016 में तिलांजलि दे दी थी। तब यह तर्क दिया गया था कि सार्वजनिक परिवहन के इस साधन को पुरानी लोकलुभावन संस्कृति के जाल से मुक्त करने की आवश्यकता है। तब से लेकर अब छह वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन स्थिति ज्यों की त्यों है। संसद में अलग से रेल बजट पेश करने की परम्परा खत्म कर रेल मंत्रियों से फोकस खत्म कर दिया गया है। अब प्रधानमंत्री सहित सशक्त राजनेता बड़ी रेल योजनाओं की घोषणा कर वाहवाही लूटते हैं खासकर चुनाव के मौसम में, जैसा यू.पी. में हुआ था।

प्रधानमंत्री ने जिन रेल प्रोजैक्ट्स की घोषणाएं की हैं, उनमें पालनपुर-मदार के डैडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के नए 357 कि.मी. लम्बे खण्ड का शिलान्यास अहमदाबाद-बोटाद खण्ड की 166 कि.मी. लाइन का गेज परिवर्तन और 81 कि.मी. लम्बे पालनपुर-मीठा खण्ड का विद्युतीकरण शामिल है।

- **संसद में अलग से रेलवे बजट पेश होने की परम्परा खत्म होने से रेल मंत्री पर बजट के दौरान फोकस तो खत्म हुआ ही, साथ ही प्र.मंत्री व वरिष्ठ मंत्रियों को बड़े-बड़े रेलवे प्रोजैक्ट्स की घोषणा करने का सदाबहार मौका मिल गया।**
- **इस मौके का भरपूर फायदा उठाया जाता है चुनाव के मौसम में, जैसा कि यू.पी. के चुनाव के समय देखा गया था।**

सूरत में हाई स्पीड स्टेशन का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जबकि सूरत से गुजरने वाली प्रस्तावित मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड लाइन के लिए अगस्त माह में 50 कि.मी. लम्बी ट्रायल की योजना है।

संभावना है प्रधानमंत्री अपनी आगामी गुजरात यात्रा के दौरान इन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

इस वर्ष की शुरूआत में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पूर्व एन.डी.ए. नेताओं ने इसी प्रकार की कुछ रेल परियोजनाओं की घोषणा की थी। इनमें पीलीभीत से शाहजहांपुर की 83 कि.मी. लम्बी लाइन का गेज परिवर्तन, उतरेलिया से रायबरेली तक 60 कि.मी. लम्बी नई रेल लाइन, गाजीपुर से अन्निहार की 40 कि.मी. लाइन और अयोध्या से वाराणसी का विद्युतीकरण प्रोजैक्ट शामिल था।

पूर्व के रेल मंत्री जहां फण्ड्स को लेकर जद्दोजहद करते थे और अपने निर्णयों के लिए तत्कालीन योनजा आयोग या वित्त मंत्रालय के प्रति जवाबदेह हुआ करते थे, वहीं अब रेल बजट की अलग व्यवस्था के अभाव में मंत्रालय का अपने व्यय पर बाह्य व आंतरिक नियंत्रण नहीं रह गया है और रेलवे की कायापलट करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ है।

नया मीडिया सैटअप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा रणदीप सिंह सुरजेवाला की जगह पार्टी सांसद जयराम रमेश (68) को सोशल और डिजिटल मीडिया सहित संचार, प्रचार और मीडिया का प्रभारी बनाए जाने के बाद राजस्थान के सांसद पवन खेड़ा (53) को नए संचार विभाग में मीडिया और प्रचार का चेयरमैन बनाया गया है।

- **जयराम रमेश को कांग्रेस का मीडिया प्रभारी बनाया गया है तथा पवन खेड़ा डिजिटल मीडिया का कामकाज देखेंगे।**

दिल्ली से ताल्लुक रखने वाले खेड़ा उस वक्त पार्टी प्रवक्ता थे जब सुरजेवाला संचार विभाग के प्रमुख थे। हाल ही हुए राज्यसभा चुनावों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्री हैं या सेल्समैन?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने शनिवार को प्रधानमंत्री की भर्त्सना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने मंत्रियों का कद घटाकर उन्हें "अग्निपथ" भर्ती योजना का प्रचार करने में उसी तरह से लगा दिया है, जैसे कि कोई सेल्समैन किसी रेलवे स्टेशन के बाहर चूहे मारने की दवा का फॉर्मूला बेचता है।

कन्हैया कुमार अब कांग्रेस में हैं और ए.आई.सी.सी. के नए मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा और पार्टी सांसद प्रमोद तिवारी के साथ यहां ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर एक संयुक्त प्रैस कांफ्रैंस को संबोधित कर रहे थे। प्रैस कांफ्रैंस का उद्देश्य सरकार पर यह दबाव डालना था कि वह बिना किसी विचार-विमर्श के लागू की गई इस योजना को वापस ले।

उक्त तीनों नेताओं ने इस स्कीम के खिलाफ आंदोलनरत युवाओं, खासकर बिहार के युवाओं से अपील की कि वे शांत और अहिंसक रहे, तभी उनका संघर्ष सफल होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है कि सेना में प्रति वर्ष रिक्त होने वाले 55 हजार पदों को नियमित प्रक्रिया से ना भरे जाने के क्या कारण हैं।

खेड़ा ने जोर देकर कहा कि सरकार बात सेना का असैन्यीकरण कर 75 प्रतिशत प्रशिक्षित सैनिकों को पुनः सार्वजनिक जीवन में लाकर समाज का सैन्यीकरण करना है।

प्रमोद तिवारी ने इस स्कीम को "नो रैंक, नो पेंशन, ओनली टैंशन विद्आउट डॉयरैक्शन" की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बात को लेकर अधिक

- **जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी स्टूडैंट यूनियन के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया।**
- **कन्हैया कुमार के अनुसार केन्द्रीय मंत्री अब ठीक उसी तरह अग्निपथ स्कीम की मार्केटिंग करने में व्यस्त हैं, जैसे स्टेशन के बाहर ठेले वाले चूहे मारने की दवा की मार्केटिंग में मशगूल रहते हैं।**

सशस्त्र सेनाओं में आर.एस.एस. की घुसपैठ कराने के लिए अग्निपथ योजना लायी है और इसके लिए ऐसे 25 प्रतिशत की पहचान की गई है जो उसकी विचारधारा का अनुसरण करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर चिंतित है कि सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करीब 75 प्रतिशत युवा पुनः समाज में आएंगे, जिससे खुले आम घूमने वाले सशस्त्र लोगों की गैंग्स बन सकती है। कन्हैया ने कहा कि मोदी के सेल्समैन लॉलीपॉप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'होटल 17 लाख रूपए वापस लौटाए'

जयपुर, 18 जून (का.सं.)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपने एक फैसले में कहा है कि वर पक्ष की ओर से विवाह से इन्कार करने पर शादी समारोह निरस्त होने की स्थिति वधु पक्ष के नियंत्रण के बाहर की है।

परिवाद में अधिवक्ता भूपेन्द्र पारीक ने आयोग को बताया कि परिवादी ने अपनी बेटी के 17 अप्रैल 2019 को शादी समारोह के लिए प्रतिवादी होटल से 9 फरवरी को एग्रीमेंट किया था। उसके पेटे परिवादी की ओर से 9 अप्रैल तक कुल बीस लाख रुपए होटल प्रबंधन को अदा किए गए। लेकिन वर पक्ष ने

- **वधु पक्ष ने शादी के लिए होटल वालों को 20 लाख रू. जमा कराये थे।**
- **उपभोक्ता आयोग ने कहा कि, शादी कैंसिल होना अकेले वधु पक्ष के नियंत्रण की बात नहीं, होटल 17 लाख रू. वापस लौटाये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रम्प, अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिये अब कभी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे?

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमैंट ने ट्रम्प पर ऑफिशियली 6 जनवरी, 2021 को संसद व सत्ता के प्रशासनिक केन्द्र पर हमला करने व हिंसा फैलाने के लिये प्रेरित का आरोप लगाया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस (डी.ओ.जी.) ने 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद पर हुए हमले को भड़काने, उसका समर्थन करने और वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को बदलने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के खिलाफ अभियोग चलाया है। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार डी.ओ.जी. के इस कदम का उन अधिकांश अमेरीकियों ने समर्थन किया है, जिनका मानना है कि इस हमले के संबंध में ट्रम्प के खिलाफ आपराधिक केस चलना चाहिए।

नैवीगेटर रिसर्च द्वारा किए गए एक सर्वे में पाया गया कि 54 प्रतिशत प्रतिभागी अमेरिकी संसद में हुए दंगे को लेकर पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग चलाने के डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस के विचार के समर्थन में थे, जबकि 37 प्रतिशत प्रतिभागियों ने इस सुझाव का विरोध किया।

सर्वेक्षण के डेटा बताते हैं कि रिपब्लिकन्स ही वह पक्षपाती ग्रुप है जिसके अधिकांश नेता और कार्यकर्ता यह नहीं चाहते कि अमेरिकी संसद भवन में हुए दंगों में ट्रम्प की भूमिका के लिए उन पर मुकदमा दर्ज किया जाए। ट्रम्प समर्थकों ने जब संसद भवन पर हमला किया था तब उसके अंदर मौजूद कांग्रेस सदस्य जो बाइडन की जीत को सत्यापित कर रहे थे।

करीब तीन चौथाई (71 प्रतिशत) रिपब्लिकन्स ने हमले में ट्रम्प की भूमिका को लेकर उनके विरूद्ध डी.ओ.जी. के आपराधिक आरोपों के खिलाफ विचार व्यक्त किए, जबकि 21 प्रतिशत ने इस विचार का समर्थन किया।

इसकी तुलना में 86 प्रतिशत डैमोक्रेट्स और 47 प्रतिशत निर्दलियों ने कहा कि संसद भवन में हुए दंगों को लेकर वे ट्रम्प पर अभियोग चलाने के समर्थन में हैं।

सर्वे के अनुसार पांच में से चार अश्वेत प्रतिभागियों (80 प्रतिशत) का भी मानना था कि ट्रम्प पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए और 49 प्रतिशत श्वेत प्रतिभागियों, 58 प्रतिशत हिस्पैनिक वोटर्स तथआ 65 प्रतिशत एशियन अमेरिकन व पैसिफिक आईलैण्डर्स ने इस विचार का समर्थन किया।

- **54 प्रतिशत जनता ट्रम्प के खिलाफ मुकदमा चलाने के पक्ष में है।**
- **अगर यह आरोप सिद्ध हो जाता है तो, ट्रम्प को दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की इजाज़त नहीं मिल पायेगी।**

नैवीगेटर रिसर्च ने गत 9 जून से 13 जून तक सर्वेक्षण किया था जिसमें 998 रजिस्टर्ड वोटर्स को शामिल किया गया था। नैवीगेटर रिसर्च स्वयं को आकर्षक प्रगतिशील संदेशों के वितरण और ज्वलंत मुद्दों पर पोलिंग का एक विश्वस्त स्रोत मानता है।

सर्वे में यह भी पाया गया कि रायशुमारी में शामिल 13 प्रतिशत डैमोक्रेट्स, ट्रम्प समर्थकों द्वारा 6 जनवरी को की गई कार्रवाई के समर्थन में थे और एक तिहाई (33 प्रतिशत) रिपब्लिकन्स का कहना था कि वे अपने कार्य को सही मानते हैं।

सर्वे में भाग लेने वाले अधिकांश विभिन्न आबादी समूहों ने कहा कि उन्होंने हाउस सलैक्ट कमेटी की लाइव हीयरिंग्स में 6 जनवरी के बारे में "बहुत कुछ" या "कुछ" सुना है।

रायशुमारी में शामिल कुल 64 प्रतिशत ने कहा कि वे संसद भवन हमले में कमेटी की जांच का समर्थन करते हैं। इसकी तुलना में 28 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके विरोध में हैं।

जांच कार्रवाई को रिपब्लिकन्स का भी अच्छा-खासा समर्थन मिला है। सर्वे में शामिल हुए 40 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके समर्थन में हैं, जबकि 51 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके खिलाफ हैं।

यदि हाउस कमेटी ट्रम्प को दोषी मान लेती है तो क्या होगा? विश्लेषक तर्क देते हैं कि ऐसी स्थिति में ट्रम्प पर महाभियोग चलाया जा सकता है। चूंकि महाभियोग एक आपराधिक प्रक्रिया की तुलना में एक राजनीतिक प्रक्रिया है, इसलिए ट्रम्प को यदि आपराधिक न्याय प्रणाली के तहत सफल रूप से दोषी ठहराया जाता है तो पिछली बार सीनेट में दोषी ठहराए जाने के विपरीत उन पर सदन पर एक बार फिर से महाभियोग चलाना आसान होगा।

यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका के संविधान में ऐसा कुछ नहीं है जो यह कहता हो तो कि यदि छोड़ने के बाद राष्ट्रपति पर महाभियोग नहीं लगाया जा सकता।

ट्रम्प से बदला लेने के लिए यह कार्यवाही व्यर्थ नहीं बल्कि एक रोग निरोधक उपाय होगा। संविधान में महाभियोग और दोषी ठहराए जाने के लिए जो सजा निर्धारित है, उसमें किसी अमेरिका में सम्मान का पद पाने, ट्रस्ट या लाभ का पद पाने के अयोग्य घोषित होना शामिल है। अन्य शब्दों में महाभियोग चलाए गए या दोषी ठहराए गए ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव फिर से कभी नहीं लड़ सकेंगे।

'माफीवीर'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट किया कि पूरे देश के आंदोलनरत युवाओं, जो "अग्निवीर" बनने से इनकार कर रहे हैं, के दबाव के परिणामस्वरूप, प्रधानमंत्री मोदी को "माफी वीर" बनते हुये, "अग्निपथ" योजना वापस लेनी पड़ेगी, ठीक वैसे ही, जैसे किसानों के एक साल के आंदोलन के दबाव के बाद, उन्होंने काले कृषि कानून वापस लिये थे।

- **अग्निपथ योजना के खिलाफ देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में राहुल गांधी ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया।**

उन्होंने कहा कि मोदी की भाजपा सरकार पिछले आठ साल से "जय जवान, जय किसान" के मूल्यों का लगातार अपमान करती आ रही है।

राहुल गांधी कि बहिन तथा कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने 29 मार्च 2020 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर सैनिकों की भर्ती करने का आग्रह किया था। उन्होंने ट्वीट किया था कि वे उन ग्रामीण युवाओं के दर्द को समझें, जो सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करें?

नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने हाईकमान से किया सवाल

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस में दो-चार दिन की शांति के बाद में कहीं ना कहीं किसी नेता की ओर से ऐसा बयान सामने आ जाता है, जिससे पार्टी में अंतर्द्वंद नजर आने लगता है। राज्य के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने शनिवार को कोटा में कांग्रेस की कार्यशाला में एक बयान के जरिए सीधे आलाकमान पर ही निशाना साध दिया। उनका यह बयान दो बार हारने वालों के टिकट काटने वाले फार्मूले को लेकर सामने आया। इस बयान के जरिए उन्होंने ना सिर्फ आलाकमान पर निशाना साधा, बल्कि साथी मंत्री डॉ बी डी कल्ला को भी निशाने पर लिया।

कोटा में हुई कांग्रेस की एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने पार्टी फार्मूले पर सवाल उठाया और हाईकमान पर निशाना साधते हुए कहा कि फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करे? धारीवाल ने शहर कांग्रेस की जिलास्तरीय कार्यशाला में उदयपुर नव संकल्प घोषणापत्र के क्रियान्वयन पर चर्चा के दौरान दो बार हारे नेताओं को तीसरी बार टिकट नहीं देने पर अपनी बात कह रहे थे।

■ **कहा ''दो बार हारने वालों के टिकट काटने के फार्मूले पर कायम नहीं हैं''**

अपनी बात रखते हुए शांति धारीवाल ने कहा कि इन सब बातों को देखना पड़ेगा। इस तरीके के फैसले कभी होते नहीं है। पहले भी पाबंदी लगा थी कि 2 बार हारे व्यक्ति को तीसरी बार टिकट नहीं देंगे। कई लोगों को टिकट नहीं दिए, लेकिन बीकानेर की नौबत आई तो बीडी कल्ला जी दो बार हारे हुए थे। उन्हें तीसरी बार टिकट दे दिया। फिर उन्हें क्यों दे दिया? दूसरे को क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि इन चीजों पर फैसला होना चाहिए। अगर आप पाबंदी नहीं रखोगे, तो हम से क्या उम्मीद करोगे।

उल्लेखनीय है कि इस कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की बैठकों में कई बार मंत्री आपस में भिड़े हैं और पिछली कैबिनेट की बैठक के दौरान ही नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ ही मंत्री भजनलाल ने भी डॉ बी डी कल्ला पर सवाल उठाए थे। धारीवाल ने शिक्षा विभाग में आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों और शिक्षकों के एक ही जगह लंबे समय से जमे रहने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में आरएसएस बैकग्राउंड के कर्मचारियों को प्राइम जगहों पर लगाया हुआ है। पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई जनसुनवाई में भी धारीवाल ने कहा था कि आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों को प्राइम जगहों से हटाना चाहिए।

छेड़छाड़ के अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ आए दिन छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त निक्कू उर्फ आयुष को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पन्द्रह हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अब पूर्व न्यायाधीश करेंगे चेक अनादरण के मुकदमों का फैसला

जयपुर, (का.सं.)। चेक अनादरण के मामलों की सुनवाई अब संविदा पर लगे पूर्व न्यायाधीश करेंगे। फिलहाल प्रदेश की पांच जजशिप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ये न्यायालय स्थापित किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश और रिटायर कर्मचारी होंगे। पीठासीन अधिकारी को जहां मासिक एक लाख रुपए का मानदेय दिया जाएगा, वहीं कोर्ट स्टाफ को चौबीस हजार रुपए से लेकर पैंतीस हजार रुपए का मानदेय मिलेगा।

राजस्थान न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी की चेक अनादरण की विशेष अदालत में पीठासीन अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के बाद राज्य सरकार की ओर से की जाएगी। इसके लिए हाईकोर्ट की वेबसाइट पर आवेदन मांगे जाएंगे। इसमें 64 साल तक की उम्र वाले पूर्व न्यायाधीश आवेदन करेंगे। वहीं कोर्ट स्टाफ के मामले में कर्मचारी की उम्र 65 साल रखी गई है।

■ **खास बात यह है कि इन न्यायालयों में सभी कर्मचारी रिटायर कार्मिक**

बढ़ते मुकदमों को कम करने की कवायद

प्रदेश सहित देशभर में चेक अनादरण के मुकदमों की संख्या तेजी से बढ रही है। बताया जा रहा है कि देश की विभिन्न अदालतों में करीब तीस लाख से अधिक चेक अनादरण के मामले लंबित हैं। इनके त्वरित निस्तारण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को निर्देश दिए थे कि वे अपने हाई कोर्ट के क्षेत्राधिकार के जिला न्यायालय में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विशेष न्यायालय स्थापित करें और इनमें पूर्व न्यायिक अधिकारियों और कोर्ट स्टाफ को नियुक्त करें। इसके तहत हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से इसकी अधिसूचना को राजपत्र में प्रकाशित कराया गया है।

नियुक्ति से पहले विशेष प्रशिक्षण

पूर्व न्यायाधीशों को इन अदालतों में नियुक्ति देने से पहले प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। राज्य न्यायिक अकादमी की ओर से इन्हें चार सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें एनआई कोर्ट की प्रक्रिया और साक्ष्य आदि के बारे में बताया जाएगा।

समन तामील हो चुके मुकदमों को ही सुनेगी

जानकारी के अनुसार इन अदालतों में उन्हीं मामलों को भेजा जाएगा, जिसमें विधिवत रूप से आरोपी पक्ष पर समन की तामील हो चुकी है और आरोपी या उसका वकील अदालत में पेश हो रहा है।

विशेष न्यायालय फिर भी लाखों लंबित मुकदमे

गौरतलब है कि चेक अनादरण के लंबित मुकदमों की संख्या लाखों में होने के चलते इन विशेष अदालतों में भी मुकदमें तय होने में कई साल लग रहे हैं।

जयपुर में अभी भी अच्छी बारिस नहीं होने से लोग गर्मी से परेशान हैं। शायद ये सूखा पेड़ आसमान में बादल छाने पर यही पुकार कर रहा होगा कि बरसो रे मेघा अब तो बरसो। फोटो : दिनेश भारद्वाज

कोयला खनन मामले में गतिरोध दूर नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाद अब ऊर्जा मंत्री द्वारा राजस्थान को ब्लैक आउट से बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से तत्काल कोयला खनन शुरू करने के लिए बार-बार मिन्नतें करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि राजस्थान व छत्तीसगढ़ दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस शासित सरकारें हैं, इसके बावजूद कोयला खनन को लेकर गतिरोध का अब तक समाधान नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी व घोर विफलता है।

राठौड़ ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी से ईडी द्वारा पूछताछ करने के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ घंटों-घंटों साथ रहे, अगर उस समय थोड़ा सा समय निकालकर अशोक गहलोत राजस्थान में जारी कोयला संकट को लेकर उनसे बात कर लेते तो आज प्रदेश में कोयला संकट के कारण विद्युत आपूर्ति ठप्प नहीं होती। राठौड़ ने कहा कि इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं। उसके बावजूद भी समाधान नहीं होने के कारण आज एक बार फिर से प्रदेश में राजस्थान में कोयले का अभूतपूर्व संकट आ गया है।

■ **'इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं'**

राठौड़ ने कहा कि विगत 25 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रायपुर पहुंचकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर राजस्थान में कोयले की कमी से उत्पन्न बिजली संकट तथा छत्तीसगढ़ में आवंटित पारसा कोल ब्लॉक खान से कोयला खनन की स्वीकृति जारी करने के बारे में चर्चा कर खनन करने की सहमति व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री को अब स्पष्ट करना चाहिये कि छत्तीसगढ़ सरकार के साथ परसा कोल ब्लॉक में खनन स्वीकृति देने की सहमति का क्या हुआ? छत्तीसगढ़ के पारसा में राजस्थान के हिस्से की माइंस आवंटित है। केन्द्र सरकार ने पहले ही इस माइंस के लिए एन्वार्यमेंट क्लीयरेंस जारी कर दी थी, उसके बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार की हठधर्मिता के कारण कोयला खनन की स्वीकृति जारी नहीं करवा पाना राजस्थान सरकार की अकर्मण्यता व विफलता को दर्शा रहा है, वो भी तब जब वहां पर कांग्रेस की ही सरकार है।

सरपंच के निलंबन आदेश पर रोक, मंत्री और विधायक से मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के गत आठ जून के उस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है, जिसके तहत दौसा के मंडावर सरपंच को निलंबित कर दिया गया था। इसके साथ ही अदालत ने पंचायती राज मंत्री रमेश चंद मीणा और विधायक ओमप्रकाश हुडला को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश सरिता नारेडा की याचिका पर दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि निलंबन आदेश में यह नहीं बताया गया कि याचिकाकर्ता की आज्ञा से दुकानों को कब तोड़ा गया और ना ही प्रारंभिक जांच पूरी होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा प्रथम दृष्टया लगता है कि निलंबन आदेश में पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों की पालना नहीं हुई है।

याचिका में कहा गया कि गत आठ जून को उसे बिना प्रारंभिक जांच किए निलंबित कर दिया गया। जबकि पंचायती राज अधिनियम के तहत किसी भी तरह का आदेश पारित करने से पहले मामले की प्रारंभिक जांच होना जरूरी है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने बिना राज्य सरकार की अनुमति के कुछ दुकानों के निर्माण तोड़े हैं। जबकि मौके पर दुकानों का निर्माण मौजूद है। याचिका में यह भी कहा गया कि मंत्री रमेश मीणा और विधायक ओमप्रकाश हुडला के निर्देश पर उसे बिना कारण निलंबित किया गया है। ऐसे में निलंबन आदेश पर रोक लगाई जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि मामले में प्रारंभिक जांच की गई थी। जो कि गत छह अप्रैल को पूरी हुई थी। नियमानुसार प्रारंभिक जांच के बाद याचिकाकर्ता को चार्जशीट भी दी गई थी।

अग्निपथ योजना के विरोध में राजस्थान सरकार ने प्रस्ताव पास किया

जयपुर, (का.प्र.)। अग्निपथ योजना के विरोध में अशोक गहलोत कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया है। मंत्री प्रताप सिंह ने बताया कि अग्निपथ को वापस लेने के लिए मीटिंग में प्रस्ताव पास किया गया है। इधर इस योजना के विरोध में कांग्रेस कल जयपुर में तिरंगा यात्रा निकालेगी, जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे।

इधर अग्निपथ योजना के विरोध में राजस्थान में भी कई जगह युवाओं ने प्रदर्शन किया और पथराव भी हुआ। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भी झड़प हुई। प्रदेश के जयपुर, जोधपुर, अजमेर अलवर सहित छह जिलों में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। जयपुर शहर में बेनाड़ रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई है। वहीं, भरतपुर में रोडवेज बसें रोक दी गईं। बिहार में उग्र प्रदर्शन के कारण कोटा-पटना एक्सप्रेस भी कैंसिल हो गई है। इधर कोटा में कलेक्टर हरिमोहन मीना ने जिले में एक महीने के लिए धारा 144 लगा दी है। आदेश के तहत रविवार सुबह 6 बजे से 18 जुलाई रात 12 बजे तक जिले में धारा 144 प्रभावी रहेगी।

■ **जयपुर में कांग्रेस निकालेगी तिरंगा यात्राएं**

इधर जयपुर में राजस्थान कैबिनेट की बैठक में अग्नि पथ योजना के विरोध में प्रस्ताव पास किया गया और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने योजना को वापस लेने के लिए गए प्रस्ताव की जानकारी के संबंध में ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को ऐसी किसी भी योजना लाने से पहले सभी हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा करनी चाहिए थी। मंत्रिपरिषद् में चर्चा की गई है कि सैन्य विशेषज्ञों का मत है कि इस योजना से युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं हो पाएगा।

इधर जयपुर में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे देश में अग्निपथ योजना को लेकर युवाओं में भारी आक्रोश है और कांग्रेस भी इस योजना को लेकर युवाओं के साथ है। उन्होंने कहा कि युवाओं को योजना का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही कांग्रेस की यह भी अपील करती है कि युवा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करें। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कांग्रेस सेना में प्रयोग के तौर पर शुरू की गई इस योजना का विरोध करते हुए युवाओं के समर्थन में जयपुर में सभी विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा ही निकालेगी और रविवार को जयपुर में निकलने वाली तिरंगा यात्रा में कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे।

विकास अधिकारियों को एपीओ करने के आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की ओर से दूसरे विभाग के प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत विकास अधिकारियों की सेवाएं मूल विभाग को लौटाने संबंधी आदेश को निरस्त करने और नियमित पदस्थापित विकास अधिकारियों को एपीओ करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख पंचायती राज सचिव और प्रमुख कार्मिक सचिव सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश रघुवीर सिंह व अन्य की याचिका पर दिए।

करोना संक्रमण से सीकर में एक रोगी की मौत

जयपुर (कासं)। राजस्थान में कोविड संक्रमण एक बार फिर बढ़ने लगा है। शनिवार को 123 नये संक्रमित मरीज सामने आये, जबकि सीकर में एक रोगी की मौत भी हुई।

चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 39 नये मामले बढ़े है। शनिवार को सबसे ज्यादा 64 मरीज जयपुर जिले में मिले। इसके अलावा अलवर व बीकानेर में 12-12, जोधपुर में 9, अजमेर में 7, उदयपुर में 6, नागौर में 4, सीकर, झालावाड़ और सिरोही में 2-2 तथा बारां, चित्तौड़गढ़ व डूंगरपुर में एक-एक नया मरीज सामने आया है। जबकि राज्य के शेष 20 जिलों में शनिवार को कोई नया संक्रमित नहीं मिला। राज्य में फिलहाल 669 एक्टिव केस हैं, इनमें से सर्वाधिक 317 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है।

इसके अलावा अलवर जिले में 60, बीकानेर में 57, अजमेर में 41, जोधपुर में 34, उदयपुर में 27, चुरु में 24, नागौर में 22, दौसा में 21 और अन्य कई जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज है, जबकि 7 जिलों करोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है।

■ **राज्य में शनिवार को 123 नये मरीज सामने आए**

■ **प्रदेश में फिलहाल 669 एक्टिव केस, इनमें से सर्वाधिक 317 जयपुर जिले में हैं।**

जयपुर के वायु सेना में कमीशन्ड ऑफिसर बने सक्षम रावल

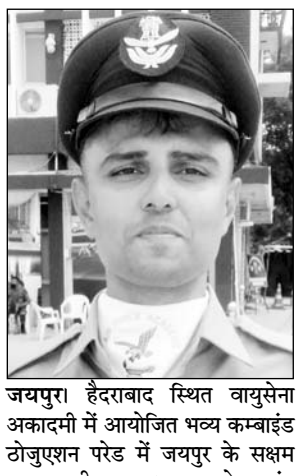

जयपुर। हैदराबाद स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित भव्य कम्बाइंड ठोजुएशन परेड में जयपुर के सक्षम रावल कमीशन्ड हुए। सक्षम को फ्लाइंग ऑफिसर की रैंक प्रदान की गई, वायु सेना की यह रैंक थल सेना के लेफ्टिनेंट के समकक्ष है। समारोह के मुख्य अतिथि आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे थे। एयर फोर्स ऑफीसर बनने के बाद सक्षम रविवार को जयपुर पहुंचेंगे। हमेशा कक्षा में टॉपर रहने वाले सक्षम रावल ने अपनी शिक्षा जयपुर में पूरी की और कोरोना काल में पिछले साल बिना कोचिंग के तैयारी करके यूपीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया स्तरीय एफकैट में सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद एसएसबी का पांच दिन तक चला सघन इंटरव्यू पास करके रिकमंड हुए और वायु सेना की तीन दिन तक हुई विशेष चिकित्सा जांच में पूरी तरह फिट घोषित किए गए।

गेल, जयपुर फुट को विकलांगों के लिए उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग देगी

जयपुर। भारत सरकार के उपक्रम गैस एथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) विश्व प्रसिद्ध कृत्रिम अंग जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) को विकलांगों को जयपुर फुट तथा अन्य उपकरण आदि उपलब्ध कराने के लिए सहयोग देगी।

गेल और बीएमवीएसएस के बीच एक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। गेल विकलांगों के पुनर्वास के लिए निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत एक वर्ष तक 1200 विकलांगों के पुनर्वास के लिए सहयोग देगी।

गेल और बीएमवीएसएस के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर एक समारोह में हुए। इस अवसर पर गेल के मुख्य महाप्रबंधक मनीष कुमार सोगानी, गेल के सीएसआर महाप्रबंधक लक्ष्मी रमन वर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक अंजली सूद तथा बीएमवीएसएस के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक डी आर मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता और डा. दीपेन्द्र मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर के अग्रवाल, डॉ. एम के माथुर, डॉ.पी के जैन, और अशोक मोहनोत उपस्थित थे।

दोनों पक्षों के बीच एग्रीमेंट के अंतर्गत वर्ष 2022 में बीएमवीएसएस अपने मालवी नगर और सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित केन्द्र में 950 विकलांगों को कृत्रिम पैर और कैलीपर्स आदि लगाने में सहयोग देगी। इसके अलावा 250 विकलांगों को वैसाखी उपलब्ध कराएगी। अनुबंध पर बीएमवीएसएस के सचिव भूपेन्द्र राज मेहता और गेल के सीएसआर महाप्रबंधक लक्ष्मी रमन वर्मा ने हस्ताक्षर किए। डीआर मेहता ने गेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में भी गेल ने 475 विकलांगों के पुर्नावास के लिए सहयोग दिया है डी आर मेहता ने कहा कि जयपुर स्थित दो केन्द्रों में गेल के सहयोग से विकलांगों के पुनर्वास का कार्य शुरु हो चुका है और यह वर्ष 2023 के मार्च तक चलेगा।

गेल और बीएमवीएसएस के बीच एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के लिये समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गेल के मुख्य महाप्रबंधक मनीष कुमार सोगानी, गेल के सीएसआर महाप्रबंधक लक्ष्मी रमन वर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक अंजली सूद तथा बीएमवीएसएस के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता और डॉ.दीपेन्द्र मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के.अग्रवाल, डॉ.एम के माथुर, डॉ.पी के जैन और अशोक मोहनोत उपस्थित थे।

सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 26/2022 (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री गुलाब सिंह सचिव श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति जयपुर के सम्बन्ध में न्यास दिनांक 17.01.2022 को हुए चुनाव से गठित नवीन कार्यकारणी को दर्ज अभिलेख किये जाने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/ संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 14.6.22 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 20.7.22
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

आम सूचना मेरे अभिभाव्यगण श्याम सुन्दर खण्डेलवाल एवं श्रीमती सरोज खण्डेलवाल निवासी प्लाट नं. 12, गुरू कॉलोनी, गोनेर रोड, जयपुर का पुत्र पंकज खण्डेलवाल पिछले 13-14 वर्षों से उनके साथ नहीं रहता है तथा मेरे अभिभाव्य के कहने, सुनने में नहीं है। इसलिये मेरा अभिभाव्यगण अपनी समस्त प्रकार की चल, अचल सम्पतियों, सामाजिक सम्बन्धों से पंकज खण्डेलवाल को बेदखल करता है, मेरे अभिभाव्य की चल अचल सम्पतियों में इसका कोई हक, अधिकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि इससे किसी भी प्रकार का सव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाव्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
(मुकेश सैन) एडवोकेट, मो.नं. 9314563517

आम सूचना सभी जन साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री ज्ञान चन्द लालवानी पुत्र श्री भगवान दास लालवानी निवासी मकान संख्या 4, अग्रसेन बिहार कॉलोनी, चौमान स्टेडियम के पीछे, जयपुर के पुत्र कमल लालवानी का चाल चलन व आचरण सही नहीं है तथा वह मेरे मुवक्किल के कहने में नहीं है इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र श्री कमल लालवानी को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है जो भी व्यक्ति कमल लालवानी से कोई भी सव्यवहार या लेनदेन करेगा तो इसमें मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
(शमी अली) एडवोकेट, मो. नं. 9828075086

खोया पाया

दुकान नं. 29, 30 जय चामुण्डा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. का मूल आवंटन पत्र, साईड प्लान की रसीद जो कि बाबुलाल सैनी पुत्र श्री राम स्वरूप सैनी के नाम से है कहीं गुम गए मिलने पर सूचित करें। मो. 9414407030

प्लॉट नं. जी-1/53 बगरू रीको इंडस्ट्रियल एरिया फेज-।। सना इम्पैक्स के नाम से अलॉट हुआ था। वर्तमान में यह प्लॉट मैटल कर्मा रिसाईकिलिंग ने खरीद लिया है। इस फर्म के पार्टनर हिमांशु गुप्ता व अंजली खण्डेलवाल है। इस अलॉटमेंट लेटर कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। मो. 9887122613

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुमन कुमारी पुत्री श्री त्रिलोका राम से बदलकर सुमन चौधरी रख लिया है। भविष्य में मतुझे इसी नाम से जाना जावें। निवासी-ग्राम ललस, तहसील नवा जिला नागौर (राज.)

मैंने अपना नाम श्याम बाबू निम से बदलकर श्याम बाबू पुत्र श्री सियाराम रख लिया है। भविष्य मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। मो. 9887379755

मैंने अपना नाम रामेश्वर प्रसाद रैगर से बदल कर रामेश्वर प्रसाद बिशाल रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। रामेश्वर प्रसाद बिशाल ग्राम बाढ कल्याणपुरा ग्राम पंचायत कांकरिया (लालसोट)

मैं सुभाष चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री सतीश चन्द्र गुप्ता व उमादेवी सतीश चन्द्र गुप्ता, निवासी बी-98, शिवपुरी कॉलोनी, बुद्धसिंहपुरा, सांगानेर, जयपुर अब सुभाष सतीश गुप्ता के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा जाता हू।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'अग्निपथ' के विरोध में बैनाड़ रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़

केन्द्र सरकार का विरोध करने जुटे दो दर्जन युवाओं ने कुर्सी-बैंच और मटकों को तोड़कर रेलवे ट्रेक पर फेंका

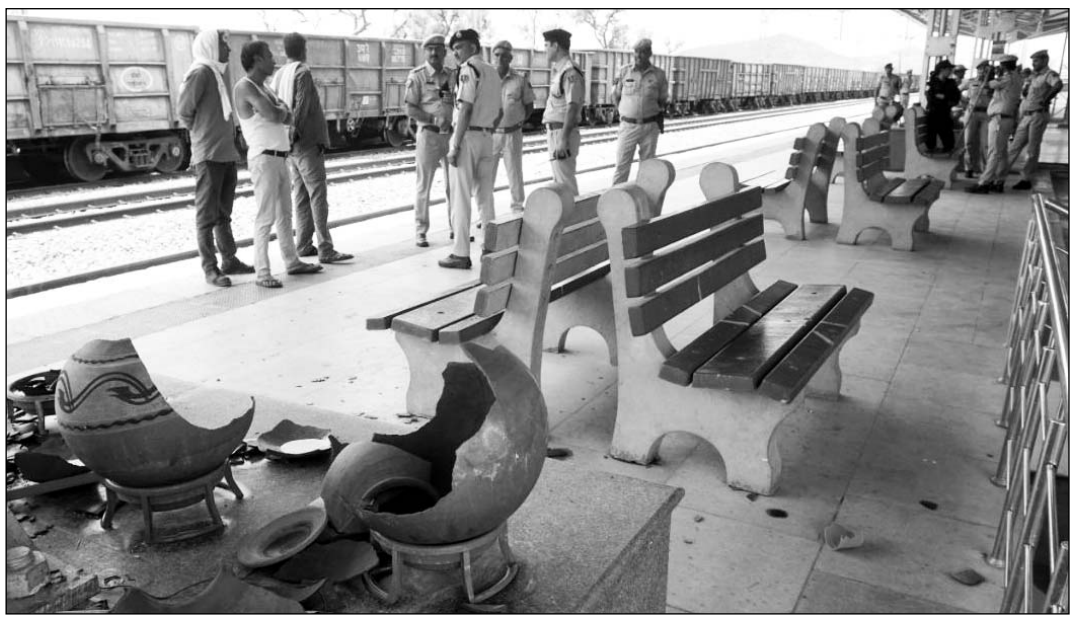

सेना भर्ती की नई स्कीम ''अग्निपथ'' के विरोध में शुक्रवार को बैनाड़ रेलवे स्टेशन पर कुछ युवाओं ने जमकर तोड़फोड़ की। रेल्वे स्टेशन पर बैंच, कुर्सियों और मटकों में तोड़कर की सूचना पाकर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक उपद्रवी फरार हो चुके थे। इस घटना से यात्रियों के बीच दहशत का माहौल रहा। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भारतीय सेना में भर्ती के लिए केन्द्र सरकार की नई स्कीम ''अग्निपथ'' के विरोध में शुक्रवार को राजधानी जयपुर के बैनाड़ रेलवे स्टेशन पर कुछ युवाओं ने उपद्रव किया। इन लोगों ने रेल्वे स्टेशन पर लगी बैंच, कुर्सियों और मटकों को तोड़कर ट्रेक पर डाल दिया। तोड़फोड़ की सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा, लेकिन पुलिस जाब्ते को देखकर आरोपी फरार हो गये।

पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा इलाके में बैनाड रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर तोड़फोड़ की गई। केंद्र सरकार की अग्निपथ स्कीम के विरोध को लेकर रेलवे स्टेशन पर दो दर्जन युवाओं ने प्रदर्शन किया। कुछ देर बाद बैनाड रेलवे स्टेशन पर लगी बैंच, कुर्सियां और मटकों को तोड़कर रेलवे ट्रेक पर पटक दिया। इस तोड़फोड़ के कारण स्टेशन पर मौजूद लोगों में हंगामे के साथ दहशत फैल गई। सूचना पाकर आसपास के थाना पुलिस का जाब्ता मौके पर पहुंचा, लेकिन पुलिस को देखकर आरोपी भाग छूटे। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर मौके पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया है। इससे पहले भी करधनी इलाके में लोगों ने कालवाड़ रोड पर विरोध प्रदर्शन किया था। पुलिस ने इस मामले में 1 दर्जन से अधिक लोगों को पकड़ा था। शनिवार को विरोध प्रदर्शन के चलते जयपुर कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों ने एक विशेष बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे। अधिकारियों ने करीब 30 टोल नाके चिन्हित कर वहां पर करीब 1200 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए हैं। पुलिस तोड़फोड़ करने वाले लोगों की तलाश में जुटी हुई है। दूसरी तरफ सांगानेर में बड़ी संख्या में युवाओं ने अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने कहा कि अगर मोदी सरकार ने अग्निपथ योजना को वापस नहीं लिया तो राजस्थान समेत देशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

- **पुलिस बल पहुंचने से पहले ही उपद्रवी मौके से भाग छूटे, अब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश शुरू**

आईपीडी टावर की ऊंचाई 130 मीटर तक करने की मंजूरी

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के एसएमएस अस्पताल में बनने वाले आईपीडी टावर की ऊंचाई 130 मीटर तक करने की मंजूरी एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की अपीलीय समिति ने दे दी है। इस मंजूरी के बाद टावर के निर्माण की बाधा दूर हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक जेडीए ने 125 मीटर तक की ऊंचाई की मंजूरी के लिए आवेदन किया था। पिछले दिनों एयरपोर्ट ऑथोरिटी के अधिकारियों ने मौका-मुआयना किया था। जिसके बाद उन्होंने अपीलीय समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर यह मंजूरी दी गई है। ज्ञात रहे कि आईपीडी टावर में 23 मंजिला निर्माण के साथ ही दोमंजिला बेसमेंट बनाया जाएगा। इसकी छत पर हैलिकॉप्टर उतारने के लिए हैलीपेड भी बनेगा। प्रदेश की सबसे ऊंची इस इमारत की ऊंचाई 115.5 मीटर प्रस्तावित है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने 51.48 मीटर तक स्वीकृति दे रखी थी। इस वजह से मामला अपीलीय समिति में गया था। राज्य सरकार इस आईपीडी टावर का काम दो चरणों में पूरा करेगी।

पहले चरण में मंजिलों का निर्माण कराया जाएगा और दूसरे चरण में फिनिशिंग का काम होगा। पहले चरण को पूरा करने की मियाद 2 साल रखी गई है। इसमें एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

'यूईएएम को देश के शीर्ष 50 संस्थानों में चुना गया'

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, (यूईएम) जयपुर को एआईसीटीई लीड कार्यक्रम के तहत देश के शीर्ष 50 संस्थानों मे से एक के रूप में चुना गया है। साथ ही फिजियोथेरेपिस्ट विभाग को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा वर्ष 2021-24 के लिए 4 स्टार्ट कैटेगरी का दर्जा दिया गया है।

वाईस चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वेजॉय चटर्जी ने बताया कि यूईएम जयपुर परिणाम आधारित शिक्षा, सभी योग्य छात्रों को प्लेसमेंट, अनुसंधान, प्रकाशन, नवाचार व उद्यमिता के लिए समर्थन देता है। साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ छात्र व संकाय विनिमय कार्यक्रम और पूरे देश के छात्रों को मजबूत संकाय भी मुहैया कराता है। उद्योगों के साथ निरंतर संपर्क यूईएम जयपुर को पाठ्यक्रम में नवीनतम और उभरते विषयों और विषयों को शामिल करने में सक्षम बनाता है, ताकि छात्र पास आउट होने पर उद्योग के लिए तैयार हो सकें।

रजिस्ट्रार प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के पास एक बहुत मजबूत संस्थान उद्योग सहयोग है जहां 400 से अधिक कंपनियां प्लेसमेंट, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप उद्देश्यों के लिए परिसर में आ रही हैं। यूईएम, जयपुर में पिछले 2 वर्षों में सेमिनार, वेबिनार, एफडीपी, शोधकर्ताओं के व्याख्यान और प्रमुख शिक्षाविदों के आमंत्रित व्याख्यान जैसे लगभग 1300 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे छात्रों और शिक्षकों को सीखने और कुशल बनाने का बेहतर वातावरण प्रदान किया। विश्वविद्यालय में प्रतिदिन कम से कम एक कार्यक्रम या तो सांस्कृतिक, तकनीकी, वेबिनार, संगोष्ठी या कोई एफडीपी सत्र होता है।

यूनिवर्सिटी उपनिदेशक संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2022 के एक विद्यार्थी को गूगल से 79 लाख रुपये प्रतिवर्ष का ऑफर मिला है और इस विद्यार्थी ने इस वर्ष ही ज्वाइन कर लिया है। साथ ही 2022 चतुर्थ वर्ष के एक विद्यार्थी को अमेरिकन कंपनी में सालाना 15 लाख रुपये का स्टायी फंड के साथ इंटर्नशिप करने का ऑफर मिला है। आपको बता दे यूनिवर्सिटी में 2023 बैच के विद्यार्थियों के लिए भी प्लेसमेंट चालू हो चुके है। उन्होंने बताया कि यूईएएम, प्रदेश का ऐसा निजी विश्वविद्यालय हैं, जिसने इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों के लिए 2012 में अपने बैच शुरू किये थे। यूईएम जयपुर राजस्थान के लिए टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग में प्रथम स्थान पर है।

पंजाब एंड सिंध बैंक ने एमएसएमई के लिए ब्याज दरों में कटौती की

जयपुर, (कासं)। देश आजादी के 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। पंजाब एंड सिंध बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है, 13 जजून से बैंक ने पीएसबी एमएसएमई सत्कार प्लस (पीएसबी एमएसपी) अभियान शुरु किया है जिसमें ब्याज दरों में भारी रियायत दी गयी है। बैंक नये और अधिग्रहण मामलों में प्रसंस्करण शुल्क 100 फीसदी छूट दे रहा है। महामारी के बाद एमएसएमई क्षेत्र को पुर्नजीवित करने और संबल देने के उद्देश्य से अभियान शुरु किया गया है। पीएसबी एमएसएमई सत्कार प्लस, (पीएसबी एमएसपी) अभियान 31जुलाई तक वैध होगा। इस अभियान के दौरान, बैंक ग्राहक बैठकें और क्रेडिट आउटरीच कायरक्रमों का आयोजन करेगा।

हाउसिंग सेक्टर में राजस्थान बना देश का अग्रणी राज्य

राजस्थान आवासन मंडल को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मंडल के कायाकल्प, नवाचारों और सफलताओं के चलते हाउसिंग सेक्टर में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी उपलब्धि हासिल की है। स्कॉच ग्रुप ने अपनी स्टेट ऑफ गवर्नेंस-2021 रिपोर्ट में राजस्थान को हाउसिंग कैटेगरी में देश के अग्रणी राज्य के रूप में शामिल करते हुए 'स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवार्ड' प्रदान किया है। स्कॉच ग्रुप ने यह गोल्ड अवार्ड हाउसिंग बोर्ड में हुए कायाकल्प, विगत वर्षों में शानदार प्रदर्शन, सफल योजनाओं और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया है। हाऊसिंग बोर्ड की तरफ से यह पुरस्कार मंडल के मुख्य अभियन्ता प्रथम के.सी.मीणा और उप आवासन आयुक्त प्रतीक श्रीवास्तव ने शनिवार को इंडिया गवर्नेंस फोरम के तहत दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में ग्रहण किया। इस उपलब्धि के लिए आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने मंडल की सम्पूर्ण टीम को बधाई दी है।

कुलपति सचिवालय पर धरना जारी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय पर 20 दिनों से चल रहे धरने में शनिवार को कर्मचारी नेता मोहम्मद मुस्तफा का परिवार भी धरने में शामिल हुआ। मुस्तफा की पत्नी धरने स्थल पहुंची और अपना समर्थन दिया। गौरतलब है कि राजस्थान विवि से 30 अप्रैल और 31 मई 2022 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों से की गई रिकवर की गई राशि वापस करने, मृतक सहायक कर्मचारी स्वर्गीय जगदीश मीणा के आश्रितों को मुआवजा राशि 50 लाख रुपए देने, उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग को लेकर कुलपति सचिवालय पर धरना वल रहा है। धरने में कर्मचारियों ने सेवारत कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पुन वेतन नियतन पर रोक लगाने की मांग की।

क्या रोडवेज़ के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी होते हैं?

राजस्थान सिविल सेवा अपील प्राधिकरण ने अपने नवीन आदेश में इस मुद्दे को उलझाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में अलग-अलग निगमों, कॉरपोरेशन और स्वायत्त शहरी संस्थाओं में स्थाई रूप से कार्यरत लोग सरकारी कर्मचारी होते हैं? अगर सरकारी सर्विसेज़ रूल्स, 1958 या राजस्थान सिविल सर्विसेज़ (सर्विसेज़ मैटस अपेलैट ट्रिब्युनल) एक्ट 1976 को पढ़ा जाये, तो यह जाहिर हो जाता है कि इन सभी निगमों और कॉरपोरेशन के कर्मचारी राज्य या केन्द्र सरकार के कर्मचारी नहीं माने जा सकते हैं। परन्तु फिर भी राजस्थान सिविल सेवा अपील प्राधिकरण, जयपुर, ने राजस्थान रोडवेज के कर्मचारी के स्थानान्तरण करने के आदेश पर स्थगन लगाते और कहा कि जिस समय रोडवेज़ ने इस कर्मचारी के स्थानान्तरण के आदेश दिये थे, तब राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग ने आदेश जारी किये थे। राजकीय कर्मचारियों के स्थान्तरण पर प्रतिबंध लगा रखा था।

- **राजस्थान सिविल सर्विसेज़ एक्ट 1976 के तहत निगमों, कॉरपोरेशन और शहरी विकास प्राधिकरण जैसी स्वायत्त शहरी संस्थाओं के स्थाई कर्मचारी, राज्य या केन्द्र सरकार के कर्मचारी नहीं होते हैं।**

परन्तु जैसा कि विदित है कि राजस्थान सिविल सेवा अपील प्राधिकरण केवल सरकारी कर्मचारियों के स्थानान्तरण के मामले सुन सकता है, रोडवेज के कर्मचारियों के नहीं। यही नहीं अगर कानून को पढ़ा जाये तो राजस्थान न्यायिक सेवा, हाई कोर्ट के कर्मचारी, आर.पी.एस.सी., लोकायुक्त तथा उप लोकायुक्त के साथ-साथ निगमों और कॉरपोरेशन के स्थाई कर्मचारियों को राज्य या केन्द्र सरकार का कर्मचारी नहीं माना जा सकता है और राजस्थान सिविल सेवा अपील प्राधिकरण इन कर्मचारियों के स्थानान्तरण के मामलों पर सुनवाई नहीं कर सकता है। परन्तु जयपुर में स्थित सिविल सेवा अपील प्राधिकरण ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर रोडवेज के कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर रोक लगाई है। इस मामले की सुनवाई एम.एस. काला और शुभा मेहता ने की थी और आदेश दिये गये थे। उल्लेखनीय है कि शुभा मेहता को कुछ दिनों पहले ही राजस्थान हाई कोर्ट में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय योग्य है कि वर्ष 2015 में राजस्थान हाई कोर्ट ने रोडवेज कॉरपोरेशन के कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर राज्य सरकार के आदेश से रोक लगाये जाने पर स्वत: संज्ञान लिया था। फिर अदालत ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था कि वह किस कानून या नियम के तहत रोडवेज के कर्मचारियों के स्थानान्तरण के आदेश पर रोक लगा रही है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के दौरान पाया राज्य सरकार के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है जिसके आधार पर वह ऐसे आदेश दे सकती है। अदालत ने लिखा राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए इसके आदेश रद्द कर दिये थे। राजस्थान सिविल सेवा अपील प्राधिकरण जयपुर में रोडवेज के कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर रोक पर अब 23 जून को सुनवाई होगी और रोडवेज की ओर से अधिवक्ता प्रतीक माथुर पैरवी के लिए पेश होंगे।

एफसीआई ने मोदी का पुतला फूंका

जयपुर (कासं)। भारतीय सेना में भर्ती के लिए केंद्र सरकार की नई स्कीम अग्निपथ का राजस्थान में विरोध बढ़ता जा रहा है। राजस्थान विवि. में छात्रों ने केंद्र सरकार की अग्निपथ स्कीम का विरोध किया। इस दौरान छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंक पहले की तरह सेना में भर्ती निकालने की मांग की। छात्र संगठन एसएफआई के जयपुर जिलाध्यक्ष कपिल राव ने बताया कि सरकार ने संविदा के तहत सेना में भर्ती निकाली है, जो देश के युवाओं के साथ धोखा है। ऐसे में जब तक केंद्र सरकार इस योजना को वापस नहीं लेगी, हमारा विरोध जारी रहेगा। उनका कहना था कि राजस्थान में सबसे ज्यादा युवा सेना भर्ती की तैयारी करते है। पिछले 2 साल से भर्ती प्रक्रिया नहीं हुई। ऐसे में प्रदेश के लाखों युवाओं के सपनों को केन्द्र सरकार ने तोड़ा है, जिसका खामियाजा उन्हें आने वाले चुनाव में भुगतना पडेगा।

सार-समाचार

अनिल गुर्जर बने युवा मोर्चा अध्यक्ष

जयपुर (कासं)। अनिल गुर्जर को पौण्ड्रीक मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति हवामहल विधानसभा के पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक, भाजपा जयपुर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा और युवा मोर्चा शहर अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरूवंशी की अनुशंषा पर की गई है। उनकी इस नियुक्ति से स्थानीय युवाओं में जोश का माहौल है, सभी ने साफा और माला पहनाकर अनिल का स्वागत किया।

अमानीशाह नाले में युवक का शव मिला

जयपुर (कासं)। भट्टा बस्ती थाना इलाके में अमानीशाह दरगाह के पीछे नाले में शनिवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद शव को बाहर निकलवाया और एंबुलेंस की सहायता से शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि युवक का शरीर कई जगह से गल गया है और शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान हैं। माना ये जा रहा है। कि शव दो से तीन दिन पुराना है।साथ ही भट्टा बस्ती थाने में भी पिछले कुछ दिनों में कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फ़िलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस जांच में जुटी है।

चेन स्नेचर और खरीदार गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जिला स्पेशल टीम पूर्व(डीएसटी)और आदर्श नगर थाना पुलिस ने स्कूटी सवार बुजुर्ग दम्पति के गले की चैन स्नैचिंग की वारदात करने वाले स्नेचर सहित लूटी गई चेन खरीदने वाले को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटी गई चेन बरामद की है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) प्रहलाद सिंह ने बताया कि डीएसटी पूर्व और आदर्श नगर थाना पुलिस ने पांच जून को स्कूटी सवार बुजुर्ग दम्पति गले की चैन स्नैचिंग की वारदात करने वाले शातिर चेन स्नैचर मोहम्मद शाजिद उर्फ मोटा (22) निवासी गलता गेट और लूटी गई चेन को खरीदने वाले हारून निवासी सूरजपोल जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से चैन को बरामद किया। गिरफ्तार आरोपित मोहम्मद शाजिद के खिलाफ स्नैचिंग के कई मामले दर्ज हैं और वह हर प्रकार के नशे का आदि हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वह सैर सपाटे के लिए निकलता है और स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दे देता हैं।

शादी का झांसा युवती का देहशोषण

जयपुर। करणी विहार इलाके में एक युवती को शादी का झांसा देकर कई सालों तक देह शोषण करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने अश्लील फोटो वीडियो के मार्फ़त उससे रूपए भी ऐंठ चुका है और रुपयों की मांग कर ब्लैकमेल कर रहा है। पुलिस ने पीडिता के बयानों के आधार पर मामाल दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मूलत: टोंक हाल इलाके निवासी 21 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि दिसम्बर 2019 में उसकी मुलाकात धीरज वैष्णव से हुई थी और बातचीत के दौरान दोनों में दोस्ती हो गई। आरोप है कि आमेर घूमने के बहाने आरोपित उसे अपने कनकपुरा सिरसी रोड निवासी दोस्त के रूम पर ले गया। जहां जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता के विरोध करने पर शादी करने का वादा किया और 4 दिन बाद एक मंदिर में ले जाकर झूठी शादी कर ली। इसके बाद 4 महीने तक जयपुर रेलवे स्टेशन के पास देव होटल में हर 2-3 दिन में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाता रहा, उसके अश्लील वीडियो भी बना लिए। आरोपी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये ले चुका है।

करोडों रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल पुलिस ने अपने दोस्त से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राधा रमण गुप्ता ने बताया आरोपित रामलाल नारवानी (47) निवासी मालवीय नगर को गिरफ्तार किया है। उसने प्रॉपर्टी खरीद-फरोख्त को लेकर अपने दोस्त अनिल गुप्ता से 3 करोड़ 88 लाख रु. की धोखाधड़ी की थी।

सरपंच के चुनाव को रद्द कर हारी प्रत्याशी को विजेता घोषित करने के आदेश पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा की ग्राम पंचायत सायपुर पाखर के सरपंच पद पर निर्वाचित याचिकाकर्ता के निर्वाचन को रद्द कर उसके स्थान पर हारी प्रत्याशी को विजेता घोषित करने के चुनाव अधिकरण के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने जिला निर्वाचन अधिकारी और उपखंड अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश विशनी देवी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवन्दा ने अदालत को बताया कि ग्राम पंचायत सायपुर पाखर के सरपंच पद के लिए 20 सितंबर 2020 को याचिकाकर्ता सहित नौ लोगों ने चुनाव लड़ा था। जिसमें याचिकाकर्ता निर्वाचित घोषित की गई। वहीं दूसरी स्थान पर रही मूथरी देवी ने निचली अदालत में याचिकाकर्ता के निर्वाचन के खिलाफ चुनाव याचिका दायर की। जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता के निर्धारित कट ऑफ डेट 27 नवंबर 1995 के बाद तीन संतान हैं। इस पर सुनवाई करते हुए गत 25 मई को चुनाव अधिकरण, दौसा ने याचिकाकर्ता के निर्वाचन को रद्द कर दिया और हारी हुई प्रत्याशी मुथरी देवी को विजेता घोषित कर सरपंच का चार्ज देने के आदेश दिए। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के एक संतान होने के बाद बीस अगस्त 2002 को जुड़वा संतान हुई थी। नियमानुसार एक संतान के बाद दूसरी संतान यदि जुड़वा होती है तो भी उसे एक ही इकाई माना जाता है। इसलिए वह चुनाव लड़ने के अयोग्य नहीं थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार निर्वाचित व्यक्ति का चुनाव रद्द होने के बाद दूसरे स्थान पर रहे प्रत्याशी को उसी स्थिति में निर्वाचित घोषित किया जाता है जब सिर्फ दो लोगों ने चुनाव लड़ा हो। जबकि याचिकाकर्ता के मामले में नौ लोगों ने चुनाव लड़ा था। ऐसे में चुनाव अधिकरण के आदेश को रद्द किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने चुनाव अधिकरण के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

हाईकोर्ट ने गुरुकुल को राहत दी, अन्य संस्थान संचालन की एनओसी रद्द करने पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल ही में चर्चा में आई गुरुकुल शिक्षण संस्थान को राहत देते हुए संस्थान की ओर से संचालित अन्य संस्थानों की एनओसी रद्द करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश गुरुकुल शिक्षण संस्थान की याचिका पर दिए।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए 2 जुलाई 2021 को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया गया था। वहीं एक जांच के बाद गत 19 अप्रैल को उसे अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता पिछले करीब बीस साल से कई संस्थाएं संचालित कर रहा है। वहीं 19 अप्रैल 2022 के आदेश के आधार पर उसकी ओर से अन्य संस्थाएं संचालित करने की एनओसी को रद्द किया जा रहा है।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता संस्थाएं संचालित करने के लिए सभी तय शर्तें पूरी कर रहा है। इसके अलावा उसे सम्बद्धता भी दी जा चुकी थी। ऐसे में 19 अप्रैल का आदेश अपने आप में मनमाना है। इसलिए इस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए याचिकाकर्ता को अन्य संस्थान संचालित करने की एनओसी को रद्द करने पर रोक लगा दी है।

मालवीय नगर में आवासीय भूखंड पर बना तीन मंजिला कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स सील

जयपुर (कासं)। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने शनिवार को मालवीय नगर में आवासीय भूखंड़ पर बने 3 मंजिला अवैध कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स को सील किया। बिल्डिंग मालिक ने बिना जेडीए की अनुमति जीरो सेटबैक पर यह इमारत तैयार की थी।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि मालवीय नगर में आवासीय भूखंड ए-420 की 366.07 वर्गमीटर जमीन पर जीरो सेटबैक पर यह बिल्डिंग बनाई गई है। जेडीए प्रशासन ने 31 दिसंबर 2018 को अवैध निर्माण रूकवाकर बिल्डर को नोटिस थमाया था। इसके बाद 21 फरवरी 2020 को दुबारा नोटिस जारी करके बेसमेंट को छोड़कर शेष 3 मंजिला निर्माण को सील किया था।

इसके बाद भूखंड़ मालिक ने हाईकोर्ट में अपील करके 29 अप्रैल 2022 को सील खुलवाई। जेडीए ने मौके पर गार्ड भी नियुक्त किये, लेकिन भूखंड़ मालिक ने सील मुक्त बिल्डिंग से अवैध निर्माण हटाना शुरू नहीं किया। इस पर 26 मई को पुन: विधिक नोटिस जारी करके 7 दिन में अवैध निर्माण हटाने को पाबंद किया था। इसके बावजूद बिल्डर लगातार मनमानी करता रहा। इस पर शनिवार को जेडीए की प्रवर्तन टीम ने पूर्वानुसार बेसमेंट को छोड़कर शेष बिल्डिंग के प्रवेश द्वारों पर ताले सील-चपड़ी लगाकर पुन: सीलिंग की।

World Sauntering Day

The world around us is moving at such a hectic pace that we often forget to slow down and smell the proverbial roses. Even our walk is at high speed, pushing every inch of haste to get out of what is otherwise the most leisurely of modes for locomotion. It isn't just an opportunity for us to remember to walk. It is, more importantly, an opportunity for us to take a genuinely relaxed tack to the day and choose to saunter.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
19 June 2022
A-B

#POCKET-WORTHY

All Night Reading

Unputdownable books that will make you stay up all night.

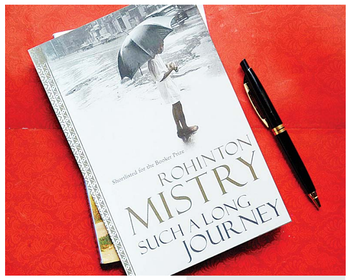

Every once in a while, we come across a book so engaging that we find ourselves lost in its world. Despite our best efforts, we end up foregoing precious hours of sleep and shunning company, conscious only of our need to finish the book. A book such as this truly defines the word 'unputdownable'.

Here is a list of novels you can read overnight-compelling enough that you won't be lured by sleep, but short enough that once you finish, you'll still have enough time to clock some hours before you have to go to work. If you can sleep, that is.

Sacred Games

By- Vikram Chandra

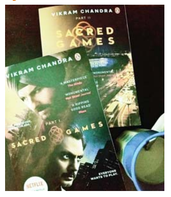

A critically acclaimed book, and winner of the Vodafone Crossword Book Award, Sacred Games is a complex cops-and-robbers thriller set in Mumbai. When Sartaj Singh, a police inspector with poor career prospects receives an anonymous tip with the location of the secret hideout of India's most wanted gangster, Ganesh Gaitonde, he rushes to seize the opportunity. With layered characters and exquisite language, Sacred Games is guaranteed to keep you reading for hours.

The Eye Of The World

By- Robert Jordan

Reminiscent of 'The Lord of The Rings', this is the first of 14 books in 'A Wheel Of Time' series. This book introduces the key characters - Rand al' Thor and his friends, Martim Cauthon and Perrin Aybara as they flee their home after being attacked by Trollocs. They are accompanied by an Aes Sedai, Moiraine, and her Warder Lan. This page-turner will keep you hooked as you follow Rand and his seven companions as they go on an epic quest for answers, make friends along the way, dodge enemies and eventually uncover their destinies.

The Night Circus

By- Erin Morgenstern

The Night Circus is a phantasmagorical fairy tale centred around a peculiar magical circus with no fixed location that could arrive anywhere, without any announcement. Open only from sunset to sunrise, Le Cirque des Rêves (the Circus of Dreams), boasts of wonders like a garden made of ice and stunning displays of magic. In the midst of the circus are the young magicians, Celia and Marco who have been groomed from childhood to be each other's rivals in a contest of magic, where the punishment for losing is death. Unexpectedly, they find themselves falling in love and have to find a way out from the night circus. The Night Circus is a delightful and mesmerising read which will make you want to stay up all night.

Such A Long Journey

By- Rohinton Mistry

Shortlisted for the Man Booker Prize, this book is set in 1971 Mumbai during a time of political unrest and revolves around Gustad Noble, a hard-working bank clerk who is struggling to keep his family out of poverty. His youngest daughter, Roshan is always sick and his oldest son Sohrab wins a scholarship to IIT but chooses not to enrol and, instead leaves home to pursue art. An unexpected request from an old friend changes his life and takes him on a strange journey full of loss as well as hope. Such a Long Journey is the gripping tale of a family man amidst war and political turmoil and how they impact a man's life. Mistry's layered writing will keep you hooked as you stay up all night to finish the book.

Going Postal

By- Terry Pratchett

Set in the Discworld universe, Going Postal is Terry Pratchett at his best as he satirises how the modern-day postal system came about. The story takes place in the fantasy city-state of Ankh-Morpork, and introduces us to Moist von Lipwig, a swindler soon to be hanged for his crimes. After Lord Vetinari fakes von Lipwig's death, he 'accepts' the job of a Postmaster at the post office which hasn't been used since the introduction of the clacks system. He revolutionises the postal system by introducing postage stamps and hiring golems to deliver the mail and soon finds himself in a competition with the clacks system. You'll find yourself laughing out loud as you follow von Lipwig on his adventures as he struggles to manage the post office.

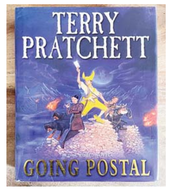

The Pillars Of The Earth

By- Ken Follett

The Pillars of the Earth is Ken Follett's tour de force, a historical novel in sharp contrast to his previous works. This book tells the tales of Philip, a monk in the 12th century, driven by his goal to build the greatest Gothic cathedral in the world, of Tom, a mason who became an architect, and of Lady Aliena who has a shameful secret. The overall theme of the book is that of the struggle between good and evil. Follett's masterful storytelling has managed to recreate 12th century England in vivid detail as the monasteries and castles of Kingsbridge come to life before us. This is a complex tale of love, betrayal and revenge set in motion by the public hanging of an innocent man. You'll find yourself unable to put the book down.

The entire team of investigators sent by the British government was eliminated by Behram. Then the Government decided to send a soldier William Henry Sleeman, in their place, to investigate. In 1822 William was made the magistrate of the district of Narsinghpur of Madhya Pradesh. He had to move and travel to many cities and various places to collect information on Behram but he could not get any.

The 'Beraham' Thug

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

Thug Behram 1765 - 1840.

Thug Behram, was also known as Buhram Jamedar and the 'King of Thugs', was a leader of the Thuggee cult active in Oudh in central India during the late 18th and early 19th century. He is said to be one of the world's most prolific serial killers. He may have been involved in up to 931 murders by strangulation between 1790 and 1840, performed with a ceremonial rum?l, a handkerchief-like cloth used by his cult as a garrotte; though in the official records only 125 were confirmed.

Behram is suspected of having committed 931 murders, James Paton, an East India Company officer working for the Thuggee and Dacoity Office in the 1830s wrote a manuscript on Thuggee. He quotes Behram as saying that: "he had 'been present' at 931 cases of murder, and "I may have strangled with my own hands about 125 men, and I may have seen strangled 150 more."

Ceremonial Execution

The English word 'thug' is in fact is borrowed from the Hindi word 'thug'. The thugs were covert members of a group and the term 'Thugee' typically referred to an act of deceitful and organised robbery and murder.

Behram used his kamarbund or rum? l, with a large medallion sewn into it as a garrotte to execute his killing. Through sheer skill he could cast the rum? l around the neck of the victim in such a way that the medallion landed at the Adam's apple of his victims, adding pressure to the throat when he strangled them.

Thug Behram was operative in 1790 and 1840 performed murders with a ceremonial rum?l, a handkerchief-like cloth used by his cult as a garrotte. Behram was executed on January 1, 1840, at the age of 75.

In his childhood Behram was quite shy and was quite reluctant to mix up with others. Later, he became friends to one of the notorious Thugs Syed Ameer Ali who was 25 years older than him. Ameer Ali is the person who introduced Behram to the world of Thuggee and also made him the head of Thugs.

According to the sources, during his initial days of Thuggee, Behram was also accompanied by a female thug named Dolly, but later on both got separated. By the otherwise tender age of just 10, Behram had started killing and terrifying the people with his crimes. He took to robbing and thugging as a profession at the tender age of 25.

Code of Convenience

He had a group of nearly 200 members working with him. Due to their success and invincibility the central states of India were deeply terrorized, so much so that they had to alter their route of travel however inconvenient. Though as per their tradition they did not kill women, fakirs, musicians, lepers and Europeans. They only attacked traders, pilgrims and tourists.

Behram's notoriety was such that it reached London. British government sent a five member investigating team to Jabalpur. After intensive search they could come up with only one name – Behram.

The entire team of investigators sent by the British government was eliminated by Behram. Then the Government decided to send a soldier William Henry Sleeman in their place to investigate. In 1822, William was made the magistrate of the district of Narsinghpur of Madhya Pradesh. He had to move and travel to many cities and various places to collect information on Behram but he could not get any.

> In his childhood Behram was quite shy and was quite reluctant to mix up with others. Later, he became friends to one of the notorious Thugs Syed Ameer Ali who was 25 years older than him. Ameer Ali is the person who introduced Behram to the world of Thuggee and also made him the head of Thugs.

#HISTORY

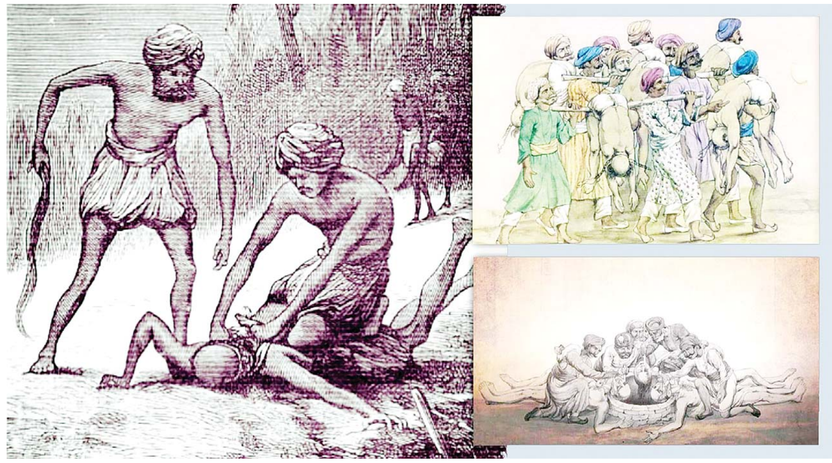

dering a favoured slave of Akbar the Great, the emperor of Hindustan (India).

These original Muslim Thugs spread Thuggee amongst Indian Rajputs, Hindus, Lodhis and Ahirs. According to other traditions by Thugs, they were Kanjars or descended from those who worked in the Mughal camps. Others have blamed the rise of Thugs on the disbanding of armies in employment of Indian rulers after the British conquest.

During a 1906 meeting of the Royal Society of Edinburgh, Sir William Turner submitted part three of his research 'Contributions to the Craniology of the People of the Empire of India'. Included were the photographs of individual skulls from a group who the British Medical Journal said: "They made it their business to frequent the great highways of India and become friendly with travellers, with a view to setting upon them and strangling them."

Meet the original thugs

The word 'thug' traces its roots to the Hindi and Urdu word thug, which means thief or swindler, which itself is derived from the Sanskrit verb sthagati (to conceal). The word entered the English language in the 1800s during the British Imperial Rule of India.

However, the earliest known reference to the 'Thugs' as a band or fraternity, rather than ordinary thieves is found from the early 14th century when sultan (king) Jalaal-ud-din Khilji had arrested 1,000 thugs and had sent them in isolation. The Thuggee units would resemble the physical appearance of travellers. Initially, they wore turbans and carried with themselves some kinds of baggage. Their attire as travellers would deceive peasants and royalty alike.

The methods used by Thug were meant to reap maximum loot without being caught. They did not accost travellers unless their own numbers were greater than the victims. They flattered travellers they met, which gave them a chance to assess what wealth their targets might have. Many of them avoided committing thuggee near the areas they lived, making discovering their crimes a difficult task. They often pretended to be either Hindu or Muslim to fool their victims.

To take advantage of their victims the thugs would join travellers and gain their confidence spending a few hours or even days sometimes. This would allow them to surprise and strangle the travellers with a handkerchief or noose. They would then rob and bury their victims. This led to the thugs being called 'Phansigar' which literally means 'using a noose' in English. This term is more commonly used in southern India.

They usually attacked in the evening. A common method used by them was to distract their targets while striking to strangle them from behind. In order to avoid suspicion, they avoided carrying more than a few swords. Sometimes they mutilated corpses of their victims to avoid detection. The corpses were then hidden.

A leader of a Thuggee gang was called jemadar. They used a jargon known as Ramasee to disguise their true intentions from their targets. It was an unintelligible, yet meaningful language. Although strangulation was one of their most-recognized methods of murder, they also used blades and natural poisons.

The garrotte is often depicted as a weapon of the Thuggee. Other evidences suggest that a kind of dagger called the 'Katar' was their personal status weapon. The thug men wore this weapon proudly across their chests.

Early references to thugs reported that they committed their strangulation murders with nooses of rope or catgut, but later they adopted the use of a sash or scarf, and thus can more easily be concealed. This cloth is sometimes described as a rum?l which is actually a head covering or kerchief.

A poison called dhatura, derived from a plant in the Nightshade family was sometimes used by Thugs to induce drowsiness or stupefaction making strangulation easier.

How It All Ended

During the 1830s, the thugs were targeted for eradication by the Governor General of India Lord William Bentinck and his chief captain William Henry Sleeman. They really did this and as a result the nuisance of thugs in India gradually decreased. British authorities had occasionally captured and prosecuted Thugs. In the process, the Thuggee and Dacoity Department was created in 1835. The campaign relied heavily on captured Thugs who became informants. These informants were offered protection on the condition that they told everything that they knew.

By 1870s, the Thug cult was essentially extinct but the history of Thuggee led to the Criminal Tribes Act (CTA) of 1871 in India. The Thuggee and Dacoity Department remained in existence until 1904 when it was replaced by the Central Criminal Intelligence Department (CID).

writetoarbit@rashtradoot.com

The scarf and the coin used by Behram to strangulate victims.

The tree on which Behram and his gang was hanged.

Lord William Bentinck.

William Henry Sleeman.

Two thugs distracting by pointing towards sky and the third creeping up from behind.

> The methods used by Thug were meant to reap maximum loot without being caught. They did not accost travellers unless their own numbers were greater than the victims. They flattered travellers they met, which gave them a chance to assess what wealth their targets might have.

#TRIED&TASTED

Enjoy an array of small dishes or appetizers in place of a big meal in order to thank the country of Spain for introducing the world to tapas.

Simply Spanish

Spain is responsible for so many wonderful things; their food and drink is among some of the best in the world. There are a lot of factors that play a role when it comes to enjoying some of the most delicious food in the world. If you are looking for the perfect taste of Spain, then tapas is going to be the choice for you. So, try to make sure you do what you can to experience the most delicious and amazing tapas as much as possible. You have a lot to consider if you want to make the most of the tapas from Spain has to offer.

Vegetarian Slow-Cooker Stuffed Mushrooms

Ingredients

- **Ghee** or vegetable spray
- **Vegetarian** Worcestershire sauce
- **10** mushrooms
- **1/4** cup walnuts, toasted
- **1/4** cup cream cheese
- **1/4** cup frozen spinach, thawed and excess moisture squeezed out
- **1/4** cup jarred artichokes, drained
- **1/4** cup shredded mozzarella
- **2** tablespoons breadcrumbs, preferably panko
- **1** tablespoon scallion, chopped
- **1** teaspoon garlic salt
- **Fresh** parsley, chopped, to garnish

Preparation

1. Spray a small slow-cooker with ghee or vegetable spray. Splash with Worcestershire sauce.
2. Remove stems of mushrooms and put in food processor. Place mushroom heads, gills side up in base of slow cooker.
3. In a food processor, along with the mushroom stems, combine all remaining ingredients except for parsley. Chop until a thick paste is formed.
4. Using a melon ball scooper with a spring handle, fill each mushroom cap with 1-2 tablespoons of filling.
5. Place lid on slow cooker and cook on low for 2-3 hours, until mushrooms have wilted slightly and filling is heated throughout.
6. Use tongs to transfer to a serving dish. Garnish with parsley and flake salt.

Baked Churro Chips

Ingredients

For the chips:

- **4-5** pieces plain naan bread
- **1/2** cup salted butter, melted
- **Cinnamon** sugar

For the mocha fudge sauce:

- **1** cup granulated sugar
- **1 1/3** cups special dark cocoa powder
- **1** Tablespoon instant espresso powder
- **1** cup heavy whipping cream
- **1/2** cup salted butter
- **Splash** of vanilla

For the caramel sauce:

- **3/4** cup brown sugar
- **1 14**-ounce can sweetened condensed milk
- **1/2** cup salted butter
- **1/2** cup half and half
- **Splash** of vanilla

Preparation

1. To make the Churro chips, preheat the oven to 375 degrees Fahrenheit. Cut each piece of naan bread into 10 triangles. Brush each naan chip with melted butter and dip into cinnamon sugar. Place on a baking sheet lined with parchment paper. Bake for 16 minutes (flip the naan chips halfway through baking). Let it cool.
2. To make the mocha fudge sauce, combine the sugar, cocoa powder, espresso powder and heavy whipping cream in a saucepan over medium heat. Whisk until combined. Add butter and stir until melted. Cook the fudge sauce over low heat for 3-5 minutes. Remove from heat. Add vanilla. Let cool 5-10 minutes. If you won't be using the fudge sauce right away, store in a mason jar in the fridge.
3. To make the caramel sauce, combine the sugar and sweetened condensed milk in a saucepan over medium heat. Add butter and stir until melted. Cook the caramel sauce over low heat for 3-5 minutes, until it comes to a slow boil. Remove from heat. Add half and half and vanilla. Stir to combine. Let cool 5-10 minutes. If you won't be using the caramel sauce right away, store in a mason jar in the fridge.
4. Serve Churro chips with fudge sauce, caramel sauce and some fresh whipped cream.

Patatas Bravas with Cheat Garlic Aioli

Ingredients

- **1 1/2** pounds fingerling potatoes
- **3** tablespoons olive oil
- **Sea** salt and pepper
- **Fresh** thyme and parsley
- **Spanish** paprika
- **3** garlic cloves, pressed
- **1/2** cup high-quality mayonnaise
- **2** tablespoons olive oil
- **1 1/2** tablespoons fresh lemon juice

Preparation

1. Make the Garlic Aioli: Combine the pressed garlic, mayonnaise, olive oil, lemon juice, and sea salt and pepper to taste in a blender or food processor and process until smooth and creamy. Allow the aioli to sit in the refrigerator for at least an hour before serving. This can be made ahead.
2. Make the Patatas Bravas: Boil the fingerling potatoes in salted water until they are just tender, about 10 minutes. Drain and let dry.
3. Carefully slice the potatoes in half lengthwise once they are cooled.
4. Heat a cast iron pan with 3 tablespoons of olive oil until very hot. Work in batches (don't overcrowd the pan) and fry up the potatoes until each side is crispy and evenly browned, about 2 minutes per side. Using tongs, transfer the potatoes to drain on paper towels; while they are still very hot, sprinkle with sea salt, pepper, paprika and fresh thyme.
5. Serve the potatoes immediately while still warm on a bed of fresh parsley, sprinkled with additional parsley and thyme. Serve with the aioli. Enjoy!

THE WALL

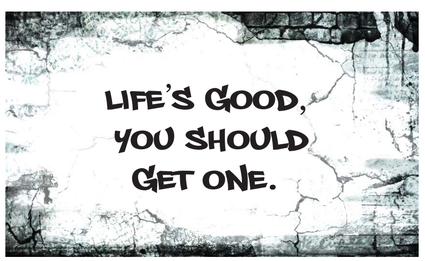

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

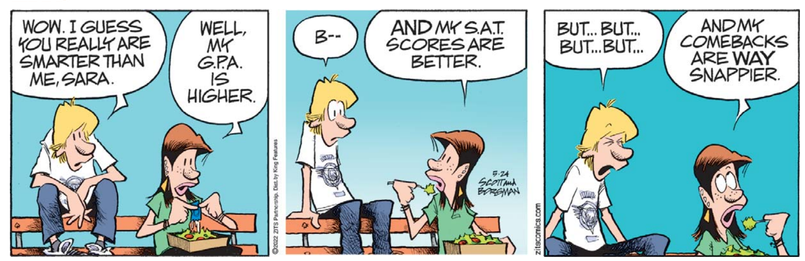

सीवरेज नाले ब्लॉक, पहली ही बरसात में भीलवाड़ा शहर की कई बस्तियां जलमग्न

कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से आमजन को काफी नुकसान भी हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं.)। नगर परिषद द्वारा मानसून सीजन से पहले सभी सीवरेज नालों की सफाई और बारिश को लेकर किए गए कार्यों की पोल एक ही दिन की बारिश में खुल गई है। शनिवार को जिला मुख्यालय पर हुई अच्छी बारिश के बाद शहर की कई कॉलोनियों जलमग्न हो गई है इसके साथ ही कई सीवरेज नाले ब्लॉक होने से उनका पानी भी सड़कों पर भर गया है। यह हालात भीलवाड़ा शहर के कई हिस्सों में देखने को मिल रहे हैं।

इस जलमग्न स्थिति के बाद अब लोगों का आक्रोश भी साफ तौर पर दिख रहा है। कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से आमजन को काफी नुकसान भी हुआ है। भीलवाड़ा शहर के बसंत विहार, विजय सिंह पथिक नगर व बस स्टैंड रोड पर जलभराव की स्थिति भयंकर रूप ले चुकी है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सड़कों पर कई गड्ढे भी खोद कर रखे हैं, जिन्हें भरा नहीं गया है। ऐसे में अब वाहन चालक और पैदल चलने वाले लोग भी इन सड़कों पर चलने से डर रहे हैं और यह हादसे के सबक भी बने हुए हैं।

आपको बता दें कि शनिवार की दोपहर भीलवाड़ा शहर में बारिश का दौर शुरू हुआ। एक ही दिन में हुई इतनी बारिश के चलते शहर के मोहल्लों में करीब 3 से 4 फीट पानी भर गया है और यह लोगों के घरों में घुस गया। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि मोहल्लों में बनाई गई सड़कें बेतरतीब तरीके से बनाई गई है। इसके साथ ही यहां के सीवरेज नालों की सफाई भी सही नहीं हुई है। इस कारण से बारिश में यह स्थिति उत्पन्न हो गई है।

इसके अलावा भीलवाड़ा शहर के कई हिस्सों से रेलवे पटरी के अंडर ब्रिज भी निकल रहे हैं। इन अंडर ब्रिज में भी पानी भर जाने से लोगों को उन्हें पार करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की छिपा बिल्डिंग, वीर सावरकर चौक, पुर रोड, कॉलेज मार्ग सहित कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है वही सीवरेज के कार्य के चलते गंगापुर चौराहे पर एक तरफा मार्ग होने से यातायात प्रभावित हुआ है, आजाद चौक इलाके में कई दुकानों में पानी घुस गया दुकानदारों का आरोप है कि नगर परिषद की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है ऐसे में दुकानदारों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। नेहरू रोड पर तेज अंधड़ के साथ उड़े टीन टप्पर के कारण एक कार के शीशे भी टूट गए जबकि सब्जी मंडी में एक पेड़ धराशाई हो गया तेज हवाओं के चलते कई दिन तक पर और बोर्डिंग भी उड़ गए।

उधर गांधीनगर स्थित बसंत विहार कॉलोनी में बरसाती नाले को बंद कर देने से कई मकानों में पानी भर गया है और लोग मकानों में कैद होकर रह गए हैं यहां रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनके मकान के बाहर 5 फीट तक पानी भरा हुआ है इससे घर के बाहर नहीं निकला जा सकता सड़क पर खड़े कुछ वाहनों के भी डूबने की खबर है। पानी भरने की सूचना पर आयुक्त दुर्गा कुमारी और सभापति राकेश पाठक भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

भीलवाड़ा में बरसात के दौरान टीप टप्पर गिर गए।

राजकीय सम्मान के साथ सैनिक राठौड़ का अंतिम संस्कार

अंतिम दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ी

शहीद को विधायक बुडानिया सहित कई नेताओं ने पुष्पचक्र भेंट किए।

तारानगर, (निसं)। तारानगर तहसील के गांव तोगावास में भारतीय सेना के जाबाज सिपाही शहीद कुम्भकर्ण सिंह राठौड़ का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह करीब 11 बजे उनके गांव पहुंचा। शहीद का शव जैसे उसके घर लाया गया। वहां मौजूद हर एक की आंख नम हो गयी।

गांव के लाडले को खोने का दर्द साफ झलक रहा था। शव के अंतिम दर्शन के लिए लोगों की उमड़ पड़ी। जब तक सूरज चांद रहेगा कुंभकर्ण सिंह तेरा नाम रहेगा...के नारे तथा भारत मां के जयकारों से इलाका गूंज उठा। इसके बाद सेना के जवानों की मौजूदगी में पार्थिव शरीर बक्से के साथ मुक्तिधाम लाया गया। जहां सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शहीद की पार्थिव देह को उनके भतीजे विजेन्द्र सिंह ने मुखाग्नि दी। गांव के लोगों ने बताया कि तोगावास निवासी गुलाब सिंह राठौड़ के पुत्र कुंभकर्ण सिंह उम्र 28 साल भारतीय सेना में 27वीं राजपूत रेजिमेंट के जवान थे। गुरुवार को शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) में ड्यूटी के दौरान कुंभकरण सिंह शहीद हो गये।

वर्ष 2013 में सेना में राठौड़ भर्ती हुआ था। वे लांस नायक के पद पर कार्यरत थे। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। उनके चार साल की बेटी और दस माह बेटा है। इधर जवान को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने पत्र के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा में तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, तारानगर पंचायत समिति संजय कस्वां, एसडीएम प्रभजोत गिल, डीएसपी ओमप्रकाश गोदारा, राकेश जांगिड़, निर्मल प्रजापत, वीर बहादुरसिंह राठौड़ सहित हजारों लोग मौजूद थे।

पर्यटकों के लिए चम्बल रिवर फ्रंट नायाब तोहफा होगा: धारीवाल

कोटा, (निसं)। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने चम्बल रिवर फ्रंट सहित शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने चम्बल में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के प्रत्येक घाट का बारिकी से अवलोकन कर फसाड़ कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिये। स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल रिवर फ्रंट से निरीक्षण कार्य की शुरूआत करते हुए सभी घाटों के आधारभूत निर्माण कार्यों की अधिकारियों से जानकारी ली।

- **स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल नदी में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के दोनों किनारों के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण किया**

उन्होंने कहा कि वर्षा के समय चम्बल में पानी की आवक से पहले घाटों की सिढ़ियों एवं नदी के पास वाले कार्यों को गुणवत्ता से पूरा कराया जावें। उन्होंने प्रत्येक घाट के मूल स्ट्रेक्चर के कार्य पूरा होने के साथ ही फसाड़ एवं सौन्दर्यकरण कार्य को भी हाथ में लेकर निरन्तर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैराज गार्डन, चम्बल माता की मूर्ति से लेकर सिंह घाट तक हो चुके निर्माण कार्य का निरीक्षण कर शेष कार्य को निर्धारित समय में पूरा कराने के लिए संशाधन बढ़ाने के निर्देश दिये।

स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल नदी में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के दोनों किनारों के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने फ्रंट के प्रवेश द्वार, मन्दिर घाट, जवाहर घाट, सिंह घाट, संस्कृति घाट सहित सभी घाटों के निर्माण कार्य के लिए बनाये गये स्ट्रेक्चर के पूर्ण हो चुके कार्य का निरीक्षण कर फसाड़ कार्य के लिए निर्धारित समय तक कार्य पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जहां भी मूल स्ट्रेक्चर कार्य पूरा किया जा चुका है वहां फसाड़ एवं सौन्दर्यकरण कार्य को गति प्रदान की जावे। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हुए कार्य की गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जावे।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि देश-दुनियां के पर्यटकों के लिए चम्बल रिवर फ्रंट नायाब तोहफा होगा इसकी निर्माण शैली एवं डिजाइन अतुलनीय है इससे देशने दुनियाभर के पर्यटक आकर्षित होंगे जिससे कोटा में रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट बनने के बाद चम्बल नदी शुद्ध होगी तथा बाढ़ से होने वाले नुकसान को भी रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसमें आधुनिकता एवं पुरातन संस्कृति जो संगम किया गया वह किसी भी रिवर फ्रंट में देखने को नहीं मिलेगा।

स्वायत्त शासन मंत्री ने घोड़े वाला सर्किल, एरोड्रम सर्किल एवं किशोर सागर की पाल पर निर्माणाधीन जालिमसिंह की हवेली के कार्य का भी निरीक्षण किया तथा शेष कार्य गति के साथ कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जालिमसिंह की हवेली के नक्कासी एवं फसाड़ कार्य को सितम्बर माह तक पूरा कराने का लक्ष्य देते हुए निरन्तर कार्य को गति देने क बात कही। इस दौरान नगर विकास न्यास के विशेषाधिकारी आरडी मीना, सचिव राजेश जोशी, अति. मुख्य अभियंता ओपी वर्मा सहित सबन्धित अभियंता उपस्थित रहे।

स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने चम्बल रिवर फ्रंट के कार्यों का निरीक्षण कर निर्देश दिए।

युवक ने पेड़ पर फंदा लगाया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र के 13 एलएनपी रोही ठाकरांवाली में शुक्रवार को एक दिहाड़ी मजदूर सुनसान जगह पर पेड़ से बने फंदे पर लटकता मिला। एक राहगीर ने पेड़ पर शव देखा तो उसने इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। इस पर लोग मौके पर पहुंचे और युवक की पहचान की। दिहाड़ी मजदूर पास ही इलाके का रहने वाला होने के कारण लोगों ने उसी समय उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मजदूर की पहचान कर ली।

परिजनों ने रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा रमेश कुमार गांव में उसके घर के ही एक हिस्से में पत्नी के साथ रहता है। दो-तीन दिन पहले उसकी पत्नी पीहर चली गई थी। तब से वह अकेला ही था। इस दौरान दो दिन पहले वह घर से गायब हो गया। उसकी तलाश की जा रही थी। इसी बीच गांव तेरह एलएनपी रोही में वह पेड़ पर लटका मिला।

आमजन भ्रामक खबरों व अफवाहों से बचें: शर्मा

राजसमंद, (निसं)। कुम्भलगढ़ डीवाईएसपी ने अग्निपथ सेना भर्ती को लेकर चल रही भ्रामक अफवाहों से आमजन को दूर रहने की अपील की है। जिसके चलते देश, राज्य अपने गांव, शहर में अशांति का माहौल न बनें। आमजन इन जैसी किसी भी तरह की बातों में ना आकर शांति सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी अफवाहों से बचने के साथ ही इन भ्रामक खबरों, अफवाहों के खिलाफ आप नजदीकी थाने में, थाने के एसएचओ, एरिया सीओ, कंट्रोल रूम एयातायात प्रभारी तथा पुलिस, वभाग से संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करते हुए। अपने गांव शहर आदि में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस की सहायता एवं सहयोग करें।

जिला मुख्यालय पर निकाला फ्लेग मार्च :- सेना में भर्ती अग्निपथ योजना को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन तथा भ्रामक खबरों एवं अफवाहों के चलते आगजनी, तोडफोड जैसी अन्य तरह की देश विरोधी गतिविधियों की रोकथाम एवं शांति व्यवस्था बनाए रखे जाने को लेकर शनिवार शाम को राजनगर थाना क्षेत्र से पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसमें डीसपी बेनीप्रसाद मीणा, राजनगर थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह चौहान, लक्ष्मणराम विश्नोई सहि पुलिस जवान सदे कदमों के साथ शांति व्यवस्था का संदेश दिया। फ्लैग मार्च राजनगर थाना क्षेत्र के फव्वारा चौक से प्रारंभ होकर, सदर बाजार, दाणी चबूतरा, कलाल वाटी, किशोर नगर, पुरानी कलेक्ट्रेक्ट, पीर बावजी, जलचक्की तिराहा, पुराना बस स्टेण्ड, मुख्य चौपाटी आदि मुख्य मार्गों से होता हुआ निकला।

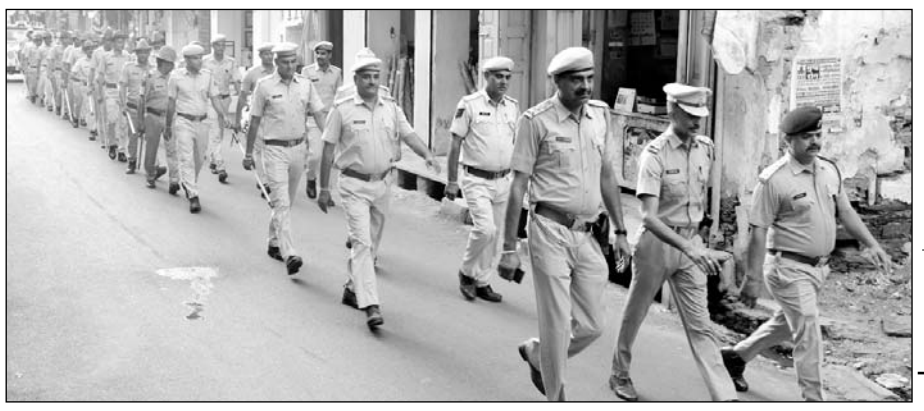

कुम्भलगढ़ में डीवाईएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला।

4100 भूमिहिनों के लिए प्रधानमंत्री आवास देने की प्रक्रिया शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में भूमिहीन 4100 लाभार्थियों के लिए भूमि तलाशने की कवायद सीईओ मोहम्मद जुनैद ने शुरू करते हुए राजस्व अधिकारियों के साथ अनूपगढ़ पंचायत समिति हाल में बैठक आयोजित की।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुनैद ने अवगत करवाया कि ग्राम विकास अधिकारी को पटवारी से समन्वय स्थापित कर 20 तारीख को अपनी पंचायत में चौपाल आयोजित कर अधिक से अधिक भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाये। इसके लिए सरपंच अपनी पंचायत के बुद्धिजीवी वर्ग या भामाशाह से भी सम्पर्क कर ऐसे परिवारों को भूमि दिलाने के लिए आगे लाने का प्रयास करें ताकि जरूरतमंद को आवास मिल सकें। उन्होंने बताया कि जिले में भूमिहीन परिवारों की संख्या 4100 है, जिनमें से 965 भूमिहीन लाभार्थी अकेले अनूपगढ़ क्षेत्र में निवास करते हैं।

- **गंगानगर में भूमिहीनों को प्रधानमंत्री आवास के लिए नरेगा स्थल पर सीईओ मो. जुनैद ने जानकारी ली**

इन्हें सरकार की आवास योजनान्तर्गत पक्के मकान की आस है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा उपखण्ड अधिकारी अनूपगढ प्रियंका पिलानिया के साथ बैठक के दौरान चर्चा की कि जहां-जहां राज रकबा है, वहां-वहां नियमानुसार आबादी भूमि में कन्वर्ट के प्रयास किये जायें ताकि ऐसे भूमिहीन परिवारों के भी आवास के सपने पूरे हो सकें। सीईओ जुनैद द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत नरेगा कार्यों का भी ग्राम पंचायत 12 ए बी में निरीक्षण किया तथा ग्राम पंचायत 11/12 एनडी नाहरांवाली में निरीक्षण के दौरान वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संतुलित रखने का भी संदेश दिया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ एसीईओ वैभव अरोडा, विकास अधिकारी, अनूपगढ़ सहायक अभियंता श्री हरि कृष्ण सिहाग, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी एव पंचायत समिति स्टाफ मौजूद रहे।

जेईएन महिला का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर डिस्कॉम की जेइएन का शव शनिवार की दोपहर में कायलाना झील में मिला। वह सुबह नौ बजे अपने घर से निकली थी। कार सिद्धनाथ रोड पहाड़ी के पास में पार्क की हुई मिली। गाड़ी के नंबर के आधार पर उनकी पहचान की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कार्रवाई के लिए एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से एक महिला का शव बाहर निकाला। मृतका की पहचान जोधपुर डिस्कॉम की जेइएन वंदना पुत्री विजय स्वरूप शर्मा के रूप में हुई। शव को पहचान के लिए 17 वर्षीय पुत्री वहां पहुंची और अपनी मां के रूप में पहचान की।

युवक के किडनैप की घटना कैमरे में कैद

हनुमानगढ़, (कासं)। बाइक पर आये लोग फिल्मी स्टाइल में युवक को कुछ ही मिनटों में स्कॉर्पियो में डालकर किडनैप कर ले गए। युवक ने 7 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। आरोप है कि युवती के घरवालों ने ही युवक को किडनैप किया है। मामला हनुमानगढ़ के जंक्शन का 16 जून का है। यह घटना वहां लगे कैमरे में कैद हो गई। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया है। कालूराम (55) पुत्र देवीलाल निवासी वार्ड 5 खीलेरी बास फतेहगढ़ ने जंक्शन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस को बताया कि उसका 22 साल का बेटा अजय चिस्तीया में शराब ठेके पर काम करता था।

15 जून को उसका बेटा शराब ठेकेदार से बुलेट मांग कर लाया था, जिसे लौटाने के लिए 16 जून की शाम करीब 5 बजे जंक्शन गया था। जहां शराब ठेकेदार को बाइक देने के लिए जैसे ही ओवरब्रिज के पास रुका तो 3 बाइक पर आए लोग उसका किडनैप कर स्कॉर्पियो में ले गए। युवक के पिता ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि उसके बेटे ने नवम्बर 2021 में लव मैरिज की थी, जिसके बाद से ही लड़की के परिजन उससे रंजिश रखने लगे थे। इसके चलते ही लड़की के परिजनों ने अजय का किडनैप कर लिया।

उन्होंने मुकेश पुत्र फताराम, विनोद पुत्र फताराम, राजेन्द्र पुत्र फताराम निवासी 24 एसएसडब्लू, राजेन्द्र पुत्र दयाराम छिम्पा निवासी भागसर, किरसन पुत्र चन्दूराम छिम्पा निवासी दीपलाना, सुरेन्द्र पुत्र कृष्ण लाल निवासी दीपलाना और अन्य व्यक्तियों पर किडनैपिंग का आरोप लगाया है। युवक अजय शराब के ठेके पर काम करता है और ठेकेदार की बाइक लौटाने जंक्शन गया था। अजय की पत्नी रेखा ने बताया कि लव मैरिज के बाद से उसके परिजन दोनों को जान से मारने की धमकी देते थे। उसने बताया कि वीडियो फुटेज में मेरे पिता ही है। मेरे परिजन मेरे पति को मार भी सकते हैं। रेखा ने बताया कि उसके पति को गायब हुए 2 दिन हो गए हैं, लेकिन उनकी कोई जानकारी नहीं मिली है।

यूपी के 4 शातिर बदमाश गिरफ्तार, 8 मोबाइल जब्त

कैलादेवी/करौली, (निसं.)। कैलादेवी थाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश के 4 शातिर बदमाशों को एक सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाते गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ मोबाइल जब्त किये हैं। कैलादेवी थाना अधिकारी निरंजन कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण चंद यादव के सुपर विजन में थानाधिकारी निरंजन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम प्यारेलाल सहायक उपनिरीक्षक, कास्टेबल शिव सिंह, घनश्याम, जतीश, हेमराज, हरसहाय ने अवैध वाहनों की चैकिंग व गश्त के दौरान एक सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने पर उत्तर प्रदेश के लोकेंद्र पुत्र जल सिंह जाटव 27, गोविंदा पुत्र राकेश जाटव 19, दिनेश पुत्र अवधेश जाटव 28, राजन पुत्र खेमा जाटव 40 सभी निवासी मलपुरा जिला आगरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8 मोबाइल जब्त किए हैं। थाना अधिकारी ने बताया की मोबाइलों का मालिकाना हक के दस्तावेज नहीं मिलने पर चोरी के होने का संदेह है जिसकी जांच की जा रही है।

नाबालिग को भगा कर ले जाने एवं एससी/एसटी का मामला दर्ज होने से आक्रोशित लोगों का प्रदर्शन

टायर जला कर किया रास्ता जाम, पुलिस, विधायक व सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

सुजानगढ़, (निसं)। नाबालिग को भगा कर ले जाने तथा नाबालिग के परिजनों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज होने से आक्रोशित महिलाओं एवं पुरूषों ने सालासर रोड पर भौजलाई चौराहे और सरावगी पेट्रोल पम्प की बीच जाम लगा कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने सडक पर टायर जला कर करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया तथा पुलिस, विधायक व राज्य सरकार के खिलाफ जम कर नारेबाजी की। सडक जाम होने से दोनो ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई तथा बसों एवं छोटी गाडियों में सवार लोगों को परेशानी का सामना करना पडा।

सालासर सडक जाम होने की सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक रामप्रताप विश्नोई, कोतवाली सीआई सत्येन्द्र कुमार, सदर थाना सीआई मनोज कुमार मूण्ड मय जाप्ते के मौके पर पंहूचे। वृताधिकारी रामप्रताप विश्नोई ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाईश कर रास्ता खुलवाया तथा कांस्टेबलों को लगा कर रास्ते में जल रहे टायरों को सडक से दूर करवाया एवं पानी डाल कर बुझवाया। रास्ता खुलने पर वाहन चालकों व बसों में सवार सवारियों ने राहत की सांस ली तथा करीब एक घंटे की देरी से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। ज्ञात रहे कि नाबालिग के पिता ने कोतवाली थाने में मोहित रैगर व उसके परिवारजनों के खिलाफ उसकी नाबालिग पुत्री को 74 हजार रूपये नगद, एक अंगुठी, एक चैन, दो जोडी पायल एवं कागजात के साथ भगा कर ले जाने का आरोप लगाया है। पीडित ने रिपोर्ट में बताया है कि आरोपी मोहित विगत दो साल से उसकी पुत्री को फोटो वायरल करने के नाम पर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित कर रहा था। जिस पर नाबालिग ने अपनी दादी, मां व चाची को जानकारी दी। जिसके बाद 13 जून 2022 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई थी।

इसी प्रकार एक नाबालिग ने रिपोर्ट दी है कि 18 जून 2022 की सुबह 10-11 बजे अमृता चौधरी, मंजू जाटणी, धापली, कालू प्रजापत, सेठी, कैलाश व उनकी औरतें, कैलाश की मां व आठ-दस रिश्तेदार मेरे घर की दीवार फांद कर मेरे घर में घूस कर तोड-फोड कर की तथा मेरे व मेरी दिव्यांग बहन के साथ मारपीट की, जातिसूचक गालियां निकाली और लज्जा भंग कर दी। पुलिस ने दोनो मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुजानगढ़ में प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश करते डीएसपी रामप्रताप विश्नोई।

- **पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है**

गर्भवती पत्नी, पति और बेटी को कार ने कुचला, तीनों की मौत

तीन साल का दूसरा बच्चा उछलकर दूर जा गिरा जिससे वह बच गया

अलवर, (निसं)। अलवर में दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी और 6 साल की बेटी की मौत हो गई। 3 साल का दूसरा बच्चा उछलकर दूर गिरा और वह बच गया। आमने-सामने हुई टक्कर में तीन परिजनों की मौत से परिवार भी सदमे में आ गया। महिला गर्भवती थी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 8 बजे अलवर-भरतपुर मार्ग पर जुगरावर टोल नाके के पास हुआ।

पत्नी सरिता(28), बेटी मन्नू(6) और 3 साल के बेटे कृष्णा को लेकर बख्तल की चौकी निवासी नरेश(32) बाइक पर ससुराल जा रहा था। सरिता को अपने परिजनों से मिलना था, लेकिन रास्ते में जुगरावर टोल नाके के पास सामने से स्पीड में आ रही कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेश के 3 साल का बेटा कृष्णा हवा में उछल 30 मीटर दूर सडक पर जा गिरा। पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को बडौदामेव अस्पताल लेकर आए। यहां से घायलों को अलवर रैफर किया गया, जहां नरेश, सरिता और मन्नू की मौत हो गई। कृष्णा बुरी तरह से घायल हो गया, उसका इलाज चल रहा है।

- **ड्राइवर रामचरण और उसका साथी शिवराज भी घायल हो गये**
- **कार स्पीड में थी जो टक्कर मारने के बाद बाइक को घसीटते हुए दूर तक ले गई**

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार ड्राइवर घाट निवासी पप्पू उर्फ रामचरण जोगी स्पीड में था। टक्कर मारने के बाद भी वह बाइक को घसीटता हुआ दूर तक ले गया। इसके बाद कार नदी में पलट गई। इस हादसे में कार ड्राइवर रामचरण और उसका साथी टोंक निवासी शिवराज भी घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिये। चंद सेकंड में परिवार खत्म हो गया। मृतक के भाई ने बताया कि नरेश गोल गप्पे की दुकान करता था। अब 3 साल के मासूम के अलावा कोई नहीं बचा है।

पिस्तौल से फायरिंग कर फैलाई दहशत

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के मैड कस्बे में अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने प्रतापगढ़ सड़क मार्ग पर फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए मौके से फरार हो गए। अचानक मुख्य बाजार में हुई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल हो गया। बाइक सवार फायरिंग कर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। शनिवार सुबह मैड कस्बे में स्थानीय ग्रामीणों ने फायरिंग की घटना का विरोध जताते हुए बाजारों को बंद कर दिया और पुलिस एवं प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की। मुख्य बाजार बंद होने की सूचना पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल जाब्ते के साथ ग्राम पंचायत भवन मैड पहुंचे। जहां सरपंच प्रति निधि मनोज रातावाल सहित स्थानीय ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों ने फायरिंग की घटना का कडा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खनिज सहायक अभियंता विजिलेंस 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कांकरोली स्थित मकान की तलाशी में 1 लाख 35 रुपए नकद बरामद किये

राजसमंद, (निसं)। भ्रष्टाचार के खिलाफ राजस्थान में एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है इसी क्रम में शनिवार को राजसमंद एसीबी ने माइनिंग विभाग के सहायक अभियंता विजिलेंस राजेंद्र लालस को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है। एसीबी टीम ने आरोपी के कांकरोली स्थित मकान की तलाशी में 1 लाख 35 रुपए नकद भी बरामद किया है। राजसमंद एएसपी डीएसपी अनूप सिंह ने बताया कि परिवादी द्वारा एसीबी कार्यालय में एक शिकायत दर्ज कराई गई।

राजेन्द्र लालस

दर्ज शिकायत में बताया कि गिट्टी क्रेशर प्लांट को सुचारू रूप से चलने देना एवं निरीक्षण के दौरान नाजायज परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी सहायक खनिज अभियंता विजिलेंस राजेंद्र लालस पुत्र चण्डीदान लालस निवासी मोहननगर, बीजेएस कॉलोनी जोधपुर हाल कालिंदी विहार कांकरोली ने उससे 1 लाख रुपए रिश्वत राशि की मांग की है और परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की कार्रवाई करते हुए राजेंद्र लालस को 50 हजार की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया।

एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। वही आरोपी को उदयपुर एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अग्निपथ योजना: जोधपुर शहर में पांच जनों को पुलिस ने हिरासत में लिया

- **सोशल मीडिया पर चल रहे संदेशों से युवा जुटने लगे थे**

जोधपुर, (कासं)। भारतीय सेना में होने जा रही अग्निवीरों की भर्ती के विरोध में शनिवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। जोधपुर में सुबह कुछ जने एकत्र हो गए। पुलिस ने अलर्ट रहते हुए पांच जनों को मौके से दस्यताब कर गाड़ी में बिठाया। इन्हें समझाइश कर बाद में छोड़ दिया गया। पुलिस आयुक्तालय ने शुक्रवार को एक संदेश जारी कर युवाओं को विरोध प्रदर्शन से दूर रहने की नसीहत दी थी। अन्यथा उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है। सोशल मीडिया पर चल रहे संदेशों के चलते युवा जगह -जगह एकत्र होने लगे हैं। जोधपुर में आज पुलिस ने विरोध प्रदर्शन नाकाम कर दिया। शहर में आज चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात की गई है, ताकि विरोध प्रदर्शन के लिए छात्रों को एकत्र होने से रोका जा सके।

खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर शनिवार पुलिस पहले से सतर्क हो गई। शहर में छात्रों के एकत्र होने के पांच स्थान पर पुलिस बल तैनात किया गया। साथ ही अन्य स्थान पर पुलिस के जवान लगातार निगरानी रखे हुए हैं। सेना भर्ती की तैयारी कर रहे कुछ छात्र पावटा बस स्टैंड के समीप एकत्र हो रहे थे। उनकी संख्या बढ़ती इससे पहले पुलिस ने पांच छात्रों को हिरासत में ले लिया।

इन छात्रों को बस में बैठाकर उदय मंदिर पुलिस थाना ले जाया गया। पांच छात्रों के पुलिस के हत्थे चढ़ते ही आस-पास फैले हुए छात्र एकत्र हो प्रदर्शन करने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाए और वे वहां से बिखर गए।

खनन माफिया ने वन विभाग की टीम पर हमला किया

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले के कामा थाना इलाके के गांव सुनहरा के पास स्थित पहाड़ियों से अवैध खनन कर रहे खनन माफिया ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया।

अवैध खनन की शिकायत के बाद वन विभाग की टीम क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन यादव के नेतृत्व में मौके पर पहुंची थी। उसी दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली में अवैध खनन कर पत्थर ले जा रहे माफियाओं ने वन विभाग की गाड़ी को रोक लिया और पथराव शुरू कर दिया। हालात ऐसे हो गए कि वन विभाग की टीम को वहां से जान बचाकर भागना पड़ा। खनन माफिया द्वारा पथराव की घटना कैमरे में कैद हो गई। क्षेत्रीय वन अधिकारी डीग भरतपुर पवन यादव ने बताया कि सुनहरा गांव के पास स्थित पहाड़ियों में अवैध खनन की सूचना मिली थी। हमारी टीम कार्रवाई करने मौके पर पहुंची थी। जहां उन लोगों ने पथराव कर दिया, वहां से किसी तरह हम गाड़ी में बैठ कर भाग आए।

अग्निपथ सेना भर्ती: शांति भंग में आधा दर्जन गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा युवाओं के लिए प्रस्तावित अग्निपथ सेना भर्ती योजना को लेकर शनिवार को कस्बे में विरोध प्रदर्शन हुआ। आईजी बीकानेर रेंज बीकानेर द्वारा इस आदोलन में हिंसापूर्वक भाग लेने वालों तथा इस संबन्ध में राजद्रोहात्मक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के दिशा निर्देशन जारी किये गये थे। जिस पर चूरू जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बुटोलिया एवं वृताधिकारी वृत राजगढ बृजमोहन असवाल के निकटतम सुपरवीजन में राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा द्वारा

18 जून के प्रस्तावित विरोधात्मक आदोलन में हिंसापूर्वक भाग लेने वाले एवं राजद्रोहात्मक टिप्पणी करने वाले पंकज कुमार पुत्र धर्मपाल जाति जाट निवासी लाखलाण छोटी थाना राजगढ, सुनिल पुत्र राजवीर निवासी न्यांगल बडी थाना राजगढ, शिव कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी थान मदुई थाना

राजगढ़ थाना पुलिस द्वारा शांतिभंग के आरोप में युवकों को गिरफ्तार किया।

राजगढ, सत्येन्द्र कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी ढंढाल शेरा थाना राजगढ को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार करने के साथ गाँव भगेला निवासी एक आरोपी को निरूद्ध किया।

अनिल कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी जैतपुरा थाना हमीरवास जिला चूरू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर सदाचार व नेकचलनी के लिए पांबन्द करवाया गया।

गौरतलब है कि गुरुवार व शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट लगाए जाने के कारण पुलिस प्रशासन की नींद उड़ी नजर आई। जिस प्रकार की पोस्ट वायरल हुई उसे लेकर पुलिस प्रशासन चिंतित रहा, लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह व्यवस्थाओं में जुटा रहा। थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने स्थिति स्पष्ट कर दी कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर अपना पक्ष रखने वालों का हम पूरा सहयोग करेंगे मगर यदि किसी ने कानून व्यवस्था की स्थिति के प्रतिकूल कुछ भी कोशिश की तो बख्शा नहीं जाएगा।

हांलाकि सूत्रों की माने तो ट्रेन रोके जाने एवं स्टेशन पर हंगामा करने वाली पोस्ट भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। उसे देखते हुए रेलवे स्टेशन पर भी आरपीएफ पुलिस के अधिकारी, सिपाही तैनात रहे। वहीं हरियाणा क्षेत्र में रेलों को रोके जाने के कारण कुछ रेलगाडियां विलम्ब से आई और यात्री परेशान दिखे मगर स्थिति हमेशा की तरह सामान्य रही।

शिकारियों ने दो मोरों की गोली मारकर हत्या की

चाकसू, (निसं)। शनिवार को उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कादेड़ा के ग्राम त्रिलोकपुरा(खेजडी) में गिरधारी लाल शर्मा के फार्म हाउस के पास मौजूद नाले में शिकारियों ने दो मोरों की हत्या कर दी, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने मोरों के शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवाकर आरोपियों के विरुद्ध नाम दर्ज मामला दर्ज करते हुए फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

- **ग्रामीणों ने हमलावरों का पीछा किया, नामजद आरोपी फरार हुए**

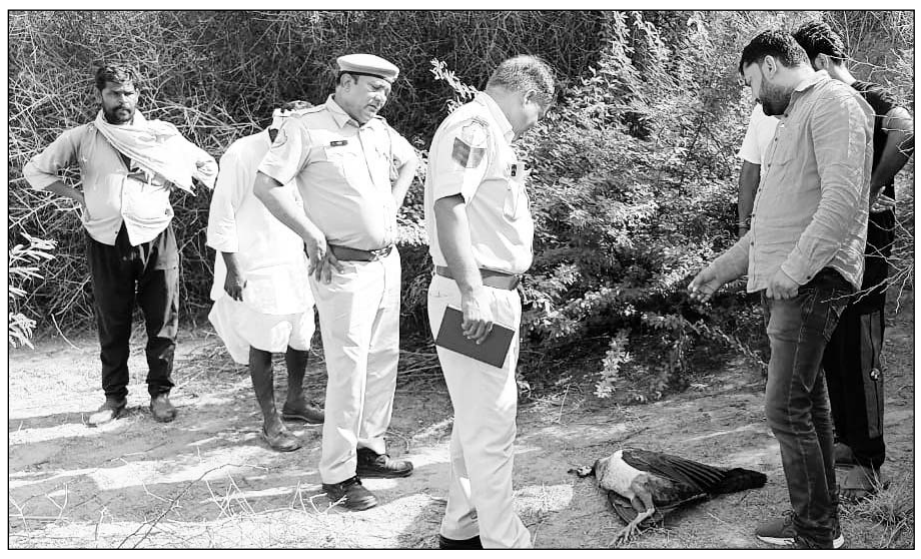

मोर की हत्या के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले कि मृत मोर को लेकर शिकारी फरार हो पाते, उससे पहले ही ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई और ग्रामीणों ने शिकारियों को घेर लिया और शोर शराबा मचा दिया हालांकि यहां शिकारी एक मृत मोर को छोड़कर दूसरे मोर लेकर भागने में कामयाब हो गए लेकिन ग्रामीण भागते हुए शिकारियों को पहचानने में कामयाब रहे। उधर सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस व वन विभाग की टीम ने मोर के शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना इंचार्ज यशवंत सिंह यादव ने बताया कि मामले में पुलिस ने ग्रामीण गोविंद बैरवा एवं गोविंद राम बैरवा पुत्र पांचूराम निवासी त्रिलोकपुरा की शिकायत पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत सिकंदर एवं महेंद्र बावरिया पुत्र मालीराम के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

टोंक शहर में एक जुलाई से हैलमेट अनिवार्य

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार टोंक शहर में हेलमेट लगाकर वाहन चलाना 1 जुलाई से अनिवार्य होगा, जिसके लिए यातायात पुलिस की टीम ने आमजन को 10 दिन का समय दिया है। जिसके बाद कार्यवाही होगी।

टोंक शहर यातायात पुलिस प्रभारी ओमप्रकाश ने प्रेस वार्ता कर बताया कि यदि कोई भी वाहन चालक बिना हेलमेट वाहन चलाते पाया गया तो उसके खिलाफ चालान की कार्यवाही की जाकर 1 हजार रुपए का जुर्माना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन हेलमेट को बोझ नही समझे, यह जीवन का सुरक्षा कवच है, वाहन चलाते समय दुर्घटनाघटित होने पर हेलमेट सिर पर होने से वाहन चालक को जीवन के बचाव होता है। इससे पहले आमजन को हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए समझाईश की जाएगी और उसके बाद हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चलाने पर कार्यवाही की जाएगी।

भरतपुर डिपो से करीब 50 बसों का संचालन रोका

- **17 जून को सात बसों में हुआ था नुकसान, सिर्फ जयपुर रूट की बस चल रही हैं**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चार दर्जन से अधिक बसों को भरतपुर डिपों में ही रोका गया। 17 जून को भरतपुर डिपो की 7 बसों को चल रहे अग्निपथ के विरोध का सामना करना पड़ा और बसों को काफी नुकसान झेलना पड़ा बसों के शीशे और कई जगह से नुकसान पहुंचा है। इसके चलते रोडवेज डिपों के अधिकारियों ने आगामी दिनों के सामान्य होने तक बसों का संचालन रोक दिया।

रोडवेज बस के संचालन बंद होने से भरतपुर डिपो को तकरीबन रोजाना 8 लाख रूपए का नुकसान हो रहा है। कोटा पटना एक्सप्रेस को भी आज रद्द कर दिया गया है। सिर्फ जयपुर रूट की बसें चल रही हैं। कल मथुरा में भरतपुर डिपो की कई बसों को तोड़ दिया गया जिसके चलते रोडवेज प्रशासन ने यह कदम उठाया। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अलवर, दिल्ली, हरियाणा, अलीगढ़, हरिद्वार सहित कई इलाकों में भरतपुर डिपो और लोहागढ़ डिपो की बसें जाती हैं, लेकिन अग्नि पथ के विरोध को देखते हुए बसों का संचालन रोका गया है।

फिलहाल भरतपुर से जयपुर, बयाना, उच्चौन, नदबई, रूपवास सहित आस-पास के इलाकों में बसों का संचालन किया जा रहा है। आंदोलन उग्र होने के बाद युवा रेल की पटरियों को उखाड़ रहे हैं। पटरियों पर धरना दे रहे हैं जिससे रेल यातायात भी प्रभावित हो रहा है। जिसको देखते हुए कोटा मंडल ने कोटा -पटना एक्सप्रेस को आज के लिए रद्द कर दिया है।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गिरफ्तार, जेल भेजा

धौलपुर, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय धौलपुर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बी.के कुशवाहा को सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट डालने के आरोप में धौलपुर जिले की मनिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

मनिया थाना प्रभारी सुमन कुमार चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार की अग्नि पथ योजना को लेकर बीके कुशवाह निवासी रुन्द का पुरा मनिया एवं हाल निवासी टांडा रोड मनिया सोशल मीडिया पर लगातार भड़काऊ पोस्ट डाल रहा था। जिसे समझाने की कोशिश की और ऐसी पोस्ट नहीं डालने के लिए मनाही की। लेकिन वह नहीं माना। पुलिस ने बीके कुशवाहा उर्फ ब्रजकिशोर कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। जिसे आज शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि कुशवाहा राजकीय महाविद्यालय धौलपुर से छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुका है।

2820 मेगावाट क्षमता वाले सूरतगढ़ थर्मल में 24 घंटे में तीन इकाइयां बंद

- **2820 मेगावाट वाले थर्मल से सिर्फ 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।**

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ थर्मल की इकाइयों से बिजली उत्पादन में फिर कमी हो गई है। 250 मेगावाट क्षमता की एक और इकाई से उत्पादन ठप हो गया। 2820 मेगावाट वाले थर्मल से सिर्फ 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। थर्मल की 250 मेगावाट की 5 नं. इकाई बंद होने के बाद 9 बजे 6 नं. इकाई से उत्पादन ठप हो गया। सुबह 6:30 बजे 250 मेगावाट की 3 नं. इकाई से बॉयलर एरिया में स्टीम लीकेज होने से बिजली उत्पादन बंद हो गया।

बंद हुई दोनों इकाइयों में तकनीकी सुधार के लिए 2 दिन का शट डाउन लिया गया है। थर्मल के पहले फेज में 250-250 मेगावाट की 6 इकाइयों में से सिर्फ 2 ही इकाइयों से उत्पादन हो रहा है। शाम 4 बजे पहली इकाई से 209 व दूसरी से 164 मेगावाट उत्पादन हो रहा था। यहां 3, 4, 5 व 6 नंबर इकाइयों से विद्युत उत्पादन बंद है। ऐसे में 1500 मेगावाट वाली सब क्रिटिकल प्लांट से मात्र 373 मेगावाट ही उत्पादन हो रहा है, जबकि सुपर क्रिटिकल की 660 मेगावाट की 8 नंबर इकाई से 400 मेगावाट उत्पादन हो रहा है। गत तीन महीनों से बंद है इस प्लांट की 660 मेगावाट की 7 नंबर इकाई थर्मल की 660 मेगावाट की 7 नंबर इकाई 3 माह से अधिक समय से जनरेशन ट्रांसफर में खराबी के चलते बंद है। मतलब 2820 मेगावाट क्षमता वाले सूरतगढ़ थर्मल से शाम के समय मात्र 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा था। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की 8180 मेगावाट क्षमता की सभी इकाइयों से मात्र 4208 मेगावाट उत्पादन होने से बिजली संकट के हालात बने हुए थे।

एस.पी. बंसल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सब क्रिटिकल, सूरतगढ़ का कहना है कि 250-250 मेगावाट की 5 व 6 नंबर इकाई में तकनीकी खराबी के चलते 2 दिन का शटडाउन लिया गया है, जबकि 250 मेगावाट की 3 नंबर इकाई के बॉयलर एरिया में स्टीम लीकेज के चलते उत्पादन बंद हुआ है। इसे रविवार तक शुरू कर दिया जाएगा।

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने से तेरह जिलों की प्यास बुझेगी : मीना

बस्सी में महापंचायत के दौरान जमकर बरसे बादल, लबाबब हो गए खेत

बस्सी/जयपुर, (का.सं.)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को बस्सी के अणतपुरा के पाया वाला बालाजी के पास किसान महापंचायत हुई। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के मुद्दे पर आयोजित इस किसान महापंचायत में शामिल होने मुख्य अतिथि रामनिवास मीणा जैसे ही पहुंचे, तो जमकर बारिश हुई। बारिश न केवल महापंचायत स्थल तरबतर हो गया, बल्कि आस-पास के खेतों और तालाब-पोखरों में पानी भर गया।

संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास मीना ने कहा कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने से क्षेत्र की पेयजल और सिंचाई की समस्या का पूरी तरह समाधान हो सकेगा। इसके लिए उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसानों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए। उन्होंने ईआरसीपी बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने यह परियोजना 13 जिलों के नागरिकों को नया जीवन देने के लिए तैयार की थी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करौली जिले के हिण्डौन की सभा में

संघर्ष समिति अध्यक्ष रामनिवास मीना के निर्देशन में महापंचायत सम्पन्न हुई।

- **ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने की मांग को लेकर अणतपुरा में हुई किसान महापंचायत**

राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार ने अपने वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया की ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर 13 जिलों के लोगों को प्राण वायु देने का काम करना चाहिए।

महापंचायत को किसान संघर्ष समिति से जुड़े रिटायर्ड आईएएस प्रभु दयाल मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि जमीन में पानी का स्तर लगातार कम होता जा रहा है पानी और सिंचाई के अभाव में जनजीवन प्रभावित होने लगा है। ऐसे में केंद्र सरकार को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर आमजन की तकलीफ दूर करनी चाहिए। महापंचायत को किसान संघर्ष समिति की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष प्रभावती ने कहा कि अभियान में महिलाओं को भी आगे आकर अपनी बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। किसान महापंचायत को पूर्व आईएएस बीपी मीना, उद्योगपति पृथ्वीराज मीणा, पूर्व आरएएस अधिकारी छुट्टन लाल मीणा, विधानसभा चुनाव की पूर्व प्रत्याशी रहीं अवन्ती मीना, अनतपुरा के सरपंच शिवचरण गुर्जर, देवगांव के सरपंच रामजी लाल, निवाई के लोकेंद्र देवरी, जगदीश फौजी चौरबाड़ा, पूर्व आरएएस रामोतार हरडी, वरदी चंद पटेल, लक्ष्मी नारायण पटेल, मुकेश लाल सोरमा, मूलचन्द मीना, गोविन्दा मीना, किसान संघर्ष समिति के करौली जिले से आए प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर, प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोठ, प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत ने भी संबोधित करते हुए किसानों को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए एकजुट होने का आव्हान किया। संचालन रिटायर्ड प्रिंसिपल मूलचंद मीणा ने किया।

किसान महापंचायत में करौली जिले के गुर्जर पटेल भी काफी संख्या में शामिल हुए। गुर्जर पटेलों ने कहा कि सरकार से वे अभी फिलहाल ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए निवेदन कर रहे हैं। जरूरत पडने पर वे किसी बड़े आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेंगे। करौली जिले के कैमरी से आए जगदीश धाम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष लाखन सिंह गुर्जर, कैप्टन शीशराम, सूबेदार सुग्रीव सिंह, जितेंद्र गुर्जर, दांतकापुरा के राजेश गुर्जर, दयाराम गुर्जर, भागमल सिंह, शिवदयाल आदि ने ने कहा कि चंबल के पानी पर उत्तरी- पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों का हक है, जिसे क्षेत्र के किसान हर हाल में लेकर रहेंगे।

संक्षिप्त

कन्हैया लाल मीणा मंडल प्रभारी नियुक्त

चाकसू, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच व प्रदेश महामंत्री मदन दिलावर ने प्रदेशाध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया के निर्देशानुसार जयपुर देहात दक्षिण के विभिन्न मंडलों में जिलाध्यक्ष रामानंद गुर्जर की सहमति से मंडल प्रभारियों की नियुक्ति की है। जिसमें बस्सी के पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीणा को शिवदासपुरा मंडल, जिला उपाध्यक्ष बृजेश लाटा को बस्सी नगर मंडल, राकेश खंडेलवाल को चाकसू नगर मंडल चाकसू देहात बाबूलाल मीना सहित जिले के सभी 32 मंडलों में वरिष्ठ पदाधिकारियों को प्रभारी बनाया गया है।

रक्तदान शिविर का आयोजन आज

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में पिछले तीन वर्षों से संचालित संस्था गौ-जल सेवा परिवार की तृतीय वर्षगांठ पर 19 जून रविवार को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्था के संस्थापक अमर चन्द सैनी ने बताया कि उक्त प्रथम विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन गौ सेवा परिवार से जुड़े श्रीरामनगर निवासी दिवंगत अभिषेक के जन्मदिवस पर गौ-जल सेवा परिवार, श्रंगार हर्बल ब्यूटी पार्लर एवं त्रिवेणी पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में आदर्श कॉलोनी बिचून सडक स्थित त्रिवेणी स्कूल परिसर में आयोजित किया जाएगा।

ग्रीष्मावकाश समर कैंप संपन्न

खैरथल,(निसं)। स्थानीय इन्दिरा हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ग्रीष्मावकाश के दौरान आयोजित किए गए समर कैंप का शनिवार को समापन किया गया। संस्था के निदेशक पंकज खुराना ने बताया कि 19 मई से 18 जून तक के इस समर कैंप में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जिससे विशेषज्ञों द्वारा कंप्यूटर, इंग्लिश स्पीकिंग, विभिन्न डांस और योगा आदि का प्रशिक्षण दिये जाने के अतिरिक्त अनुशासन का महत्व, संस्कृति व संस्कार हमारी विरासत का अध्ययन कराया गया ताकि बच्चों के मनोबल को सुदृढ़ करने के साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ सके। इस दौरान प्रतियोगिता भी कराई गई जिसमें दीवानगी व लक्ष लालवानी डांस में प्रथम स्थान पर रहे।

चावंड माता मंदिर में लगाया भंडारा

राजगढ़। अलवर कस्बे के उप अधीक्षक कार्यालय के समीप चावंड माता मंदिर में शनिवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व श्रद्धालु महिला पुरुषों की मौजूदगी में मंदिर परिसर पर भव्य सजावट की गई एवं पूजा अर्चना कर मनौती मांगी। शनिवार को दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालु महिला पुरुषों का जमावड़ा लगा रहा। चावंड माता मंदिर में भजन पूजन के साथ आने के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें भारी संख्या में लोगों ने शिरकत की। मंदिर परिसर के सामने विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ कमाया।

शहर में बढ़ती चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने में पुलिस नाकाम

मालपुरा, (निसं)। स्थानीय पुलिस व प्रशासन द्वारा शहर में रात्री गश्त व सिगमा बाइक से निगरानी के दावों को ठेंगा दिखाते हुए शुक्रवार की रात को चोरों ने सरकारी अस्पताल गौरव पथ पर मुख्य सड़क किनारे जांच लैब का शट्टर तोड़ नगदी चोरी सहित आवासीय कॉलोनी में मकान के ताले तोड़ने की वारदात को अंजाम दिया।

बीते दो माह में मालपुरा शहर में एक के बाद एक हो रही चोरी की वारदातों तथा बीते छह माह से शहर में सक्रिय हुए वाहनों से डीजल व पैट्रोल

- **जांच लैब व सूने मकान के टूटे ताले, व्यापारियों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन**

चोर गिरोह पर अंकुश लगाने में स्थानीय थाना पुलिस अब नाकाम साबित हो रही है। शहर में रात्री गश्त व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने तथा व्यवस्थाओं में माकूल सुधार के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाये जाने से चोरों के हौंसले बुलंद हैं।

चोरी की वारदातों में शट्टर तोड़ने तथा वाहनों के पाइप काटने का तरीका एक सा होने के साथ-साथ सामान चोरी के बजाय नगदी चोरी की हो रही वारदातों में शहरवासियों ने स्थानीय चोरों का हाथ होने का अनुमान लगाया है। साथ ही शहर में देर रात तक खुल

चोरों ने सरकारी अस्पताल गौरव पथ पर मुख्य सड़क किनारे जांच लैब का शटर तोड़ दिया।

रहे शराब ठेकों तथा नियमों के विपरीत पुलिस से बैखोफ होकर बेची जा रही शराब के चलते शहर में रातभर शराबी व असामाजिक तत्वों की चहलकदमी होना भी चोरी की वारदातों का कारण प्रतिक हो रहा है।

शुक्रवार की रात 1 बजे तक मीडियाकर्मियों द्वारा शहर में रात्री गश्त की गई पड़ताल में सामने आया कि रात 1 बजे तक ना तो शहर में पुलिस का गश्ती दल व सिगमा बाइक नजर आई और ना ही मुख्य बाजार व चौराहों पर पुलिस जाप्ता नजर आया।

शुक्रवार की रात को अस्पताल रोड डॉ. बीलाल जांच लैब का शट्टर तोड़ नगदी चुराने व शास्त्री नगर आवासीय कॉलोनी में सूने मकान के ताले टूटने व दूदू रोड बृजलाल नगर आवासीय कॉलोनी में बाबूलाल कुमावत के मकानक के बरामदे में लगी ट्यूबैल की 200 मीटर विद्युत केबल को भी काट ले गये चोर। वहीं जय हनुमान कॉलोनी निवासी गौरव पुत्र ओमप्रकाश सोनी व शास्त्री नगर निवासी कृष्ण पुत्र रामप्रसाद वर्मा की कार के पाइप काट चुरा ले गये पैट्रोल की वारदात से सहमे व्यापारियों ने जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल को ज्ञापन सौंप लचर गश्त व्यवस्था व पुलिस की शिथिलता पर कड़ी नाराजगी जता गश्त बढ़ाने व चौराहों पर जाप्ता लगाने व सरकारी अस्पताल के सामने रिक्त पड़े भवन में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की।

शुक्रवार की रात आए तेज अंधड़ से विद्युत लाइनों पर गिरी पेड़ों की टहनियां

निवाई, (निसं)। शुक्रवार देर शाम तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से क्षेत्र में पेडों की टहनियां टूट कर विद्युत तारों पर गिर गई जिसके चलते कई गावों की विद्युत आपूर्ति रातभर बन्द रही।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम गुन्सी एवं आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। तेज हवाओं से ग्राम मनमोहनपुरा के पास पेड़ों की टहनियां टूट कर विद्युत लाइन पर गिर गई जिसके चलते विद्युत लाइन में फाल्ट

- **कई गांव रातभर रहे अंधेरे में**

आ गया। इसी प्रकार राधागोविन्दपुरा में भी विद्युत लाइन में फाल्ट आ गया। जगह जगह विद्युत लाइनों में आए फाल्ट के चलते गुंसी एवं लुहारा फीडर के करीब दर्जनभर गांव में पूरी रात अंधेरा छाया रहा। इस दौरान ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह लाइनमेन शमशेर अली खान ने पेट्रोलिंग टीम के साथ विद्युत तारों पर गिरे पेडों को हटाया और विद्युत आपूर्ति बहाल करवाई।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत ललवाडी में लगभग 1 महीने पहले आंधी तूफान आया था जिसमें रूप कंवर के कुएं की डीपी पर पोल टूटकर गिर गया था। बिजली के तार टूट कर नीचे गिर गये थे जिससे थ्री फेज की लाइट बंद हो गई थी। लगभग 1 महीने गुजर जाने के बावजूद भी लाइन को सही नहीं किया गया है।

जिला कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य समिति की बैठक ली

मालपुरा, (निसं)। राजकीय सामुदायकि स्वास्थ्य केन्द्र के औचक निरीक्षण पर पहुंची जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने अस्पताल का निरीक्षण कर भर्ती वार्डों में बेड टू बेड पहुंच मरीजों से अस्पताल में मिल रहे उपचार व चिकित्सा व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया।

भर्ती मरीजों ने अस्पताल में बेड का अभाव होने के चलते टेबिल पर उपचार करवाने की विवशता सहित भीषण गर्मी से राहत के लिए वार्डों में पर्याप्त कूलर के अभाव सहित प्रशिक्षु नर्सिंगकर्मी द्वारा मरीजों को उपयोग शाला बना असहनीय चिकित्सा उपचार किये जाने की शिकायत की गई। जिस पर जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक यादव ने पर्दा डालते हुए जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री स्वाथ्य बीमा योजना पैकेज में भर्ती मरीजों से संवाद व रिपोर्ट में उलझाये रखा। निरीक्षण के दौरान आधा दर्जन से अधिक गंभीर रोग से ग्रसित मरीजों को स्वास्थ्य बीमा योजना पैकेज

- **सीएम स्वास्थ्य बीमा योजना पर रहा फोकस**

का लाभ नहीं मिलने की जानकारी सामने आने पर जिला कलेक्टर ने पैकेज का आंकडा बढ़ाने के निर्देश दिये। तो प्रसुता वार्ड में भर्ती प्रसुता महिलाएं व नवजात शिशु गर्मी से विचलित नजर आये। कलेक्टर ने वार्ड मे कूलर व एसी सहित एरजास्ट फैन लगाने व शौचालयो में सफाई के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने डेढ करोड की लागत से निर्मित ऑक्सीजन प्लांट व दो साल से बंद पड़ी केन्टीन की सुध लेना मुनासिब नहीं समझा। पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की बैठक लेते हुए जिला कलेक्टर ने परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीकाकरण, कोविड टीकाकरण, स्वास्थ्य बीमा योजना, एनिमिया मुक्त अभियान आदि पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये।

कलेक्टर व अधिकारियों ने प्रतिभावान बच्चों से किया संवाद

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत राहोली में आयोजित प्रशासन गांवों के संग फॉलोअप कैम्प के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयीं जिला कलेक्टर चिन्यम गोपाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने राहोली के सेकेण्डरी व सीनियर सैकंडरी बोर्ड में पंचायत स्तर पर प्रथम तीन स्थानों पर आये प्रतिभावान बच्चों से मुलाकात की व संवाद किया।

प्रधानाचार्य डॉ.योगेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि इस अवसर पर जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने प्रतिभावान बच्चों से फ्यूचर प्लान तैयार कर आगे की तैयारी करने को कहा । उपखंड अधिकारी त्रिलोक चन्द मीना व विकास अधिकारी डॉ. सरोज बैरवा ने भी बच्चों से संवाद किया और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि सैकेण्डरी बोर्ड में अभिषेक कुमार बैरवा ने 90.17प्रतिशत, कुन्दन चावला ने 83.17 प्रतिशत, आदिल खान ने 81.33प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। सीनियर सैकंडरी कला वर्ग में प्रथम मेघराज मीणा ने 89.20 प्रतिशत, चन्दा शर्मा ने 89 प्रतिशत, गरिमा सैनी ने 85.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। इसी प्रकार सीनियर सैकंडरी विज्ञान वर्ग में उर्मिला सैनी ने 85.80 प्रतिशत, कुसुम मीणा ने 83.80 प्रतिशत , अभिषेक मीणा ने 79.80 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं । इस अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीना बंसन,ब्लॉक संदर्भ व्यक्ति ओमप्रकाश गौतम ,शिक्षक प्रेमचंद बैरवा,पंचायत समिति सदस्य शंकर लाल अटल, संरपच प्रतिनिधि राजूलाल मीणा सहित गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत राहोली में आयोजित फॉलोअप कैम्प के अवसर पर जिला कलेक्टर चिन्यम गोपाल ने प्रतिभावान बच्चों से मुलाकात की।

'कथावाचक के खिलाफ राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान'

अलवर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा के नेतृत्व में 3 जून को प्रतिनिधिमंडल ने अलवर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जाति पूछ कर दलित परिवार के भोजन को कुत्तों और जानवरों के लिए कूड़े में फेंक देने वाले भागवत कथावाचक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की। मुख्यमंत्री, पुलिस महानिरीक्षक, राज्य अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को भी इस घटना का तुरंत संज्ञान लेकर कड़ी कानूनी कार्यवाही के लिए ज्ञापन भेजे गए है। जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया, जिस पर संज्ञान लेने के उपरांत भागवत कथावाचक राकेश कुमार शर्मा के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में शिवाजी पार्क थाना में मुकदमा दर्ज हो गया है। कथावाचक को गिरफ्तार किया, जेल भी जाना पड़ा। अब राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी संज्ञान ले लिया है, जिससे मामले की गंभीरता साबित होती है। दलितों का अपमान एवं अत्याचार करने वालों के खिलाफ कार्यवाही से बेहतर समाज बनेगा। डीएसएमएम का पुरजोर मानना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। कथावाचक का यह कृत्य हिंदू समुदाय में जाति के आधार पर आज भी व्याप्त छुआछूत एवं ऊंचनीच की घृणित मानसिकता का ज्वलंत सबूत है। डीएसएमएम कार्यकर्ता सहित दलित समुदाय कथावाचक के जाति घृणा के इस कृत्य से अपमानित महसूस कर रहे हैं तथा गहरे आक्रोश में हैं।

बैठक आज

पावटा। रैगर समाज विकास संस्था के नेतृत्व में सत्ताईसा रैगर समाज द्वारा चूना फैक्ट्री के पास ड्रीमलाइन पावटा में रविवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक एक बैठक का आयोजन किया जायेगा। सपतराम जाजोरिया ने बताया कि बैठक का आयोजन समाज को शिक्षा की ओर ले जाने और समाज को आर्थिक रूप से मजबूत करने सहित समाजोत्थान के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए किया जायेगा। जिसके लिए समाज के सभी लोगों के सहयोग की जरूरत है।

इस्टर्न कैनाल योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग को लेकर भरी हुंकार

लालसोट, (निसं)। किशोरपुरा ग्राम पंचायत के खुर्रा ग्राम में बिजासन माता मंदिर परिसर के पास शनिवार को ईस्टर्न कैनाल योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग एवं पूर्वी राजस्थान को इस योजना से जोड़ने की मांग को लेकर प्रदेश भर से जुटे लोगों द्वारा महापंचायत में हुंकार भरी गई।

महापंचायत समाप्त होने के बाद ईआरसीपी ईस्टर्न कैनल योजना को पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों से जोड़ने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मोहर सिंह मीणा को इस कार्यक्रम व अन्य समितियों से जुड़े प्रतिनिधियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि पूर्वी राजस्थान के खासकर 13 जिलों में भूमिगत जलस्तर कम होने से किसानों को सिंचाई का पानी एवं आम लोगों को पेयजल मुश्किल से उपलब्ध हो पा रहा है। इस जल संकट को देखते हुए पूरे राजस्थान के प्रमुख बांधों में पानी लाने की व्यवस्था की जाए ताकि जल संकट से निजात मिल सके। ईस्टर्न कैनाल योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने की मांग को लेकर महापंचायत के दौरान मुख्य वक्ताओं द्वारा साफ-

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने व विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष समिति द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

साफ एवं सधे हुए शब्दों में कहा गया कि इआरसीपी को लेकर किसी भी प्रकार की कोई राजनीति नहीं की जाएगी ना ही किसी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि को विशेष तौर पर इस संघर्ष की बागडोर सौंपी जाएगी।

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना में तब्दील कराने एवं पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों को इस योजना से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास करने के लिए जन जागरूकता पैदा करने के सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। सामूहिक तौर से सभी जागरूकता का प्रयास करते हुए ईस्टर्न कैनाल योजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए एवं पूर्वी राजस्थान के करीब 13 जिलों को केनाल परियोजना से जोड़ने के लिए जनजागृति का प्रयास कर जनप्रतिनिधियों को भी इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर पूर्वी राजस्थान को इस परियोजना से जोड़ने के लिए दबाव बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

महापंचायत के बड़े रूप को देखते हुए मंडावरी लालसोट एवं आसपास के

- **किशोरपुरा ग्राम पंचायत के खुर्रा ग्राम में आयोजित महापंचायत में प्रदेशभर से लोग जुटे**

थानों की पुलिस जाब्ते को भी सुरक्षा के लिहाज से तैनात किया गया। महापंचायत आयोजन समिति से जुडी महिला नेत्री प्रमुख समाजसेवी राजेश्वरी मीणा एवं स्थानीय सरपंच हरिओम मीणा द्वारा प्रदेश भर से आए लोगों का आभार व्यक्त किया। महापंचायत के दौरान ईस्टर्न कैनाल परियोजना संघर्ष समिति के अध्यक्ष जवान सिंह मोहचा, बनवारी साथा, विक्रम सिंह मीणा, जिला परिषद सदस्य नरेश बेपलावत, सूरतपुरा सरपंच कांनजी मीणा, रामजीलाल गांधी एडवोकेट मानसिंह मीणा, मोरा सागर संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्यारेलाल डीलर, आदिवासी मीणा महासंघ के अध्यक्ष केसी घुमरिया, एसटी एससी ओबीसी माइनॉरिटी संघ के अध्यक्ष राजपाल मीणा, सरपंच डिडवाड़ा पिंटू चेची, मोहर पाल मीणा आदि मौजूद रहे।

बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

निवाई, (निसं)। शनिवार की शाम मानसून पूर्व की झमाझम बारिश ने क्षेत्र को तर-बतर कर दिया। लगभग 30 मिनट हुई बारिश से मौसम खुशगवार हो गया। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव शुरू होने के साथ ही आकाश में काले घने बादल मण्डराने लग गए थे। दो दिनों में लगातार शाम के समय बूंदाबांदी हुई जिससे कई महिनों से भीषण गर्मी से त्रस्त लोगों व अन्य जीवों को राहत मिली। साथ ही तापमान में भी भारी गिरावट आई। शनिवार को दिनभर धूप रही। दोपहर बाद आकाश में बादल मण्डराना शुरू हो गए और शाम के समय घने काले बादलों से आकाश अट गया। करीब 6 बजे अचानक शुरू हुई बूंदाबांदी तेज बारिश में बदल गई। मानसून से पूर्व की यह पहली झमाझम बारिश है। बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया तथा ठण्डी हवा चलने से गर्मी से काफी राहत मिली।

छात्रा को किया सम्मानित

कोटपूतली। स्थानीय मौहल्ला बड़ाबास स्थित मानवस्थली सी. सै. स्कूल की वार्ड नं. 27 निवासी छात्रा संजना पुत्री रोहिताश शर्मा को 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर विद्यालय स्टाफ सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर में अग्निपथ योजना के विरोध को लेकर शुक्रवार हुए उग्र तथा हिंसक प्रदर्शन के बाद शहर के व्यापारी तथा आमजन उपद्रवियों के चलते सहमा हुआ था। श्रीमाधोपुर शहर के संपूर्ण बाजार को खुलवाने को लेकर पुलिस ने आरएसी के जाब्ते के साथ रेलवे स्टेशन से मुख्य बाजार होते हुए संपूर्ण बाजार में फ्लैग मार्च निकाला। आरएसी के जवानों ने एसआई सुभाष चंद्र यादव के नेतृत्व में अस्पताल चौराहा सुराणी बाजार खंडेला बाजार सीकर बाजार गौशाला रोड पर फ्लैग मार्च निकालकर व्यापारियों को निडर होकर व्यापार करने का आव्हान किया। वहीं एसडीएम कार्यालय में नीमकाथाना एडीएम अनिल महला ने श्रीमाधोपुर शहर के व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों को बुलाकर उनकी अति आवश्यक बैठक लेकर उनसे चर्चाएं की। व्यापारियों से चर्चा करते हुए एडीएम ने कहा कि श्रीमाधोपुर शहर में जो घटना घटित हुई है वह बहुत ही गलत है। भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो सके इसके लिए हमें सबको सजग रहना होगा तथा किसी भी प्रदर्शनकारी संगठन या उपद्रवियों के द्वारा जबरन बाजार को यदि बंद करवाया जाए तो उस समय उनका डटकर सामना करें और तत्काल प्रशासन को इसकी सूचना दें । साथ ही में शहर में संचालित डिफेंस एकेडमी तथा कोचिंग संचालकों की भी बैठक लेकर उन्हें पाबंद किया कि कोचिंग में केवल बच्चों को शिक्षा का पाठ ही पढ़ाएं और शिक्षा के साथ-साथ उन्हें सामाजिक शिक्षा देने का भी कार्य करें। बैठक के दौरान रींगस डिप्टी सुरेंद्र कुमार एसडीएम तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत विकास अधिकारी हरि सिंह चारण सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

उमंग उत्सव के दौरान प्रतियोगिता हुईं

किशनगढ़ बास, (निसं)। राजकीय कृषि महाविद्यालय में उमंग 2022 कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन शनिवार को रंगोली, चित्रकारी, वाद विवाद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक व राजस्थान सरकार में किसान आयोग के उपाध्यक्ष दीपचंद खैरिया ने किया। कॉलेज अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. राकेश समोरिया ने बताया कि बास कृपाल नगर राजकीय कृषि महाविद्यालय में आयोजित उमंग 2022 उत्सव कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन शनिवार को रंगोली वाद विवाद सांस्कृतिक प्रतियोगिता में रीना चौधरी हितेश चौहान सुमन मोनिका दीपांशु सूरज सचिन आदि ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल टीम में डॉ शशि वर्मा डॉक्टर बीआर बाज्या डॉक्टर सुभाष चंद्र अरविंद ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति के आधार पर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर चयन किया।

सरकारी हैंडपंप पर अतिक्रमण कर निजी मोटर लगाई

टोंक, (निसं)। ग्राम पंचायत गैरोली के गांव मुगलाना में सरकारी हैडपंप पर अतिक्रमण कर निजी मोटर डालने की शिकायत एक व्यक्ति ने जिला कलेक्टर से की है। ग्राम पंचायत दूनी के गांव के मुगलाना निवासी कालूराम मीना पुत्र चतुर्भुज मीना ने बताया कि ग्राम मुगलाना में रामलाल मीना व रतन लाल मीणा ने आम रास्ते में लग रहे सरकारी हैडपंप को हटाकर उसके पाईप निकाल कर जगह पर अतिक्रमण करके अपनी निजी मोटर डालकर अपने घरों में पानी ले जा रहे और आसपास के पडौसी को पानी नहीं भरने दे रहे हैं और पड़ौसियों को दो किमी. दूर से पानी कुंए से लाना पड रहा है और जानवरों के लिए भी पानी की समस्या है। ग्राम पंचायत सरपंच सीताराम भील को भी कई बार अवगत कराया दिया, परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिला कलेक्टर से मांग की है कि आरोपियो पर कार्यवाही कर सरकारी हैंडपंप को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएं।

जन्मदिवस पर रक्तदान किया

कोटपूतली। रक्तमणि अभियान के तहत शनिवार को स्थानीय श्री कृष्णा अस्पताल के ब्लड बैंक में विकास वर्मा के जन्मदिवस पर अमित यादव पुत्र बृजमोहन यादव निवासी मौहल्ला बड़ाबास, गिरिराज नायक पुत्र गजानन्द नायक निवासी वार्ड नं. 21 व विकास वर्मा निवासी कोटपूतली ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस मौके पर अभियान संयोजक मुकेश गोयल ने कहा कि समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा किया गया रक्तदान युवा वर्ग को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान पं.स.स. प्रतिनिधि धर्मपाल गुर्जर, योगाचार्य राजेश लखेरा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बारिश से किसानों के खिले चेहरे

मंडावरी, (निसं)। क्षेत्र में शनिवार को दोपहर बाद हुई तेज बारिश से एक तरफ जहां आम लोगों को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली तो दूसरी ओर किसानों के चेहरे भी खिले हुए दिखाई दिए हैं। शनिवार को क्षेत्र में रुक-रुक कर दो से तीन बार हुई बारिश ने गर्मी एवं उमस को कम कर दिया। वही खाली पड़े खेतों में बारिश का पानी पर्याप्त रूप से आने के बाद अब किसान खेत में जुताई एवं बुवाई का कार्य शुरू हो जाएगा। माना जा रहा है कि इस तरह लगातार बारिश हुई तो पर्याप्त बारिश के चलते बुवाई एवं जुताई का रकबा भी बढ़ने के आसार नजर आ रहे हैं। बारिश के बाद किसानों को खेत में जुताई व बुवाई कार्य करने वाले ट्रैक्टर आदि संबंधित लोगों से भी संपर्क साधते देखा गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत विधानी पंचायत समिति सांगानेर जयपुर

क्रमांक/272 दिनांक: 10.06.2022

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 03/2022-23

ग्राम पंचायत विधानी में राजस्थान पंचायतीराज नियम 181 के तहत सक्षम क्षेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाइन दरें ई- प्रोक्योरमेंट पद्धति से आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड/ अपलोड किया जा सकता है ।

NIB No PEZ2223A0020 UBN NO PEZ2223WSOB00019 TO 00024

सरपंच ग्राम पंचायत विधानी — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत विधानी

कार्यालय ग्राम पंचायत दादिया पंचायत समिति सांगानेर जयपुर

क्रमांक/ग्रा.पं./63 निविदा सूचना संख्या 1-2/2022-23 दिनांक:- 15.06.2022

ग्राम पंचायत दादिया में ग्रामीण विकास व पंचायतीराज तथा महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत इच्छुक वाणिज्य कर विभाग में जी एस टी पंजीकृत फर्मो/ संवेदको से निर्माण सामग्री आपूर्ती एवं हैण्डपंप/ सिंगल पोईट निर्माण का दर अनुबंध पंचायतवार करने हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेंट प्रकिया से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 27.06.2022 समय सांय 5 बजे तक ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड/ अपलोड की जा सकती है।

सामग्री आपूर्ती NIB No PEZ2223A0015 UBN NO PEZ2223GLSOB00015

हैंडपंप/ सिंगल पॉईंट NIB NO PEZ2223A0016 UBN NO PEZ2223GLSOB00016

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत — सरपंच ग्राम पंचायत दादिया

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2021-22/1058-59 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.06.2022

श्रीमती लक्ष्मी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गीगाराम, वार्ड नं. 24, सुरानी बाजार के पास, कस्बा श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये हैं।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.24 अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाएँ पूरब में भूमि श्री सोहनलाल शर्मा की, पश्चिम में आवास श्री पुरुषोत्तम दर्जी एवं सिंह रघुवीर ठाकुर का व 4'-3" चौड़ा शामिलाती प्रवेश द्वार व आगे आम रास्ता एवं उसेक आगे आवास आवास श्री छीतरमल चौधरी का, उत्तर में आवास श्री शांती लाल चोधरी का एवं दक्षिण में आवास श्री मोहन लाल सैनी व आवास श्री कालुराम सैनी का होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब-पश्चिम उत्तरी भुजा 23'.6" + 7' -6" दक्षिणी भुजा 31'-0" उत्तर-दक्षिण पूर्वी भुजा 35'-3" एवं पश्चिमी भुजा 6'.9" + 28' -6" होकर कुल रकबा 81.66 वर्ग मीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.06.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2021-22/1062-63 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.06.2022

श्री सिंह रघुवीर ठाकुर पुत्र स्व. ठाकुर सिंह, श्री पुरुषोत्तम दर्जी पुत्र स्व. श्री बालुराम, जाति दर्जी, वार्ड नं. 24 सुरानी बाजार के पास, कस्बा श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.24 अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाएँ पूरब में आवास श्री गीगाराम सैनी का, पश्चिम में आम रास्ता व आगे आवास श्री छीतरमल चौधरी का, उत्तर में आवास श्री शांतीलाल चौधरी का एवं दक्षिण में प्रवेश द्वार श्री गीगाराम, मोहन लाल, कालुराम सैनी का होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब-पश्चिम उत्तरी भुजा 44'.6" दक्षिणी भुजा 16'.0" + 28' -6" उत्तर-दक्षिण पूर्वी भुजा 24'-3" एवं पश्चिमी भुजा 25'.6" होकर कुल रकबा 103.76 वर्ग मीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.06.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

उसने सीखा नहीं है। पिछले तीन मैचों में भी अपने विकेट से उसने सबक नहीं लिया है। वे बाहर गेंद डाल रहे हैं और वह लगातार इस जाल में फंस रहा है । उसे इन गेंदों पर हवाई शॉट खेलने से बचना होगा । - सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय कप्तान, ऋषभ पंत को लेकर।

आज का खिलाड़ी

हरमनप्रीत कौर

अनुभवी मिताली राज और झूलन गोस्वामी की गैरमौजूदगी में श्रीलंका दौरे पर जा रही भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि यह 'टीम गठन' के लिए शानदार मौका होगा। भारत की सबसे सफल महिला बल्लेबाज मिताली ने हाल ही संन्यास की घोषणा की है जबकि तेज गेंदबाज झूलन का टीम में चयन नहीं हुआ है। हरमनप्रीत ने यहां ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हम अपनी टीम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हमारे पास बेहतरीन संयोजन हैं। हम पहली बार सीनियर खिलाड़ियों के बिना जा रहे है, ऐसे में यह हमारे लिए नयी शुरुआत करने के नजरिये से एक अच्छा दौरा है।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में सफेद रंग के झंडे में पांच छल्ले होते हैं। नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के ये छल्ले दुनिया के पांच महाद्वीपों के प्रतीक है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलिंपिक मेडलिस्ट अर्जेंटीना को धूल चटाई

रोटरडम (नीदरलैंड्स), 18 जून। गुरजीत कौर के दो गोल से भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के 'डबल लेग' मुकाबले के पहले मैच में निर्धारित समय में 3-3 के स्कोर के बाद शूटआउट में ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर उलटफेर किया।

गुरजीत (37वें और 51वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर से और लालरेमसियामी ने चौथे मिनट में मैदानी गोल किया। अर्जेंटीना के लिए ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने 22वें, 37वें और 45वें मिनट में हैट्रिक करके मैच को शूटआउट तक पहुंचाया।शूटआउट में नेहा गोयल और सोनिका ने भारत के लिये गोल किये जबकि मौजूदा प्रो लीग चैंपियन अर्जेंटीना के लिये विक्टोरिया ग्रानाटो एकमात्र स्कोरर रहीं। इस तरह सविता पूनिया की टीम ने यादगार जीत दर्ज की और तोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मिली 1-2 की हार का बदला भी चुकता किया।

भारत ने शुरू में ही अर्जेंटीना के रक्षण पर दबाव बनाकर तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन मोनिका की फ्लिक का प्रतिद्वंद्वी गोलकीपर बेलेन सुकी ने अच्छा बचाव किया। एक मिनट बाद भारत ने लालरेमसियामी के शानदार मैदानी गोल से बढ़त बनायी। इस गोल से दबाव में आयी अर्जेंटीना ने आक्रमण करना शुरू किया और जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारत के मजबूत रक्षण के आगे उनकी एक नहीं चली।

दूसरे क्वार्टर के छह मिनट में अर्जेंटीना ने तेजी से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने गोल कर दिया जब उनकी फ्लिक सुशीला चानू की स्टिक से डिफ्लेक्ट हो गयी। भारत को हाफ टाइम से कुछ सेंकेड से पहले एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन मौका गंवा दिया। इसके बाद गोर्जेलानी ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया।

अर्जेंटीना की खुशी कुछ देर ही रह सकी भारत ने सेंकेड बाद ही गुरजीत कोर के पेनल्टी कॉर्नर पर किये गये गोल से बराबरी हासिल की। अर्जेंटीना ने कोशिश जारी रखी और तीसरे क्वार्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारतीयों का रक्षण बेहतरीन रहा। अर्जेंटीना को आठवां पेनल्टी कॉर्नर 45वें मिनट में मिला और गोर्जेलानी ने गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी कर टीम को फिर आगे कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों ने उम्मीद नहीं छोड़ी और डटी रहीं। गुरजीत ने फिर 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने विजयी गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों टीमों का रक्षण दमदार रहा, जिससे मैच शूटआउट में चला गया। भारत और अर्जेंटीना अब दूसरे मैच में रविवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका में निर्णायक मुकाबला आज

पांच मैचों की टी-20 सीरीज में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर

बेंगलुरु, 18 जून। पांच मैचों की टी 20 सीरीज में 2-2 की बराबरी हो जाने के बाद रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच निर्णायक मुकाबला ब्लॉकबस्टर होगा। दक्षिण अफ्रीका ने दिल्ली और कटक में पहले दो मैच आसानी से जीते लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए विशाखापत्तनम और राजकोट में अगले दो मैच जीतकर सीरीज में बराबरी कर ली। राजकोट में चौथे मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रनों के हिसाब से टी20 में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

राजकोट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे दिनेश कार्तिक ने 2006 में भारत का पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था और उन्हें अपना पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय अर्धशतक लगाने के लिए 16 साल और 35 मैच लग गए। कार्तिक ने हार्दिक पांड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए तेज़ 65 रन जोड़े, जिसकी बदौलत एक समय 13 ओवर में चार विकेट खोकर 81 रन पर लड़खड़ा रही भारतीय टीम ने 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन बनाए।

जवाब में दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज़ी भारतीय गेंदबाज़ों के सामने टिक नहीं पाई और 87 रन पर सिमट गयी। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में न्यूनतम स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अंतिम पांच विकेट सिर्फ़ 13 रन के भीतर गंवाए। भारत की तरफ़ से आवेश ख़ान सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिया। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में तीन विकेट लिए।

भारत की निर्णायक मुकाबले से पहले एकमात्र चिंता कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म है। यह सीरीज़ कप्तान ऋषभ पंत के लिए कुछ ख़ास नहीं रही है। वह रन तो बना नहीं रहे हैं जबकि एक ही तरीक़े से आउट हो रहे हैं। पिछली चार में से तीन पारियों में वह ऐसी गेंदों पर आउट हुए हैं जो आसानी से वाइड हो सकती थी।

वह ज़बरदस्ती ऑफ़ स्टंप से काफ़ी बाहर जा रही गेंदों को मारने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट फेंक देते हैं। चौथे मैच में वह केशव महाराज की वाइड लाइन से बाहर जाती फ़ुल गेंद को स्वीप करने गए, बाहरी किनारा लगा और शॉर्ट थर्ड मैन पर ड्वेन प्रिटोरियस के लिए यह आसान कैच था। पंत ने मैच के बाद कहा, हमने अच्छा खेलने और प्लान पर अमल करने की बात की थी और हमने ऐसा ही किया। जो टीम अंतिम मैच में अच्छा खेलेगी वह जीतेगी। मैं अपने खेल में कुछ बदलाव कर सकता हूं लेकिन मैं ज़्यादा सोच विचार नहीं करता हूं। बेंगलुरु में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और सीरीज़ जीतने का प्रयास करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के उपकप्तान केशव महाराज ने कहा, अंतिम पांच ओवरों में हमने ज़्यादा रन लुटाए। बल्लेबाज़ी के दौरान पावरप्ले में हमसे ग़लतियां हुई और हम पीछे हट गए। रविवार को एक अहम मैच होगा और हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए जिससे साझेदारी निभाना कठिन हो गया।

भारतीय गेंदबाज़ों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने शानदार गेंदबाज़ी की। भारत में छोटे मैदानों पर गेंदबाज़ी करना मेरे लिए कठिन होता है। बेंगलुरु में अंतिम मुक़ाबले में बहुत मज़ा आएगा। भारत ने चौथा मैच 82 रनों से जीतकर बेंगलुरु में होने वाले अंतिम मुक़ाबले को सीरीज़ का फ़ाइनल बना दिया है। इस मुकाबले में जो टीम अनुशासन के साथ बढ़िया खेलेगी वह सीरीज अपने नाम करेगी।

स्वीडन में तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

नयी दिल्ली, 18 जून। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम तैयारियों के लिये स्वीडन के दौरे पर डब्ल्यूयू23 तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारतीय टीम 22 से 28 जून तक चलने वाले टूर्नामेंट में स्वीडन और अमेरिका के खिलाफ खेलेगी। सुरेन छेत्री शिविर में बतौर अंतरिम मुख्य कोच टीम का मार्गदर्शन करेंगे जो अंडर-20 महिला टीम और इंडियन एरोज महिला टीम के मुख्य कोच हैं। भारत का 23 सदस्यीय दल इस समय पुणे में 13 जून से ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रहा है।

कार्यक्रम : 22 जून : स्वीडन बनाम भारत (रात साढ़े नौ बजे) 25 जून : भारत बनाम अमेरिका (शाम साढ़े छह बजे) टीम इस प्रकार है : गोलकीपर : अदिति चौहान, एल देवी, श्रेया हुड्डा, डिफेंडर : डालिमा छिब्बर, स्वीटी देवी, रितु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मनीषा पन्ना, अरिफा सईद, मिडफील्डर : अंजू तमांग, कार्तिका अंगामुथु, रतनबाला देवी, प्रियंगका देवी, मार्टिना थॉकचोम, संतोष, फारवर्ड : अपूर्णा नरजारी, ग्रेस डांगमेई, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा, प्यारी खाका, रेणु, दुलार मरांडी।

23 साल बाद रणजी फाइनल खेलने उतरेगी मध्य प्रदेश

बेंगलुरु, 18 जून। 23 साल पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम में मध्य प्रदेश का रणजी ट्रॉफ़ी जीतने का सपना टूट गया था। 23 साल बाद वह उसी मैदान पर फिर एक बार उस सपने को पूरा करने का प्रयास करेगी। उसके सामने 41 बार की चैंपियन मुंबई की चुनौती होगी जो 2016-17 के बाद पहली बार फ़ाइनल में पहुंची है। दिलचस्प बात यह है कि उस समय मुंबई के कोच रहे चंद्रकांत पंडित अब मध्य प्रदेश के ख़ेमे में हैं। पहले मुंबई और फिर विदर्भ के साथ रणजी ट्रॉफ़ी जीतने के बाद उनके पास इतिहास को दोहराने का अच्छा मौक़ा है। और तो और जब कर्नाटक ने 1998-99 में मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में हराया था, तब पंडित टीम के कप्तान थे।

दिग्गज कोच रमाकांत आचरेकर के शिष्य पंडित और अमोल मज़ुमदार (मुंबई के कोच) 22 जून को अपनी अपनी खड़ूस टीमों के साथ फ़ाइनल में होंगे। मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में पहुंचाने का बड़ा श्रेय बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय को जाता है। पिछले हफ़्ते पंजाब के ख़िलाफ़ दूसरी पारी में छह विकेट लेने के बाद उन्होंने सेमीफ़ाइनल में बंगाल के विरुद्ध दूसरी पारी में पांच विकेट झटके।

पहली पारी में 97 पर चार की स्थिति से मध्य प्रदेश ने 341 का स्कोर खड़ा किया। हिमांशु मंत्री के 165 रन और 18 वर्षीय अक्षत रघुवंशी के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चोटिल मनोज तिवारी और शाहबाज़ अहमद के शतकों के दम पर बंगाल ने वापसी की।

54 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद इन दोनों ने रनों के बीच के अंतर को केवल 68 पर ला खड़ा किया। हालांकि रजत पाटीदार और आदित्य श्रीवास्तव के अर्धशतकों की बदौलत मध्य प्रदेश ने 350 का लक्ष्य खड़ा किया।

जब अंतिम दिन का खेल शुरू हुआ तो बंगाल को 254 रनों की आवश्यकता थी और उनके छह विकेट शेष थे। अंपायर के ख़राब पगबाधा फ़ैसले के अलावा उनका बल्लेबाज़ी क्रम स्पिन के आगे बिखर गया। बंगाल की ओर से कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 78 रन बनाए लेकिन कार्तिकेय की लो रही गेंद पर जब वह बोल्ड हुए तब मैच उनकी पकड़ से दूर जा चुका था। 66वें ओवर में मध्य प्रदेश ने जीत पूरी की जब गौरव यादव ने मुकेश कुमार को बोल्ड किया। 175 रनों पर बंगाल की पारी सिमटी। शाहबाज़ 82 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे। अजीब बात यह रही कि दूसरे छोर पर गिरते विकेटों के बावजूद उन्होंने आक्रामक रवैया नहीं अपनाया।

इस मैच में बंगाल ने एक अतिरिक्त ऑलराउंडर को खिलाकर अपनी बल्लेबाज़ी को मज़बूत किया था। इस वजह से इशान पोरेल को ड्रॉप किया गया और यह फ़ैसला भारी पड़ गया। उनकी जगह खेल रहे सायन मंडल ने दो पारियों में केवल एक रन बनाया और 16 ओवरों में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मध्य प्रदेश के हाथों मिली हार के बाद बंगाल के निराशाजनक सीज़न का अंत हुआ।

चेन्नईयिन एफसी ने साजिद धोत से दो साल का करार किया

चेन्नई, 18 जून। दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने डिफेंडर मोहम्मद साजिद धोत से दो साल का नया अनुबंध किया है जिससे वह क्लब के साथ 2024 तक बने रहेंगे। इस फुटबॉलर ने क्लब के लिये पिछले आईएसएल सत्र में छह मैच खेले थे जिसमें 24 साल के इस खिलाड़ी ने काफी प्रभावित किया था। उन्होंने एक विज्ञिप्त में कहा, ''मैं इस क्लब का दो और साल हिस्सा बना रहूंगा जिससे मैं बहुत खुश हूं। पिछले साल मुझे मौके मिले और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

देशभर के 75 शहरों का दौरा करेगी शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले

नयी दिल्ली, 18 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार रविवार को शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले का शुभारंभ करेंगे। इंदिरा गांधी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी शतरंज ओलंपियाड के 44वें संस्करण के लिए मशाल रिले को रवाना करेंगे।

शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले अपने उद्घाटन साल में देश भर के 75 शहरों का दौरा करेगा और फिर मेजबान शहर चेन्नई के पास स्थित ऐतिहासिक स्थल महाबलिपुरम पहुंचेगा। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शुक्रवार को इस मशाल रिले का रूट मैप जारी किया।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) मानता है कि शतरंज का उद्भव भारत में हुआ था और इसी कारण उसने भारत को सम्मान देने के लिए ओलंपिक मशाल रिले की शैली की मशाल रिले परंपरा की शुरुआत की। इस साल के आयोजन के बाद दुनिया में जब भी कहीं शतरंज ओलंपियाड का आयोजन होगा तो उसकी लौ भारत से निकलेगी और फिर तमाम देशों की यात्रा करते हुए मेजबान देश के मेजबान शहर पहुंचेगी। इस साल चूंकि समय कम था, लिहाजा फिडे और एआईसीएफ ने मशाल रिले को भारत में ही आयोजित करने का फैसला किया और इसी के तहत 75 शहरों का चयन किया गया है।

पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने शुक्रवार शाम को नई दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैं हमेशा ओलंपिक मशाल रिले की अवधारणा से रोमांचित था और और अब हमारे पास शतरंज में भी मशाल रिले है। लेकिन सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि इसकी शुरुआत हमेशा भारत से होगी। और एक भारतीय के रूप में, मुझे इस तथ्य पर वास्तव में गर्व महसूस होता है।''

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष संजय कपूर और सचिव और ओलंपियाड निदेशक भरत सिंह चौहान के अलावा इस कार्यक्रम में टेक महिंद्रा के चीफ ऑफ स्ट्रैटेजी जगदीश मित्रा और तमिलनाडु सरकार की प्रधान सचिव अपूर्वा भी मौजूद थीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से शुरू होकर, ऐतिहासिक ओलंपियाड मशाल रिले पूरे देश में यात्रा करेगी। 27 जुलाई को अपने गंतव्य महाबलिपुरम तक पहुंचने से पहले यह मशाल रिले लेह, श्रीनगर, जयपुर, सूरत, मुंबई, भोपाल, पटना, कोलकाता, गंगटोक, हैदराबाद, बेंगलुरु, त्रिशूर, पोर्ट ब्लेयर और कन्याकुमारी सहित 75 शहरों से होकर गुजरेगी।

विश्व कप खिताब के लिए ऐसी टीम का गठन जरूरी जो हर परिस्थितियों में बेहतर कर सके

बेंगलुरू, 18 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रमेश पवार ने शनिवार को एक मजबूत टीम बनाने की जरूरत पर जोर दिया जो विश्व कप खिताब जीतने के लिए सभी परिस्थितियों में खेल सके। भारतीय महिलाएं दो बार विश्व खिताब जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन दोनों बार उसे फाइनल में मेजबान देशों के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। टीम 2017 में इंग्लैंड में एकदिवसीय विश्व कप और 2020 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की उपविजेता रही। पवार ने श्रीलंका दौरे पर टीम की रवानगी से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम अपनी क्षेत्ररक्षण और फिटनेस पर काम कर के अपने खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रहे है। यह हमारा तात्कालिक लक्ष्य है जिसे हम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' आने वाले समय में आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप एक ऐसी टीम बनाएं जो हर स्थिति में और हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सके। इसलिए हम श्रीलंका दौरे से पहले इस पर काम कर रहे हैं।''

यशस्वी जायसवाल के दोनों पारियों में शतक की बदौलत मुंबई फाइनल में

बेंगलुरू, 18 जून। मुंबई ने उत्तर प्रदेश के ख़िलाफ़ सेमीफ़ाइनल में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जो एक नीरस ड्रॉ मुक़ाबले के रूप में सामाप्त हुआ, अंततः पहली पारी की बढ़त के आधार पर मुंबई ने फ़ाइनल के लिए क्वालीफ़ाई किया। अब वे 22 जून से बेंगलुरु में मध्य प्रदेश से भिड़ेंगे, जिन्होंने दूसरे सेमीफ़ाइनल में बंगाल को 174 रनों से हराया। पहली पारी में 213 रन की बढ़त के बाद, जब अंतिम दिन के दोपहर में मुंबई ने अपनी दूसरी पारी घोषित की तो उनके पास कुल बढ़त 746 रनों की थी। हालांकि चौथे दिन की समाप्ति पर ही मुंबई का फ़ाइनल में पहुंचना निश्चित हो गया था, जब वे 662 रन से आगे थे।

एशियाई साइक्लिंग के पहले दिन चमका भारत

नयी दिल्ली, 18 जून। एशियाई ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप की शनिवार को यहां इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम के यमुना वेलोड्रोम में शुरुआत हुई और मेजबान भारत ने पहले दिन चमकदार प्रदर्शन किया। पहले दिन 12 फाइनल्स हुए जिनमें से चार पैरा चैंपियनशिप के लिए थे। भारत ने 41वीं सीनियर और 28वीं जूनियर एशियाई चैंपियनशिप में एक रजत और छह कांस्य पदक जीते जबकि 10वीं पैरा चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारत को रजत पदक जूनियर चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में मिला। भारतीय चौकड़ी ने क्वालीफाइंग में 4:54.884 और फ़ाइनल में 4:54.034 का समय निकाला। सीनियर महिला चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक मिला। भारत ने 17 साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियनशिप के सीनियर महिला वर्ग में कोई पदक जीता है।

भारत में अपने मीडिया राइड्स बेचेगा आईसीसी

दुबई, 18 जून। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अपने मीडिया राइट्स को अगले आठ साल के लिए बेचने जा रहा है। पिछली बार की अपेक्षा में इस बार अहम बदलाव किए गए हैं। बदलते मीडिया परिदृश्य को देखते हुए आईसीसी सबसे पहले, अगले सप्ताह से केवल भारतीय बाज़ार में उतरेगा। वह पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकारों को अलग-अलग बेचेगा, और डिजिटल राइट्स भी अलग से बेचेगा।

आईसीसी का पहले भारत जाने का फ़ैसला यह दिखाता है कि उनकी इस डील को बेहतर से बेहतर करने की इच्छा है। अतीत में आईसीसी ने पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंटों को मिलाकर एक साथ विश्व स्तर पर राइट्स बेचे हैं। अब आईसीसी बोलीदाताओं से अधिक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद में विभिन्न क्षेत्रों के राइट्स बेचना चाहता है। इससे डील के कुल मोल में वृद्धि होगा।

जब राइट्स पहले भारतीय बाज़ार के लिए बेचे जाएंगे, तो अधिकतम छह पैकेज केवल टीवी पर, केवल डिजिटल या दोनों एक साथ उपलब्ध होंगे। संभावित बोलीदाता 16 पुरुष विश्व टूर्नामेंट (आठ सालों में) और छह महिला विश्व टूर्नामेंट (चार सालों में) के लिए क्रमशः 362 और 103 मैचों की बोली लगा सकते हैं। इन आंकड़ों में केवल सीनियर लेवल के मैच शामिल हैं; पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप (वनडे और टी20) डील का हिस्सा होंगे, लेकिन इन आंकड़ों से अतिरिक्त हैं। आईसीसी की एक विज्ञिप्त में कहा गया है, ''इच्छुक पार्टियों को पुरुषों के इवेंट्स के पहले चार वर्षों के लिए बोली लगाने की आवश्यकता होगी। हालांकि, उनके पास आठ साल की पार्टनरशिप के लिए बोली लगाने का विकल्प भी है।''

पुरुषों के इवेंट्स (अंडर-19 सहित) के लिए तीन पैकेज उपलब्ध होंगे:- टीवी (चार/आठ वर्ष), डिजिटल (चार/आठ वर्ष), टीवी और डिजिटल दोनों (चार/आठ वर्ष) महिलाओं के इवेंट्स (अंडर-19 सहित) के लिए समान पैकेज उपलब्ध होंगे, सिवाय इसके कि उनमें से प्रत्येक के लिए अवधि चार वर्ष है : टीवी (चार वर्ष), डिजिटल (चार वर्ष), टीवी और डिजिटल दोनों (चार वर्ष)

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेफ़ एलार्डिस ने विज्ञिप्त में कहा, ''पिछले पांच वर्षों में महिला क्रिकेट में लोगों की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हमने उस विकास में तेज़ी लाने के लिए एक लंबी अवधि की रणनीतिक प्रतिबद्धता बनाई है और हमारी महिलाओं के इवेंट्स के राइट्स को अलग से बेचना इसमें एक बड़ी भूमिका निभाएगा। हम एक ऐसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर की तलाश कर रहे हैं जो महिलाओं के खेल को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका से उत्साहित हो और यह सुनिश्चित कर सके कि पहले से कहीं अधिक प्रशंसक इसका आनंद ले सकें।''

विश्व रिकॉर्ड स्कोर के बाद 232 रनों से जीता इंग्लैंड

एम्सटलवीन, 18 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ खेले गये मुकाबले में एकदिवसीय क्रिकेट के सबसे बड़े टीम स्कोर का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए 498 रन बनाये और फिर नीदरलैंड्स को 49.4 ओवर में 266 रन पर समेट कर मुकाबला 232 रनों से जीत लिया। इंग्लैंड ने नीदरलैंड के एम्सटलवीन में खेले गये 50 ओवर मुकाबले में जॉस बटलर (162), डाविड मलान (125), फ़िलिप सॉल्ट (122) और लायम लिविंग्स्टोन (66) की बदौलत 50 ओवर क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचा। इससे पहले इंग्लैंड ने ही 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉटिंघम में 481 रन बनाकर उस समय का सबसे बड़ा एकदिवसीय टीम स्कोर दर्ज किया था। नीदरलैंड की तरफ से मैक्स ओडाउड ने 55 और स्कॉट एडवर्ड्स ने नाबाद 72 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए मोईन अली ने 57 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिए।

कार्तिक असामान्य क्षेत्र में रन बनाता है जिससे उन्हें गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है : महाराज

राजकोट, 18 जून। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज का मानना है कि भारतीय बल्लेबाज दिनेश कार्तिक मैदान में ऐसे क्षेत्र में रन जुटाने की कोशिश करते हैं जहां पर सामान्य रूप से रन नहीं बनते हैं जिससे उन्हें गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है। कार्तिक ने 27 गेंद में 55 रन की पारी खेली और यह 2006 में पहला टी20 मैच खेलने के बाद इस प्रारूप में उनका पहला अर्धशतक था। इस पारी की बदौलत भारत शुक्रवार को यहां पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 2-2 से बराबर करने में सफल रहा। कार्तिक (37 साल) ने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम में एक और वापसी की। भारतीय टीम के 'फिनिशर' कार्तिक 'पावरहिटिंग' पर ही निर्भर नहीं रहते। उन्होंने रन जुटाने के लिये मैदान का अच्छा इस्तेमाल किया। शुक्रवार को उन्होंने स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ स्वीप शॉट के अलावा रिवर्स हिट से रन जोड़े। मैच के बाद महाराज ने कहा, ''वह (कार्तिक) शानदार फॉर्म में है और अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभा रहा है। वह निश्चित रूप से खेल के सर्वश्रेष्ठ 'फिनिशर' में से एक है। वह ऐसे क्षेत्र में रन जुटाता है जो सामान्य नहीं है इसलिये उसे गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है। ह्

एच.एस. प्रणय की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता, 18 मार्च। एच एस प्रणय की शनिवार को सेमीफाइनल में हार के साथ इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गयी। प्रणय को चीन के जुन पेंग झाओ में लगातार गेमों में 21-16, 21-15 से पराजित किया और फ़ाइनल में जगह बना ली।

टी-20 में 16 साल बाद अर्द्धशतक जमाकर अच्छा लगा : कार्तिक

राजकोट, 18 जून। राजकोट में दिनेश कार्तिक ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 16 साल पहले डेब्यू करने के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा। कार्तिक का वह डेब्यू मैच भारत का पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच था और वह एक अलग पीढ़ी के साथ खेल रहे थे। उस मैच में विपक्षी टीम के कप्तान रहे ग्रीम स्मिथ शुक्रवार के मैच में कॉमेंट्री कर रहे थे। हालांकि इतने लंबे करियर में कार्तिक को केवल 34 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने का मौक़ा मिला। 2010 से 2017 के बीच सात सालों में उन्होंने भारत के लिए एक भी टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला था।

भारतीय टीम से उनके वनवास का बड़ा कारण यह था कि कार्तिक इस दौरान महेंद्र सिंह धोनी के बाद टीम के दूसरे विकेटकीपर थे और समझा जा रहा था कि वह बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज़ टीम में खेलने के योग्य नहीं है। हालांकि अब यह प्रारूप बदल चुका है और सुपर-विशेषज्ञ खिलाड़ियों के लिए अवसर ही अवसर है। पिछले कुछ महीनों में कार्तिक फ़िनिशर की भूमिका में ऐसे ही सुपर-विशेषज्ञ खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। आईपीएल 2022 की शुरुआत से वह इस स्तर पर बल्लेबाज़ी कर रहे हैं कि भारतीय टीम प्रबंधन को एकादश में उन्हें स्थान देना ही पड़ा।

भारत पारी के अंतिम पांच ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहता था। इसलिए सीरीज़ के दूसरे मैच में जब 13वें ओवर में चौथा विकेट गिरा तो अक्षर पटेल उनसे पहले बल्लेबाज़ी करने आए। यह

रणनीति विफल हुई और अक्षर ने 10 रन बनाने के लिए 11 गेंदों का सामना किया।

राजकोट में भी भारत ने 13वें ओवर में चौथा विकेट गंवाया लेकिन पिच हरकत कर रही थी। धीमी पिच होने के कारण गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आ रही थी और दोहरा उछाल भी मिल रहा था। नौवें ओवर में अनरिख़ नॉर्खिये की पहली गेंद हार्दिक पांड्या के बल्ले के नीचे से निकल गई जबकि पांचवीं गेंद ऋषभ पंत के ग्लव पर जाकर लगी।

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारत ने अक्षर को नहीं बल्कि कार्तिक को ही छठे नंबर पर भेजने का निर्णय लिया। हार्दिक ने उन्हें शुरुआत में अपना समय लेने को कहा क्योंकि सेट होने के बाद रन बनाना आसान था। कार्तिक ने चार गेंदों बाद अपना खाता खोला और एक समय आठ गेंदों पर छह रन बनाकर खेल रहे थे। हालांकि इस दौरान उन्होंने परिस्थितियों का जायज़ा लिया।

16वें ओवर में तेम्बा बवूमा ने नॉर्खिये को गेंदबाज़ी पर वापस बुलाया। तब तक कार्तिक सेट हो चुके थे और अब प्रहार करने का समय था। चहलक़दमी करते हुए उन्होंने मिडऑफ़ के ऊपर से चौका लगाया। दो गेंदों बाद उन्होंने कट के सहारे प्वाइंट की दिशा में एक और चौका बटोरा।

दूसरे छोर पर उन्होंने केशव महाराज के ख़िलाफ़ स्वीप, ड्राइव और रिवर्स पुल पर तीन और चौके जड़ दिए। महाराज ने बाद में कहा, ''वह विचित्र क्षेत्रों में रन बनाते हैं। इससे उनके ख़िलाफ़ गेंदबाज़ी करना कठिन है।''

ड्वेन प्रिटोरियस ने पहले दो ओवरों में केवल नौ रन दिए थे लेकिन अब उनका सामना अच्छी लय में बल्लेबाज़ी कर रहे कार्तिक से होने वाला था। क्रीज़ की गहराई में खड़े कार्तिक ने क्रीज़ में क़दमताल करते हुए तीन गेंदों पर 6,4,4 लगाया। प्रिटोरियस के अगले और पारी के अंतिम ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर कार्तिक ने अपना अर्धशतक पूरा किया। जब 12.5 ओवर में 81 के कुल स्कोर पर पंत आउट हुए, ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो के फ़ोरकास्टर ने 149 के कुल स्कोर का अनुमान लगाया था। हालांकि कार्तिक की तूफ़ानी पारी की बदौलत भारत ने छह विकेट पर 169 रन बनाए जो साउथ अफ्रीका के कुल स्कोर से लगभग दोगुना था।

आईपीएल 2022 की शुरुआत से कई मौक़ों पर कार्तिक ने बताया है कि कैसे उन्होंने अपने कोच के साथ बहुत मेहनत की हैं। वह कहते हैं कि इस अभ्यास ने उन्हें परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझने और उसे अनुसार खेलने में मदद की है। इसके अलावा शुक्रवार को मैच के बाद उन्होंने भारतीय ड्रेसिंग रूम के माहौल और वहां मिले समर्थन के बारे में बताया। पोस्ट मैच प्रेज़ेंटेशन में उन्होंने कहा, ''मैं इस टीम में सुरक्षित महसूस कर रहा हूं। पिछले मैच में चीज़ें मेरे पक्ष में नहीं गई थी (आठ गेंदों पर वह छह रन बनाकर आउट हुए थे) लेकिन मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में सांत्वना का माहौल था। इस समय ड्रेसिंग रूम एक सुरक्षित स्थान है। जब चीज़ें अच्छी जा रही होती है या जब वह सही नहीं होती तब भी बहुत अच्छा लगता है। यहां एक अलग तरह का सुकून है।''

कार्तिक ने आगे कहा, ''राहुल भाई सीरीज़ में हमारे अंदाज़ को लेकर काफ़ी स्पष्ट हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने यह कहा है कि हमें दक्षिण अफ्रीका को हराना है। वह केवल बल्लेबाज़ों और गेंदबाज़ों से रखी गई उम्मीदों के बारे में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि वह स्पष्टता बहुत ज़रूरी है।'' आईपीएल की आतिशबाज़ियों के बाद कार्तिक ने भारतीय टीम में जगह बनाई। अब वह टी20 विश्व कप की टीम के लिए अपनी दावेदारी मज़बूत कर रहे हैं।16 साल बाद अर्धशतक लगाकर अच्छा लगा। मुझे इस टीम में सुरक्षित महसूस हो रहा है। पिछले मैच में चीज़ें मेरे पक्ष में नहीं गई थी लेकिन मेरा समर्थन किया गया।

कार्तिक ने कहा,सीरीज़ में 2-2 की बराबरी है और द्विपक्षीय सीरीज़ को अंतिम मैच तक जाते देख अच्छा लग रहा है। मुझे पता है कि भारत ने घर पर दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज़ में हराया नहीं है। राहुल भाई टीम को बता रहे हैं कि आपको अच्छा प्रदर्शन करना है और सीरीज़ जीतने की बातचीत नहीं होती है।

असम में मानसून की शुरुआत के साथ ही आई भयंकर बाढ़ के कारण लोगों की जिंदगी भारी मुश्किल में आ गई है। लोगों को घर -बार छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ रहा है। राज्य में सभी बड़ी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है, इससे बाढ़ की स्थिति और भी भयावह हो गयी है और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गयी है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश होने से कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं। राज्य के 28 जिलों के 2930 गांवों के 19 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में पिछले पांच दिनों से भारी बारिश हो रही है। राजधानी गुवाहाटी में प्रमुख सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया है, जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार कम से कम अगले दो दिनों तक बारिश थमने का कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग ने असम और मेघालय दोनों राज्यों में रैड अलर्ट जारी किया है।

फारुक अब्दुल्ला ने भी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इंकार किया

फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि, जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है, इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है

श्रीनगर, 18 जून (वार्ता)। एन.सी.पी प्रमुख जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए आगामी चुनावों के लिए संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार बनने से 'ससम्मान' इनकार कर दिया।

नैशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है , इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है।

अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन देने वाले विपक्षी नेताओं के कई फोन आए हैं।

- **अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, लेकिन मेरे लिए यह जिम्मेदारी उठा पाना वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार संभव नहीं है।**
- **गौरतलब है कि, इन हालिया घटनाक्रमों से एक के बाद एक विपक्ष की एकता और उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं, ममता बनर्जी एक अलग छोर पर खड़ी हैं तथा कांग्रेस व अन्य दल दूसरे किनारे पर खड़े होकर विपक्षी एकता की बातें कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा कि केन्द्रशासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए मैंने ससम्मान राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परिवार और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ इस अप्रत्याशित विकास पर चर्चा करने में कुछ दिन लगे। उन्होंने कहा, देश में सर्वोच्च पद के लिए मुझे जो समर्थन मिला है और सम्मानित किया गया है, उससे मैं दिल की गहराई से प्रभावित हूं। मेरा मानना है कि जम्मू कश्मीर एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और प्रदेश को इस अनिश्चितता के समय को दिशासूचक के तौर पर मदद करने के लिए मेरे आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, मेरे सामने सक्रिय राजनीति है और मैं जम्मू-कश्मीर और देश की सेवा में अपना सकारात्मक योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इसलिए मैं सम्मानपूर्वक अपना नाम विचार से वापस लेना चाहता हूँ और मैं संयुक्त विपक्ष की आम सहमति के उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तत्पर हूँ।

कोटपूतली में कोचिंग संचालकों पर राज कार्य में बाधा व सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा दर्ज

पुलिस ने नौ कोचिंग संचालकों के खिलाफ छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव के लिए भड़काने का मामला दर्ज किया

कोटपूतली, 18, जून (निसं)। अग्निपथ योजना को लेकर कोटपूतली में युवाओं के उपद्रव के मामले में पुलिस ने कस्बे की 9 डिफेंस ऐकेडमियों के संचालकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को कोटपूतली में सैकड़ों की संख्या में उपद्रवी तत्वों ने राजमार्ग पर मुख्य चौराहे से लेकर पूतली कट तक पथराव कर एक दर्जन से अधिक रोडवेज व निजी बसो व पुलिस वाहनों के शीशे तोड़े थे और वाहनों में तोडफोड़ कर जमकर उत्पात मचाया था। वहीं इस दौरान हुए पथराव में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन-चार अन्य लोग भी घायल हो गये थे।

वहीं दूसरी ओर शुक्रवार देर शाम जयपुर ग्रामीण एसपी मनीष अग्रवाल भी कोटपूतली पहुंचे थे। एसपी अग्रवाल ने तोडफोड़ करने, राजमार्ग जाम करने का प्रयास करने वाले उत्पाती तत्वों की पहचान कर नामजद मामला दर्ज करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में एसएचओ सवाई सिंह ने कस्बा स्थित 9 डिफेंस एकेडमियों के संचालकों पर छात्रों को उकसा कर भडकाने एवं राजकार्य में बाधा डालने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने, रोडवेज व निजी तथा पुलिस वाहनों में तोडफोड़ करने और

- **प्रशासन ने समस्त छात्रावासों को खाली करवाया।**

राजमार्ग जाम करने सहित विभिन्न धाराओं में नामजद मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस प्रशासन ऐहतियात के तौर पर कस्बे के छात्रावास अधीक्षकों को आगामी आदेश तक छात्रों को छात्रावास में नहीं रखे जाने के लिए पाबंद किया है। घटनाक्रम में पुलिस ने 46 युवकों को विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया। इसमें से 34 को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

एएसपी विधा प्रकाश ने बताया कि कोटपूतली में बहुत से सैन्टर सेना भर्ती की तैयारी करवाते हैं, जिन्होंने बिना किसी अनुमति के पार्क में उग्र प्रदर्शन करने के बाद राजमार्ग पर पथराव, वाहनों में तोडफोड़ की घटना को अंजाम दिया। जिसको पुलिस उपद्रवियों की और पहचान कर रही है। जिसके बाद प्रकरण में और भी मुकदमें दर्ज किये जायेंगे। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। फरार हुए उपद्रवियों की भी तलाश की जा रही है। वहीं पुलिस ने सभी कोचिंग संचालकों की बैठक बुलाकर आवश्यक निर्देश दिये। इसके बाद मय जाप्ते के फ्लैग मार्च भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्पाती तत्वों ने राजस्थान रोड़वेज की 8, हरियाणा रोड़वेज की 2, जम्मु कश्मीर रोड़वेज की 1 बसों के साथ-साथ पुलिस की 2 जीप, 2 ट्रक व 3 निजी बसों में तोडफोड़ व पथराव कर उनके शीशे तोड़े थे।

इधर अग्निपथ योजना के कारण क्षेत्र के बिगड़े हुए हालातों को देखते हुए डीएसपी डॉ. संध्या यादव व एसएचओ सवाई सिंह ने शनिवार को कोटपूतली थाने में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। साथ ही सरपंचों को अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं उत्पात मचाने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया। डीएसपी ने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी रखें। साथ ही जिन गांवों से आये लडकों ने कस्बे में तोडफोड़ व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया है उनकी जानकारी जल्द से जल्द पुलिस को उपलब्ध करवायें। डीएसपी डॉ. संध्या यादव मय पुलिस जाप्ते के गोरधनपुरा चौकी व राजनौता का दौरा कर ग्रामीणों के साथ समझाईश भी की। डीएसपी ने कहा कि छात्रों को समझाया जायें कि वे कानून अपने हाथ में ना लें। कानून हाथ में लेने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

मंत्री हैं या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में झूठे दावे करने में उसी तरह व्यस्त हैं जैसे कि कोई सेल्समैन करता है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने चार वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 25 प्रतिशत "अग्निवीरों" को नौकरियों में लेने का वादा नहीं किया क्योंकि उन्होंने बड़ी चालाकी के साथ "25 प्रतिशत तक" की बात कहीं, जिसका मतलब यह हो सकता है कि 25 प्रतिशत से नीचे कोई भी प्रतिशत, लेकिन शेष 75 प्रतिशत के लिए कोई भी बात नहीं कही गई।

उन्होंने इस दावे का भी खण्डन किया कि सेना में चार वर्ष की सेवाएं देने वालों के खाते में 20 लाख रूपए आएंगे।

उन्होंने ध्यान दिलाया कि यह वैसा ही वादा है जैसा प्रधानमंत्री ने किया था कि एक बार काला धन बाहर आने के बाद प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रूपए आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी एक अन्य योजना थी, जिसमें वादा किया गया था कि इससे देश में आतंकवाद समाप्त होगा, तो फिर पुलवामा नरसंहार क्यों हुआ?

कन्हैया ने ध्यान दिलाया कि केन्द्र सरकार के पास 28 लाख रिक्तिया हैं जिन्हें युवाओं को आंदोलन में झोंकने के बजाए बेरोजगारों की मदद के लिए भरा जा सकता है और सेना में सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले बच्चे गांवों में परिश्रम कर रहे किसानों के पुत्र हैं ना कि गृह मंत्री का कोई पुत्र जिसकी पहली पसंद बी.सी.सी.आई. प्रैसीडेन्ट बनना है।

श्रीमाधोपुर में भी कोचिंग संचालकों को गिरफ्तार किया

कोचिंग संचालकों पर छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव फैलाने के लिए भड़काने एवं प्रेरित करने का आरोप है

श्रीमाधोपुर, 18 जून (निसं)। पुलिस ने अग्निपथ योजना को लेकर हिंसक उपद्रव व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों में मुख्य आरोपी एवं विनायक कोचिंग क्लासेज के निदेशक संयोग भावरिया भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार श्रीमाधोपुर शहर में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कल युवा शांतिपूर्ण तरीके से आक्रोश रैली निकाल रहे थे कि अचानक कुछ युवाओं ने पुलिस पर पत्थरबाजी की और श्रीमाधोपुर शहर सहित बाईपास रोड पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए आग के हवाले कर दिया। वहीं मुख्य बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित शहर में तीन बैंकों के एटीएम तथा दो कियोस्क तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया।

बाद में पुलिस के आरएसी के जाप्ते सहित जवानों, अधिकारियों ने मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शनकारी उपद्रवियों को खदेड़ा। इस दौरान पुलिस ने वीडियो तथा फोटोज के आधार पर उपद्रवियों का नेतृत्व कर रहे विनायक कोचिंग क्लासेस के निदेशक संयोग भावरिया तथा सेवानिवृत्त फौजी बिरजू सिंह सामोता सहित कुल 17 आरोपियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया। उन्हें आज एसडीएम के समक्ष पेश किया, जहां से सभी को सोमवार तक जेल भेजने के आदेश दिए गए। डिप्टी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस थाने में अब तक 7 अलग-अलग मामले सरकारी अधिकारियों सहित निजी व्यक्तियों ने दर्ज करवाए हैं, वही एक मुकदमा जीआरपी पुलिस थाने में भी दर्ज हुआ है। इन आरोपियों को किया गिरफ्तार: संयोग भावरिया पुत्र सुन्दर लाल भावरिया निवासी गोमावाली, बिरजू सिंह सामोता पुत्र हरिसिंह सामोता निवासी डेरावाली, मनोज यादव पुत्र फूलाराम यादव निवासी भारणी, श्रवण कुमार पुत्र पोखरमल खटुन्दरा खण्डेला, दीनदयाल सैनी पुत्र किशन लाल सैनी निवासी ढ़ाल्यावास, सुभाष वर्मा पुत्र लालचंद वर्मा निवासी नांगल भीम, राजेंद्र सिंगड़ पुत्र मदनलाल जाट निवासी आभावास, मनोज कुमार पुत्र गोपाल राम निवासी रतनपुरा, दीपेन्द्र सिंह पुत्र सांवतराम यादव निवासी अरणिया, कमलेश कुमार पुत्र नोपाराम निवासी कल्याणपुरा, राकेश कुमार पुत्र पोखरमल निवासी निमेड़ा, धर्मपाल पुत्र सरदार सिंह निवासी लाडपुरा रींगस, नरेन्द्र पुत्र फुलचंद रोलाणियां निवासी मऊ, सुनिल पुत्र ज्ञानचंद रैगर निवासी दिवराला, अंकित पुत्र तेजपाल परसोया निवासी श्रीमाधोपुर, आकाश पुत्र कैलाश चंद रैगर निवासी श्रीमाधोपुर तथा आजाद पुत्र हीरालाल जाट निवासी निमेड़ा खण्डेला को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवाया गया।

- **पुलिस ने कोचिंग संचालकों सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया।**

नया मीडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यसभा टिकट ना दिए जाने से खेड़ा काफी नाखुश थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं स्व. शीला दीक्षित के वे राजनीतिक सचिव रह चुके हैं।

पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 जून। जर्मनी में हुई फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) की बैठक में पाकिस्तान को एक बार फिर करारा झटका लगा। एफ.ए.टी.एफ. में चीन, तुर्की और मलेशिया समेत दुनिया के कई देशों की नापाक कोशिशों के बाद भी पाकिस्तान ग्रे लिस्ट से नहीं निकल पाया। एफ.ए.टी.एफ. की ग्रे लिस्ट में बने रहने से कंगाल पाकिस्तान को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। एफ.ए.टी.एफ. ने एक दल

- **फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को एक बार फिर "ग्रे" लिस्ट में बरकरार रखने का फैसला किया।**

भेजने का ऐलान किया है जो पाकिस्तान के उठाए गए कदमों की जांच करेगा। एफ.ए.टी.एफ. के फैसले के बाद पाकिस्तान में जश्न मनाया जाने लगा और इमरान खान से लेकर पाकिस्तानी सेना में श्रेय लेने की होड़ लग गई है। वैश्विक स्तर पर आतंकियों के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था एफ.ए.टी.एफ. ने शुक्रवार को ऐलान किया कि 4 साल तक ग्रे लिस्ट में रखने के बाद अब वह पाकिस्तान को इस सूची से निकालने की प्रक्रिया को शुरू कर रही है। इन 4 वर्षों में पाकिस्तान को मजबूरन आतंकियों के वित्तपोषण रोकना पड़ा है, नहीं तो उसके ब्लैक लिस्ट होने का खतरा मंडरा रहा था। एफ.ए.टी.एफ. ने कहा कि उसका दल पाकिस्तान जाएगा।

'माफीवीर'...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये तैयारियाँ कर रहे हैं और पिछले तीन साल में कोई भर्ती नहीं हुई है। प्रियंका ने कहा था कि इन भर्ती के लिये फिट रहने के लिये दौड़ लगाते-लगाते इन लोगों के पैरों में छाले पड़ गये हैं।

'होटल 17 लाख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अचानक शादी करने से इन्कार कर दिया। परिवादी ने 12 अप्रैल को होटल प्रबंधन को समारोह निरस्त करने की जानकारी दी। इस पर होटल प्रबंधन ने पूरी राशि लौटाने का आश्वासन दिया। वहीं बाद में प्रबंधन ने 25 फीसदी राशि और पांच प्रतिशत सर्विस चार्ज लौटाने की बात कही, जो कि भविष्य में पुत्री की शादी होटल से करने पर 5 लाख 66 हजार चार सौ रुपए की छूट के तौर पर दी जा सकती है। परिवाद के जवाब में होटल की ओर से कहा गया कि एग्रीमेंट के अनुसार आयोजन से पन्द्रह दिन पहले बुकिंग निरस्त कराने पर ही पूरी राशि वापस दी जा सकती थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने नुकसान की भरपाई के रूप में पन्द्रह फीसदी राशि की कटौती कर शेष 17 लाख रुपए दो माह में लौटाने को कहा है।

बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने एनएच 48 जाम करने की कोशिश की

पुलिस के पहुंचने पर शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ कर टायर जलाये

बहरोड़/नीमराना/अलवर, 18 जून (निसं)। अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने सुबह लगभग 9:30 बजे नैशनल हाईवे नंबर 48 पर जाम लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस जाब्ता जब मौके पर पहुंच गया तो उपद्रवकारियों ने शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ तथा उपद्रव मचाना शुरू कर दिया और इसी बीच एक ग्रुप ने बहरोड़ के आरटीओ ऑफिस के पास टायर जला दिया।

बताया जाता है कि बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने सोची समझी साजिश के तहत निजी संस्थाओं तथा डिफेंस एकेडमियों के उकसाने पर उपद्रवकारी घटनाओं को अंजाम दिया।

पुलिस ने लगभग 23 युवाओं को हिरासत में लिया है। बहरोड थानाधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि इन लोगों को शांतिभंग के आरोप में निरुद्ध करते हुए हिरासत में लिया गया है तथा गहन अनुसंधान के बाद इनके खिलाफ यदि किसी बड़ी साजिश का भंडाफोड हुआ तो कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों में स्थानीय युवाओं के साथ-साथ हरियाणा के युवा भी शामिल थे। पुलिस को युवाओं की बढ़ती भीड़ को देखकर हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान हाइवे पर लंबा जाम लग गया। वाहन चालक परेशान होते रहे। युवाओं का कहना था कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के हित में नहीं है।

युवाओं के आक्रोश बता रहे थे लेकिन उसमें आक्रोश और समझ की बजाय एक सोची-समझी रणनीति अधिक लग रही थी।

काबुल गुरुद्वारे में आई.एस.ने 15 सिखों कों बंधक बनाया

काबुल/नई दिल्ली, 18 जून (वार्ता)। काबुल में करता परवन गुरुद्वारा पर आतंकवादी हमले में कम से कम एक व्यक्ति के मारे जाने की रिपोर्ट है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने गुरुद्वारे के अंदर करीब 15 लोगों को बंधक भी बना रखा है।

- **आतंकियों ने गुरुद्वारे के बाहर दो विस्फोट किये और गोलीबारी भी की**
- **एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है।**

रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक स्टेट के खुरासन गुट (आई.एस.आई.एस.) से जुड़े कुछ आतंवादियों ने शनिवार सुबह गुरुद्वारे पर गोलाबारी की। हमले के समय धमाकों और गोलीबारी की आवाज दूर तक सुनाई दे रही थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सिख नेता मनजीन्द्रर सिंह सिरसा ने बाद में बताया कि हमलावरों को अफगानी सुरक्षा बलों के जवानों ने काबू में कर लिया है। गुरुद्वारे परिसर की स्थिति पर अब अफगानी पुलिस का नियंत्रण है। सिंह ने बताया कि अफगानिस्तान के कुछ सिख और हिन्दू गुरुद्वारे में फंसे हुए हैं। उनके अनुसार हमले में दो लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से एक की मौत हो गयी है। सोशल मीडिया के अनुसार शुरुआती जानकारी में गुरुद्वारे के गेट के बाहर हुए धमाकों में दो अफगान मारे गये।

सरकार ने "अग्निपथ" भर्ती प्रोग्राम पर अडिग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनिकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। इस योजना को वापस लेने की माँग को खारिज करते हुये, पासवान ने कहा कि यह एक सुविचारित योजना है। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग को बताया कि केन्द्र ने अब आयु-सीमा बढ़ा दी है। उन नौकरियों के बारे में भी सुस्पष्ट योजनाएं हैं, जो 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सुरक्षा बलों में निर्धारित अवधि को पूरा कर लेने के बाद मिल सकेंगी। सड़कों पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन को शांत करने की कोशिश करते हुये पासवान ने कहा कि कई राज्यों ने ऐसे आश्वासन भी दिये हैं कि वे राज्य पुलिस की नौकरियों में अग्निवीरों को प्राथमिकता देंगे।

बिहार में व्यापक विरोध की रिपोर्टें हैं। वहाँ आक्रोशित भीड़ ने दर्जनों ट्रेनों को आग लगा दी तथा अनेक शहरों और कस्बों में सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया, जिससे बाध्य होकर पुलिस ने करीब एक-तिहाई राज्य में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दीं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रेलवे सम्पत्ति के विध्वंस से इस अकेले राज्य में ही 200 करोड़ रू. के अधिक का नुकसान हो चुका है। किन्तु राज्य पुलिस के सर्वोच्च अधिकारी, डॉयरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एस.के. सिंघल ने कहा है कि ऐसी "धारणा" पैदा की जा रही है कि पुलिस बिहार में विरोध को नियंत्रित करने की कार्यवाही समय पर करने में विफल रही है। ज्ञातव्य है कि बिहार अग्निपथ-विरोधों से सर्वाधिक त्रस्त राज्यों में से एक हैं।

बिहार के 38 में से 18 जिलों में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दी गई हैं क्योंकि पुलिस सोशल मीडिया पर फैल रहे जन-आक्रोश को दबाने की कोशिश में है। "अग्निपथ" योजना के विरोधों की तीव्रता की पृष्ठभूमि में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सैन्य भर्ती के इस नये मॉडल का जबरदस्त बचाव करते हुये कहा कि इसे बड़े पैमाने पर हुये विचार-विमर्श, जिनमें पूर्व सैनिकों के साथ हुआ विमर्श भी शामिल था, के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक कारणों के चलते एक "भ्रांत समय" फैलाई जा रही है। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में शनिवार को दोपहर बाद अपने निवास पर तीनों सशस्त्र सैन्य प्रमुखों के साथ मीटिंग कीं। भाजपा-शासित हरियाणा से भी विरोध-प्रदर्शनों की जानकारी मिली है। वहाँ कुछ युवाओं ने महेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर एक वाहन को आग के हवाले कर दिया। उधर पंजाब में 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों के समूह ने लुधियान रेलवे स्टेशन परिसर में घुसकर वहाँ की सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया।

इस बीच, गृह मंत्रालय ने दो अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती के लिये, अग्निवीरों को निर्धारित आयु सीमा में तीन साल की छूट प्रदान कर दी। इस समय, अर्द्धसैनिक बलों की पाँच शाखाओं- बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.), सैन्ट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सी.आर.पी.एफ.), इन्डो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आई.टी. बी.पी.), सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) तथा सैन्ट्रल इन्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सी.आई.एस.एफ.) में 73,000 से ज्यादा पद खाली हैं। गृह मंत्रालय के डेटा में कहा गया है कि 73,219 पद सी.ए.पी.एफ. तथा असम राइफल्स में खाली हैं। इनके अलावा 18,124 पद केन्द्र शासित राज्यों के पुलिस बलों में भी खाली हैं। 10 लाख पदों वाली सी.ए.पी.एफ. गृह मंत्रालय के तहत सर्वाधिक रोजगार-प्रदाता एजेंसियों में से एक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह तथा थल सेनाध्यक्ष द्वारा कल दिये गये आश्वासनों के बावजूद, इस नई अल्पकालीन सैन्य भर्ती योजना "अग्निपथ" का विरोध, जो अब आठ राज्यों में फैल गया है, केन्द्र सरकार के लिये एक बड़े मुद्दे का रूप ले चुका है।

तेलंगाना में ट्रेनों को आग लगाती तथा सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाती भीड़ पर की गई पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति मारा गया, जिससे वह सुरक्षा बलों का आतंक फैल गया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा मध्य प्रदेश से भी हिंसा की खबरें मिली हैं। बिहार में, विरोध-प्रदर्शनों के दौरान उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के मकान पर भी हमला किया गया। आंदोलनकारी नई भर्ती योजना में किये गये परिवर्तनों से नाराज है तथा इसका खास कारण हैं- सेवावधि का कम होना तथा जल्दी सेवानिवृत्त किये जाने वाले अग्निवीरों के लिए पेंशन का कोई प्रावधान न होना।

सरकार ने मंगलवार को अग्निपथ योजना को सार्वजनिक करते हुये इसे थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में सैनिकों की भर्ती के लिये एक "रूपान्तरकारी" अर्थात काया-पलट कर देने वाली योजना बताया था। किन्तु कांग्रेस ने कहा कि यह योजना "विवादास्पद, कई प्रकार के जोखिमों से भरी हुई, लम्बे समय से चली परम्पराओं को नष्ट कर देने वाली है तथा यह "थोड़े से पैसों की खातिर सुरक्षा में खामी लाने वाली" सिद्ध हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908